राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 83 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,25 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50


## अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की प्रधानमंत्री मोदी के साथ 57 मिनट चली मुलाकात, कहा

# हम अपनी मजबूत साझेदारी का निर्माण जारी रखेंगे

**वाशिंगटन ■ एजेंसी**

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत के साथ एक मजबूत साझेदारी का निर्माण जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शुक्रवार को ओवल ऑफिस में उनकी 57 मिनट तक चली द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा कि श्रीमान प्रधानमंत्री, हम अपनी मजबूत साझेदारी को जारी रखने जा रहे हैं।

वाशिंगटन में नरेंद्र मोदी और जो बाइडेन के बीच कुछ ऐसे नजर आई गर्मजोशी।

**पीएम मोदी ने कहा–** भारत और अमेरिका के रिश्तों में टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका है। पीएम मोदी ने कहा कि आपने बताया कि 40 लाख भारतीय अमेरिका को मजबूत कर रहे हैं। लोगों से लोगों का संपर्क महत्वपूर्ण है और इसमें आपका योगदान काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। इसी तरह, भारत और अमेरिका के रिश्तों में टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उसी प्रकार से भारत और अमेरिका के बीच व्यापार का अपना संबंध है और हम एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं। ऐसी कई चीजें हैं जिसकी अमेरिका से भारत को जरूरत है और कई चीजें है जिसकी भारत से अमेरिका को जरूरत है।

**पीएम मोदी ने बाइडेन का जताया आभार:** बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए राष्ट्रपति बाइडेन का आभार जताया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अमेरिका के विकास में भारत के टैलेंट की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में ट्रस्टीशिप की भावना एक जैसी है।

### यह रिश्ते दुनिया के लिए फायदेमंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों के बीच ये वार्ता करीब 57 मिनट चली। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत अमेरिका के रिश्ते पूरी दुनिया के लिए फायदेमंद होंगे। शुक्रवार को ही क्वाड की भी बैठक हुई। इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने अपनी बैठक के उद्घाटन खंड के दौरान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की भारतीय विरासत का भी संदर्भ दिया। बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी भारतीय प्रधानमंत्री के साथ यह पहली व्यक्तिगत बैठक है।

### जब दुनिया कोरोना से लड़ रही, क्वाड फिर सक्रियः मोदी

**वाशिंगटन** में क्वाड की बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने क्वाड का उद्देश्य समझाते हुए कहा कि सबसे पहले साल 2004 के बाद क्वाड देश एकजुट हुए थे। तब सुनामी से निपटने के लिए हर तरह की मदद की गई थी। अब जब पूरी दुनिया कोरोना से लड़ रही है तब फिर दुनिया की भलाई के लिए क्वाड सक्रिय हुआ है।

#### पीएम मोदी बोले- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साथ काम करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान इस बात पर जोर दिया कि क्वाड देशों को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साथ मिलकर काम करना होगा। उनकी नजरों में क्वाड का उद्देश्य ही ये है कि सभी साथ मिलकर दुनिया में शांति स्थापित करें, इसे समृद्धि की ओर ले जाएं।

#### गलवान के लिए केवल चीन जिम्मेदार

**नई दिल्ली।** अमेरिका में क्वॉड की शिखर बैठक के पहले चीन द्वारा पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलवान घाटी में पिछले साल हुए सैन्य संघर्ष को लेकर दिए भड़काऊ बयान को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इसके लिए सिर्फ चीन का उकसावे भरा व्यवहार और एलएसी में बदलाव करने की एकतरफा कोशिश जिम्मेदार थी।

### पीएम मोदी के सामने कमला हैरिस ने लोकतंत्र पर की टिप्पणी

भारत की विपक्षी पार्टियां नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से लगातार कहती रही हैं कि देश का लोकतंत्र कमजोर हुआ है। विपक्षी पार्टियों का आरोप रहा है कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता पर एकाधिकार के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता और स्वतंत्रता खत्म कर दी है। इसी साल मार्च महीने में अमेरिका स्थित संस्था फ्रीडम हाउस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत के लोकतंत्र की रैंकिंग नीचे कर दी थी। भारत के स्वतंत्र लोकतंत्र को आंशिक रूप से स्वतंत्र लोकतंत्र की श्रेणी में रख दिया था। मार्च में ही स्वीडन स्थित वी-डेम इंस्टिट्यूट ने कहा था कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चुने हुए निरंकुश शासन में तब्दील हो गई है। नरेंद्र मोदी अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मिलने के बाद संयुक्त रूप से मीडिया के सामने बयान जारी करने आए तो हैरिस ने कहा कि दुनिया भर में लोकतंत्र खतरे में है और इसे बचाने की जरूरत है।

**पूरी दुनिया में लोकतंत्र खतरे में:** हैरिस ने कहा कि पूरी दुनिया में लोकतंत्र खतरे में है और अगर स्थिति को सुधारना है तो भारत का साथ आना जरूरी है। हैरिस ने वर्तमान स्थिति को सुधारने और सकारात्मक परिणाम के लिए भारत के सहयोग को काफी महत्वपूर्ण माना है। कमला हैरिस ने पीएम मोदी से कहा कि ये जरूरी है कि हम अपने-अपने देशों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संस्थानों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि मैं अपने परिवार और अपने खुद के अनुभवों से जानती हूं कि भारतीय लोग लोकतंत्र को लेकर कितने प्रतिबद्ध हैं और वे जानते हैं कि इसे लेकर क्या काम करने की जरूरत है ताकि हम लोकतांत्रिक सिद्धांतों और संस्थानों की कल्पना कर सकें और फिर उन्हें वाकई प्राप्त कर सकें।

## दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में जज के सामने गैंगस्टर जितेंद्र उर्फ गोगी की हत्या, दो हमलावर ढेर

**नई दिल्ली।** रोहिणी कोर्ट में दो बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर कुख्यात बदमाश जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या कर दी। वारदात के समय उसे कोर्ट रूम में पेशी के लिए लाया गया था। एक वकील ने बताया कि कोर्ट रुम में जज के सामने बदमाशों ने जितेंद्र मान उर्फ गोगी पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। जिसमें दोनों हमलावरों की भी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। मौके पर पुलिस के आला अधिकारी पहुंचकर जांच कर रहे हैं। कोर्ट की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार रोहिणी कोर्ट रूम 207 में एनडीपीएस के एक मामले में जितेंद्र गोगी को पेशी के लिए लाया गया था। इस कोर्ट में एनडीपीएस से जुड़े मामले की सुनवाई होती है। कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही थी कि वकील की पोशाक पहने दो हमलावरों ने गोगी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। बताया जाता है कि गोगी को तीन से चार गोलियां लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी दोनों हमलावरों पर गोली चलाई। जिसमें उन दोनों हमलावरों की भी गोली लगने की मौत हो गई।

रोहिणी कोर्ट में आज जो वारदात हुई है, वो दिल्ली की किसी भी निचली अदालत में हो सकती है। साकेत कोर्ट में भी सुरक्षा राम भरोसे ही है। यहां न तो मेटल डिटेक्टर ठीक से काम करता है और न ही प्रवेश के समय वकीलों या अन्य किसी की कोई जांच की जाती है। जब सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की जांच होती है, हाई कोर्ट में बिना आइ कार्ड दिखाए वकील कोर्ट परिसर में नहीं जा सकते तो निचली अदालतों में भी सुरक्षा की ऐसी ही कड़ी व्यवस्था क्यों नहीं की जाती। पुलिस को वकीलों के साथ समन्वय के साथ कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

**हमलावरों को ढेर करने वाले पुलिसकर्मियों को मिलेगा इनाम–** दिल्ली के पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने बताया कि दो बदमाशों ने रोहिणी कोर्ट में गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी पर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। पुलिस ने दोनों हमलावरों को मार गिराया। हमलावरों को ढेर करने वाले प्रत्येक पुलिसकर्मियों को 50-50 हजार रुपये बतौर इनाम दिया जाएगा।

**कोर्ट में चल रही थी सुनवाई-** पुलिस ने बताया कि शूटआउट के दौरान कोर्ट रूम में सुनवाई चल रही थी। बताया जा रहा है कि कई राउंड गोली चली है।

**कोर्ट रूम में जज के सामने मारी गोली**

रोहिणी कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि वकील की पोशाक पहनकर आए बदमाशों ने कोर्ट रूम में जज के सामने गोली मारी। इतिहास में शायद पहली ऐसी घटना है।

**6.5 लाख का इनामी थी गोगी–**

गोगी रोहिणी जेल संख्या 2 के हाई रिस्क वार्ड में बंद था। गोगी को स्पेशल सेल ने पिछले साल मार्च में बहुत मुश्किल से गुरुग्राम से पकड़ा था। उस समय उस पर 6.5 लाख का इनाम था। सूत्रों का कहना है कि विरोधी गिरोह ने जितेंद्र पर हमला किया है। जानकारी के अनुसार, गोली लगने से तीन लोग घायल भी हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर ढेर हो गए हैं।

**रोहिणी कोर्ट की सुरक्षा बढ़ाई गई**

पुलिस ने बताया कि गोगी को मारने आए राहुल फफूंदा और उसके साथी को सुरक्षा बल के जवानों ने मार गिराया। गोगी समेत तीन बदमाश मरे हैं। आरोपित वकील की ड्रेस पहनकर आये थे, ताकि कोई पहचान न सके। एक महिला वकील के पैर में गोली लगी है। घटना के बाद पुलिस ने रोहिणी कोर्ट में सुरक्षा बढ़ा दी है। कोर्ट के अंदर किसी को नहीं जाने दिया जा रहा है।

## एक नज़र...

### एयरबस संग सी 295 विमान बनाएगी टाटा

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** टाटा संस की इकाई टाटा एडवांस सिस्टम्स और अमेरिकी कंपनी एयरबस डिफेंस मिलकर भारत में भारतीय वायुसेना के लिए सी-295 विमान का निर्माण करेंगी। टाटा संस के मानद अध्यक्ष रतन टाटा ने बताया कि दोनों कंपनियों के बीच संयुक्त परियोजना की मंजूरी मिलना देश के विमानन व एवीओनिक्स परियोजनाओं को खोलने की दिशा में बड़ा कदम है। सी295 बहुउपयोगी विमान है, जिसे विभिन्न जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जा सकता है। इससे देश में पूरे विमान के निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। इससे अंतरराष्ट्रीय मानक के घरेलू स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला विकसित होगी, जो इससे पहले कभी भी नहीं हो सकी।

### राष्ट्रपति की आंख का सफल ऑपरेशन

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की दूसरी आंख की मोतियाबिंद की सर्जरी शुक्रवार को कराई। राष्ट्रपति भवन के सूत्रों ने बताया कि श्री कोविंद ने सेना के रैफरल एंड रिसर्च अस्पताल में दूसरी आंख की मोतियाबिंद की सर्जरी कराई। सूत्रों के अनुसार, सर्जरी सफल रही और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उनकी एक आंख का भी गत 19 अगस्त को सेना के अस्पताल में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया था। गौरतलब है कि हाल ही में शिमला की यात्रा कर वापस लौटे है।

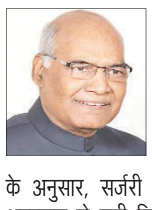

### ममता ने असम में हुई मौतों पर उठाए सवाल

**कोलकाता, (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में बीजेपी के नेताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के पास कालीघाट इलाके में बीजेपी नेता के पार्थिव शरीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया था। जिसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। ममता बनर्जी ने कहा है कि असम एनआरसी को लेकर कई लोगों की मौत हो गई थी। बीजेपी के शासन में कोई कानून नहीं है। साथ ही ममता ने कहा है कि बीजेपी को छूकर हमें शर्मिंदगी महसूस होती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने सुना है कि बीजेपी के एक पार्टी कार्यकर्ता की चुनाव के महीनों बाद मृत्यु हो गई थी। ऐसी मौतें हमेशा दुर्भाग्यपूर्ण होती हैं।

## पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर उमड़ा बीजेपी का प्यार, कई नेताओं ने इस्तीफे को लेकर कांग्रेस आलाकमान पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पंजाब में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर एक लंबे आंतरिक संघर्ष के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद बीजेपी नेतृत्व ने कैप्टन अमरिंदर सिंह के लिए एक नया प्यार विकसित किया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के साढ़े चार साल के कार्यकाल के दौरान लगातार उन पर हमला करने के बाद बीजेपी ने अब उनके बाहर निकलने को कांग्रेस की तरफ से राजनीतिक हत्या करार दिया है।

तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में राज्य में दरकिनार कर दी गई बीजेपी अगले साल के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक प्रासंगिकता हासिल करने की कोशिश कर रही है। वहीं अमरिंदर सिंह की टिप्पणियों में बीजेपी को एक मुद्दा मिल गया है, जिसमें अमरिंदर सिंह ने राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और उस देश के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ दोस्ती पर सवाल उठाया गया है।

**राष्ट्र-विरोधी है नवजोत सिंह सिद्धू- कैप्टन अमरिंदर सिंह**

पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद अमरिंदर सिंह ने कहा था कि सिद्धू को राज्य का सीएम नहीं बनना चाहिए, क्योंकि वो खतरनाक और राष्ट्र-विरोधी है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि हम सभी ने सिद्धू को इमरान खान और जनरल बाजवा को गले लगाते और करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन पर पाकिस्तान के पीएम के लिए गाते हुए देखा है, जबकि हमारे सैनिक हर दिन सीमाओं पर मारे जा रहे हैं।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज और बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग से लेकर पंजाब बीजेपी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा और उत्तराखंड के पार्टी सांसद अनिल बलूनी तक, सभी ने सिद्धू को लेने के लिए अमरिंदर की चिंता का हवाला दिया और पूर्व सीएम की टिप्पणियों पर कांग्रेस आलाकमान पर सवाल उठाए. अमरिंदर सिंह ने 18 सितंबर को इस्तीफा देने के बाद दिए गए सभी इंटरव्यू में बीजेपी के खिलाफ कुछ भी नहीं कहा है। इसके साथ ही अमरिंदर सिंह के बीजेपी के कड़े बचाव ने राजनैतिक गलियारों में अटकलें लगाई हैं कि क्या पूर्व सीएम भगवा पार्टी में शामिल होंगे। गुरुवार को अनिल विज ने अमरिंदर सिंह को राष्ट्रवादी बताते हुए कांग्रेस पर पंजाब और पाकिस्तान को करीब लाने के लिए राष्ट्र विरोधी साजिश रचने का आरोप लगाया. अनिल विज ने कहा कि राष्ट्रवादी अमरिंदर सिंह कांग्रेस के गेमप्लान में रोड़ा थे, इसलिए उनकी राजनीतिक हत्या की गई।

माननीय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण एवं युवा मामले एवं खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर द्वारा प्रथम हिमालय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह में पोस्टर का शुभारंभ। साथ ही तस्वीर में (बाएं से दाएं) सांसद लद्दाख, श्री जमयांग सेरिंग नामग्याल, भारतीय फिल्म अभिनेता श्री सिद्धार्थ मल्होत्रा, एलजी लद्दाख, श्री आर.के. माथुर और भारतीय फिल्म निर्देशक श्री विधु विनोद चोपड़ा।

## केरल में सुधर नहीं रहे हालात, देश भर में मिले कोरोना के 31,382 नए मामले

**नई दिल्ली।** देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में सुधार तो आया है, लेकिन केरल में हालात सुधर नहीं रहे हैं। केरल के चलते नए मरीजों की संख्या पिछले कुछ दिनों से 30,000 के आसपास बनी हुई है। बीते 24 घंटे के दौरान देश भर में 31,382 मामले मिले हैं, जिनमें से अकेले केरल से 17,983 केस हैं। इस दौरान देशभर में महामारी से 318 लोगों की मौत हो गई। इसमें भी 127 मौतें केरल में ही दर्ज की गई हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते एक दिन में सक्रिय मामलों में करीब 1,500 की गिरावट दर्ज की गई है और वर्तमान इनकी संख्या 3,00,162 पर आ गई है जो कुल मामलों का 0.89 फीसद है। मरीजों के उबरने की दर मार्च के बाद सबसे उच्चतम स्तर 97.78 फीसद पर पहुंच गई है। दैनिक संक्रमण दर 25 दिन से और साप्ताहिक संक्रमण दर 91 दिन से तीन फीसद से नीचे बनी हुई है।

**केरल में संभल नहीं रहे हालात**

केरल में कोरोना संक्रमण पर लगाम नहीं लग पा रही है। केरल में शुक्रवार को कोरोना संक्रमण के 17,983 नए मामले दर्ज किए गए। समाचार एजेंसी पीटीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक केरल में बीते 24 घंटे में 127 लोगों की मौत हुई है। इससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 45,97,293 हो गई जबकि महामारी से 24,318 लोगों की मौत हो चुकी है। केरल की रे वाले ठे य मंत्री वीना जार्ज ने बताया कि 422 स्थानीय स्व-सरकारी निकायों में 841 वार्ड हैं जहां साप्ताहिक संक्रमण रेट 10 फीसद से ज्यादा है। पिछले 24 घंटों में 1,10,523 नमूनों की जांच की गई है।

### कोविशील्ड वैक्सीन को यूरोपीय देश इटली ने दी मान्यता, अब ग्रीन पास के लिए पात्र होंगे भारतीय वैक्सीन कार्ड होल्डर

**नई दिल्ली,एजेंसी।** इटली ने शुक्रवार को कोविशील्ड वैक्सीन को मान्यता दे दी. कोविशील्ड ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका की तरफ से संयुक्त रूप से विकसित और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की ओर से निर्मित कोरोनावायरस के खिलाफ वैक्सीन है. इटली में भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा कि कोविशील्ड वैक्सीन लगाने वाले भारतीय कार्डधारक अब इतालवी ग्रीन पास के लिए पात्र होंगे.

दूतावास ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अपने इतालवी समकक्ष रॉबर्टो स्पेरांजा के साथ बैठक और विदेश मंत्रालय की मान्यता के लिए निरंतर प्रयासों का श्रेय दिया. दूतावास ने एक बयान में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और उनके इतालवी समकक्ष रॉबर्टो स्पेरांजा के बीच विदेश मंत्रालय के लगातार प्रयासों के साथ एक बैठक के परिणामस्वरूप इटली ने भारत के कोविशील्ड को मान्यता दी. साथ ही कहा कि भारतीय वैक्सीन कार्डधारक अब ग्रीन पास के लिए पात्र हैं. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया सितंबर की शुरुआत में जी-20 स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक के लिए इटली के रोम थे. उन्होंने 6 सितंबर को अपने इतालवी समकक्ष रॉबर्टो स्पेरांजा के साथ बातचीत की और अन्य मुद्दों के बीच टीकाकरण वाले भारतीय छात्रों के लिए यात्रा को प्राथमिकता देने पर चर्चा की. मंडाविया ने ट्वीट कर कहा कि स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए इटली के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्टो स्पेरांजा के साथ बातचीत की.

अब तक ईयू के 16 देशों ने कोविशील्ड को मान्यता दी है. इससे नागरिकों के लिए यूरोपीय संघ के डिजिटल कोविड प्रमाणपत्र या ग्रीन पास का लाभ उठाना आसान हो जाएगा, जिसका उद्देश्य कोविड -19 महामारी के प्रकोप के रूप में मुक्त आवाजाही की सुविधा प्रदान करना है. ग्रीन पास व्यक्तियों को यूरोपीय संघ के क्षेत्र के भीतर यात्रा प्रतिबंधों से छूट देता है. यूरोपीय संघ ने 27 सदस्य-राज्यों को ये तय करने की स्वतंत्रता दी है कि वो अपनी स्वीकृत सूची में कौन से टीके शामिल करना चाहते हैं. यूरोपीय संघ के देशों को राष्ट्रीय स्तर पर अधिकृत या डब्ल्यूएचओ की तरफ से मान्यता प्राप्त टीकों को मंजूरी देने की भी स्वतंत्रता है.

## राहुल और प्रियंका ने सचिन पायलट के साथ बैठक कर अशोक गहलोत पर बनाया दबाव

**नई दिल्ली।** पंजाब में सत्ता और संगठन का निजाम बदलने के बाद कांग्रेस हाईकमान ने राजस्थान की अंदरूनी खींचतान का समाधान निकालने की पहल तेज कर दी है। इसके तहत कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के साथ शुक्रवार को लंबी चर्चा की। समझा जाता है कि इस दौरान सूबे की सत्ता और संगठन में पायलट समर्थकों के समायोजन से लेकर उनकी भावी राजनीतिक भूमिका पर चर्चा हुई। राजस्थान कांग्रेस की अंदरूनी रस्साकशी पर विराम लगाने के लिहाज से यह बैठक इसलिए भी अहम रही कि सचिन पायलट को बगावत से वापस लाने में मुख्य भूमिका निभाने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी बैठक में मौजूद थीं।

राहुल और प्रियंका के साथ सचिन की इस बैठक के बाद कांग्रेस के सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि पार्टी हाईकमान ने अब राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी पायलट समर्थकों को सरकार में शामिल करने के लिए अपना दबाव बढ़ा दिया है। गहलोत पिछले करीब एक साल से पायलट गुट के विधायकों और हटाए गए मंत्रियों को अपनी कैबिनेट में लेने के मामले को टालते आ रहे हैं।

कांग्रेस हाईकमान ने बीते कुछ महीनों के दौरान गहलोत को साफ संदेश दे दिया था कि वह पायलट को बगावत से वापस लाने के लिए किए गए अपने वादे को पूरा करेगा। इस बीच गहलोत को दिल का दौरा पड़ने और एंजियोप्लास्टी के चलते मामला पिछले डेढ़-दो महीने से लटक गया था। लेकिन पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे पुराने दिग्गज को हटाने का सियासी आपरेशन पूरा करने के बाद राहुल और प्रियंका राजस्थान में गहलोत और पायलट के बीच संतुलन के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार दिख रहे हैं।

**पायलट की भविष्य की राजनीति पर निगाह**

राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते भी सचिन पायलट के साथ लंबी बातचीत की थी और समझा जाता है कि उनको कांग्रेस का राष्ट्रीय महासचिव बनाकर गुजरात का प्रभार देने की पेशकश भी की गई। लेकिन पायलट फिलहाल भविष्य की राजनीति पर निगाह लगाते हुए राजस्थान की सियासत में ही अपनी उचित और सम्मानजनक भूमिका पर जोर दे रहे हैं। बेशक पायलट अब गहलोत सरकार में डिप्टी सीएम बनने के इच्छुक नहीं हैं, मगर उनकी नजर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद फिर से हासिल करने पर लगी है।

पायलट के इन संकेतों से साफ है कि वे राजस्थान में कांग्रेस संगठन की कमान थामे रखने में भविष्य के लिहाज ज्यादा फायदा देख रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत के बेशक गांधी परिवार से अच्छे रिश्ते हैं, मगर सचिन पायलट भी राहुल और प्रियंका के करीबी नेताओं में गिने जाते रहे हैं। ऐसे में राहुल-प्रियंका के साथ हुई ताजा बैठक के बाद पायलट व उनके समर्थकों की प्रदेश की सत्ता और संगठन में जल्द वापसी लगभग तय है।

## तानाशाह की अपील: उ. कोरिया ने द. कोरिया के समक्ष वार्ता का प्रस्ताव रखा, शत्रुतापूर्ण नीतियां छोड़ने की शर्त रखी

**सियोल।** तानाशाह किम जोंग उन की बहन ने कहा कि दक्षिण कोरिया अगर शत्रुतापूर्ण नीतियों और दोहरे मानदंडों के साथ उसे उकसाना छोड़ देता है तो उनका देश उससे फिर बातचीत शुरू करने को तैयार है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जेइ-इन ने इस सप्ताह 1950-53 के कोरियाई युद्ध के समाप्त करने की घोषणा के लिए नए सिरे से आह्वान किया था, जिसके जवाब में किम यो जोंग ने शुक्रवार को ये टिप्पणियां की। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म करने की घोषणा की जा सकती है अगर कोरियाई देश एक-दूसरे के प्रति शत्रुतापूर्ण नीतियां और अनुचित दोहरे मानदंड तथा पक्षपातपूर्ण विचार छोड़ दें। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया संबंधों में सुधार लाने पर दक्षिण कोरिया के साथ सार्थक बातचीत करने को तैयार है। उनका यह बयान तब आया है जब कुछ दिनों पहले उत्तर कोरिया ने अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध के बीच छह महीने बाद पहला मिसाइल परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने पहले कहा है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच सैन्य अभ्यास तथा अमेरिका द्वारा लगाए प्रतिबंध प्योंगयांग के खिलाफ शत्रुतापूर्ण नीतियों के उदाहरण हैं।

## मोदी-कमला हैरिस की मुलाकात: अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने पाक को माना आतंकियों का ठिकाना, सुरक्षा के लिए बताया खतरा

**वाशिंगटन**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने खुद माना कि पाकिस्तान की धरती पर कई आतंकी संगठन सक्रिय हैं। इन आतंकियों को इस्लामाबाद से संरक्षण प्राप्त है। यह जानकारी विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने ट्वीट कर दी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी की अमेरिकी उपराष्ट्रपति से मुलाकात काफी सफल रही और इस मुलाकात में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब किया गया। बता दें, प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अमेरिका दौरे पर हैं और गुरुवार देर रात उन्होंने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मुलाकात की। मुलाकात की जानकारी देते हुए विदेश सचिव ने बताया कि कमला हैरिस ने खुद माना कि तालिबान की मदद करने में पाकिस्तान का हाथ है। उन्होंने पाकिस्तान को साफ लहजे में चेतावनी भी दी कि वह भारत व अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा न बने और अपने यहां पनप रहे आतंकवाद खत्म करे।

इस दौरान उन्होंने भारत में सीमा पार से हो रही आतंकी गतिविधियों पर भी सहमति प्रकट की और माना कि पाकिस्तान इसमें आतंकियों की मदद कर रहा है। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कमला हैरिस से उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली मुलाकात थी। इससे पहले दोनों नेताओं की फोन पर बातचीत हुई है।

## ओस्लो: नोबेल पुरस्कार समारोह फिर रद्द, स्थायी शांति के लिए राजपक्षे की सलाह

**कोलंबो**। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने कहा है कि देश में स्थायी रूप से शांति हासिल करने के लिए घरेलू संस्थानों के जरिये तमिल समुदाय से सार्थक सुलह जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि उनकी सरकार इस प्रक्रिया में सभी पक्षकारों को शामिल करने तथा अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों का सहयोग हासिल करने के लिए तैयार है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय चर्चा को संबोधित करते हुए राजपक्षे ने कहा, 2009 तक देश को 30 वर्षों तक अलगाववादी युद्ध का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि 2019 में श्रीलंका ने ईस्टर संडे हमलों में चरमपंथी धार्मिक आह्वतंकवादियों द्वारा मचाई गई तबाही देखी जिसमें 250 से अधिक लोग मारे गए थे।

# अफगानिस्तान: तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के बीच दरार की खबरें, सरकार में अंतर्विरोध और विभाजन गहराया

**काबुल।** अफगानिस्तान में तालिबान नेतृत्व के बीच विभाजन की खबरें आ रही हैं। पिछले महीने अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले समूह के भीतर अंतर्विरोध इस समय चरम पर है। हाल ही उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर का सार्वजनिक मंचों से गायब होना दर्शाता है कि तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के भीतर सब ठीक नहीं है।अल जज़ीरा ने बताया है कि तालिबान नेतृत्व के बीच विभाजन की खबरें आई हैं जिसने पिछले महीने अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान के अंदर की एकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सूत्रों ने अल जज़ीरा को बताया कि तालिबान के शीर्ष नेतृत्व के बीच कलह बहुत हद तक वास्तविक है और अगर यह दरार बढ़ती है तो यह लोगों के लिए परेशानी का सबब बनेगी। तालिबान की एकता के बारे में जनता का संदेह इस महीने की शुरुआत में ही बढ़ गया था जब बरादार सार्वजनिक रूप से गायब हो गए थे। कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें मार दिया गया है। लेकिन जब वह फिर सामने आए वह खुद नहीं बल्कि एक

रिकार्डेड बयान आया। इस रिकार्ड में बरादर ने सार्वजनिक रूप से अपनी अनुपस्थिति का कारण यात्रा बताया था। अपना बयान पढ़ते हुए उन्होंने किसी तरह के विरोध को खारिज करते हुए कहा कि तालिबान आपस में एक परिवार से अधिक प्रेम रखते हैं।

हालांकि, तालिबान को कवर करने में कई साल बिताने वाले एक लेखक और रिपोर्टर ने कहा कि विभाजन राजनीतिक-सैन्य विभाजन का परिणाम है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथियों ने कहा कि महसूस करते हैं कि उन पर 20 साल की लड़ाई का बकाया है। एक राजनीतिक स्रोत जिसका तालिबान के शीर्ष अधिकारियों के साथ दशकों पुराना संबंध है, उन्होंने सहमति व्यक्त की और कहा कि दरार का प्रभाव सत्ता से लेकर सड़कों तक फैला हुआ है जहां तालिबानी प्रमुख शहरों से गुजर रहे हैं और जबरन पूर्व अधिकारी और उनके परिवार का सामान उठा ले जा रहे हैं। सूत्र ने कहा कि फिलहाल, उन्हें केवल लोगों की कारों और घरों की परवाह है।

पूर्व अधिकारियों के परिवारों ने अल जज़ीरा को बताया है कि तालिबानियों ने उनके घर और उनकी निजी कारों सहित उनके सामान को जब्त करने की कोशिश की है। यह हाल सूचना और संस्कृति के उप मंत्री जबीहुल्लाह मुजाहिद के देश पर तालिबान के कब्जे के दो दिन बाद आए उस बयान के बावजूद है जिसमें उन्होंने सभी को निर्देश दिया कि वे लोग किसी के घर में प्रवेश न करें चाहे वे नागरिक हों या सैनिक।

# तालिबान का एक्शन वैश्विक समुदाय के रिएक्शन को तय करेगा: ब्लिंकन

**न्यूयार्क।** अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा कि तालिबान के अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संबंध इस समूह द्वारा की जाने वाली कार्रवाइयों से परिभाषित होंगे। उनका कहना है कि यह दुनिया के लिए एक एहसान नहीं है बल्कि एक स्थिर और सुरक्षित अफगानिस्तान के लिए एक बुनियादी आवश्यकता है। 1 मई से शुरू हुई अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने पिछले महीने अफगानिस्तान में लगभग सभी प्रमुख शहरों पर कब्जा कर लिया था। 15 अगस्त को राजधानी काबुल विद्रोहियों के हाथों घिर गया था।

कट्टरपंथी इस्लामी विद्रोहियों ने 6 सितंबर को पंजशीर (जो अंत तक काफी मुश्किलों के साथ हासिल किया था) पर जीत का दावा किया। तालिबान के इस तरह काबुल पर कब्जा करने के तीन सप्ताह बाद अफगानिस्तान पर

अपना कब्जा पूरा कर लिया।

ब्लिंकन ने यहां एक प्रेस कांफ्रेस में कहा, फिर से, तालिबान वैधता चाहता है, वह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन चाहता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जो तालिबान के संबंध होंगे वे समूह की कार्रवाइयों से परिभाषित किए जाएंगे। हम यही देखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। सिर्फ हम ही नहीं, सुरक्षा परिषद और दुनिया भर के देश हैं देख रहे हैं। सवाल चीन, पाकिस्तान जैसे देश और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सभी पांच स्थायी सदस्य द्वारा तालिबान की वैधता से जुड़ा था। अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2593 को अगस्त में भारत की 15 देशों की परिषद की अध्यक्षता के तहत अपनाया गया था, जिसमें मांग की गई थी कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल किसी भी देश को धमकाने या हमला करने या आतंकवादियों को शरण देने या प्रशिक्षित करने के लिए या आतंकवादी कृत्यों की योजना या वित्तपोषण के लिए नहीं किया जाना चाहिए। , और संकल्प 1267 (1999) के अनुसार नामित व्यक्तियों और संस्थाओं सहित, अफगानिस्तान में आतंकवाद का मुकाबला करने के महत्व को दोहराया और तालिबान की प्रासंगिक प्रतिबद्धताओं को नोट किया।

## पाकिस्तान में उपद्रवियों ने निर्माणाधीन लड़कियों का स्कूल भवन उड़ाया, कोई हताहत नहीं

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में उपद्रवियों ने खैबर पख्तूनख्वा के टांक जिले में एक निर्माणाधींन लड़कियों के स्कूल भवन को उड़ा दिया। हुए विस्फोट में स्कूल का भवन पूरी तरह तबाह हो गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।टांक जिले के पुलिस अधिकारी ने कहा कि चार से पांच किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। पुलिस ने अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है और मामले में जांच शुरू कर दी है। लड़कियों की शिक्षा के मामले में पाकिस्तान दुनिया के सबसे खराब देशों में गिना जाता है। जुलाई 2018 में सत्ता में आई नई सरकार ने कहा था कि 2.25 करोड़ बच्चे पाकिस्तान में स्कूल से वंचित हैं। लड़कियां खास तौर से ज्यादा प्रभावित हैं। पाकिस्तान में प्राथमिक विद्यालय में जाने योग्य आयुवर्ग की 32 फीसद लड़कियां स्कूल से वंचित हैं जबकि 21 फीसद लड़के स्कूल जाने से वंचित हैं। छठी कक्षा तक 59 फीसद लड़कियां और 49 फीसद लड़के स्कूल से वंचित हैं। चीन और पाकिस्तान के सैनिकों ने गुरुवार को एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे (आरएटीएस) के तहत संयुक्त आतंकवादरोधी अभ्यास शुरू किया।पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में कहा कि संयुक्त आतंकवाद निरोधी अभ्यास (जेएटीई)-2021 की खैबर-पख्तूनख्वा में राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र (एनसीटीसी) पब्बी में हुई।इसमें कहा गया है कि जेएटीई-2021 का आयोजन कार्डन एंड सर्च, कंपाउंड क्लीयरेंस, क्लोज क्वार्टर बैटल और मेडिकल इवैक्यूएशन सहित काउंटर टेररिज्म आपरेशंस में शामिल विभिन्न अभ्यासों और प्रक्रियाओं में महारत हासिल करने के लिए किया जा रहा है। अभ्यास का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की विशेष सेवाओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच तालमेल और अंतर-संचालन को बढ़ाना है।

## अमेरिका: टेनेसी के सुपरमार्केट में गोलीबारी में एक शख्स की मौत, 12 घायल, आरोपी भी मृत मिला

**वाशिंगटन।** अमेरिका के टेनेसी में दोपहर में एक सुपरमार्केट में हुई गोलीबारी गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 लोगों के घायल होने की खबर है। इस दौरान गोलीबारी करने का आरोपी भी मृत मिला है। ऐसे में संदेह है कि उसने खुद को गोली मार ली।

क्षेत्र के पुलिस प्रमुख डेल लेन ने कहा कि कुल 13 लोगों को गोली लगी और उनमें से 12 को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ को गंभीर चोटें आईं। उन्होंने कहा कि मैं 34 वर्षों से इस पेशे में हूं और मैंने आज तक ऐसा कुछ कभी नहीं देखा था। पुलिस प्रमुख लेन ने कहा कि मेम्फिस से लगभग 30 मील (50 किलोमीटर) पूर्व में स्थित उपनगरीय इलाके में एक सुपरमार्केट क्रोगर स्टोर में यह गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि टेनेसी के सुपरमार्केट में गुरुवार दोपहर को हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

इसके बाद गोलीबारी करने के आरोपी शख्स की लाश भी स्टोर की पूर्व दिशा से बरामद हुई। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी लाश देखकर लगता है कि वारदात को अंजाम देने के बाद जैसे उसने खुद को ही गोली मार ली। पुलिस प्रमुख डेल लेन ने कहा कि वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस की स्वाट टीम ने मोर्चा संभाला। इसके बाद स्टोर के गलियारे में मौजूद और छिपे हुए लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर ले गए।

# लाहौर में यौन हमले के मामलों में 300 फीसद की वृद्धि, ग्रेटर इकबाल पार्क की घटना के बाद दर्ज होने लगे हैं केस

**लाहौर।** लाहौर में हाल ही में यौन हमले के मामले दर्ज होने में 300 फीसद की वृद्धि देखी गई। स्थानीय मीडिया ने पुलिस रिकार्ड का हवाला देते हुए खबर दी है कि लाहौर के ग्रेटर इकबाल पार्क में हुए यौन हमले के बाद ऐसे मामलों के दर्ज होने में वृद्धि हुई है। पार्क में 400 संदिग्धों ने एक महिला पर हमला किया था।

पिछले डेढ़ महीने में 642 मामले दर्ज किए गए। पुलिस रिकार्ड का हवाला देते हुए जीओ न्यूज ने रिपोर्ट दी है कि इनमें से अगस्त में 323 और सितंबर में 319 मामले शामिल हैं। डीआइजी शरीक जमाल खान ने कहा, 'झूठा पाए जाने के बाद 110 मामलों को बंद कर दिया गया।' उन्होंने उल्लेख किया कि इससे पहले भी यौन हमले के मामले होते थे, लेकिन महिलाएं एफआइआर दर्ज कराने से बचती थीं। उन्होंने कहा,

'ग्रेटर इकबाल पार्क की घटना के बाद केस दर्ज कराने में वृद्धि हुई है।' पिछले महीने पाकिस्तान जिस दिन आजादी का जश्न मना रहा था उसी दिन की घटना को लेकर इंटरनेट मीडिया पर हंगामा हुआ था। महिला ने पुलिस में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि 400 लोगों ने 14 अगस्त को उसपर और उसकी सहेलियों पर उस समय हमला कर दिया जब वे लोग मीनार-ए-पाकिस्तान के समीप वीडियो तैयार कर रही थीं। इसके कुछ दिनों बाद एक दूसरा वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर आया जिसमें दूसरी महिला पर हमला हुआ था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि मोबाइल फोन के दुरुपयोग के कारण देश में महिलाओं से जुड़े अपराध में वृद्धि हुई है।

**बढ़ते यौन अपराधों पर पाक पीएम का अजीबो गरीब बयान:**वहीं, पिछले दिनों पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक अजीबो गरीब बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मोबाइल फोन के दुरुपयोग के चलते देश में यौन अपराध बढ़ रहे हैं। हमें अपने बच्चों को सीरत-ए-नबी के सर्वोच्च गुणों के बारे में शिक्षित करने की जरूरत है। इमरान के इस बयान की इंटरनेट मीडिया में खूब आलोचना हुई थी।

# ब्राजील-साउथ कोरिया, आस्ट्रेलिया और मेक्सिको में कोरोना की बढ़ी रफ्तार, तो इजराइल में कड़े हुए प्रतिबंध

**वाशिंगटन**। दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर एक बार फिर से बढ़ता जा रहा है। लगातार संक्रमण की रफ्तार कई देशों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इसमें ब्राजील, साउथ कोरिया, आस्ट्रेलिया, मेक्सिको जैसे देश शामिल हैं। बीते दिने भी इन देशों में रिकार्ड संख्या में मामले दर्ज हुए हैं। वहीं आस्ट्रेलिया में इस वक्त हालात बेकाबू है। यही वजह है कि यहां पर लाकडाउन लगा हुआ है। हालांकि, यहां पर कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके लोगों को काम करने की इजाजत दी गई है। ऐसे में यहां पर लोगों का विरोध प्रदर्शन भी हो रहा है। उनका मानना है कि पहले ही लाकडाउन के चलते उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। ऊपर से कोरोना की दोनों डोज के बाद ही उन्हें काम करने की इजाजत दी जा रही है।

**दुनियाभर में 23 करोड़ से ज्यादा मामले**

दुनियाभर में अब तक कोरोना के 23 करोड़ से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। वहीं 47 लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी इस जानलेवा वायरस ने ली है। अमेरिका दुनिया में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित देश है। सीएसएसइ के

अनुसार, संक्रमण के मामलों में भारत दूसरे स्थान पर है। 30 लाख से अधिक मामलों वाले अन्य सबसे प्रभावित देश ब्राजील, यूके, रूस, फ्रांस, तुर्की, ईरान, अर्जेंटीना, कोलंबिया, स्पेन, इटली, इंडोनेशिया जर्मनी और मेक्सिको हैं। तो चलिए जानते हैं कि बीते दिन किन देशों में कितने नए कोरोना के मामले सामने आए हैं और कितने लोगों की मौत हुई है।

**ब्राजील में कोरोना की ताजा स्थिति, बढ़े मामले**

सबसे पहले बात करते हैं ब्राजील की, यहां पर कोरोना के मामलों की संख्या पिछले 24 घंटों के भीतर 24,611 से बढ़कर 21,308,178 हो गई है, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार देर रात जारी किए आंकड़ों में इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, इसी अवधि में मरने वालों की संख्या 648 से बढ़कर 592,964 हो गई है।

उधर, साउथ कोरिया में भी कोरोना का संक्रमण एक बार फिर से बढ़ रहा है। इस देश ने एक रिकार्ड बनाया है। दैनिक मामले 2,434 दर्ज हुए हैं। यानी इन आंकड़ों ने पिछले महीने का रिकार्ड तोड दिया है। पिछले महीने यहां पर एक दिन में 22,00 मामले दर्ज हो चुके हैं। वहीं अब यह देश योजना बना रहा है कि कोरोना के साथ कैसे आगे बढ़ा जाए। वहीं मेक्सिको में 11,808 नए कोरोना मामले दर्ज होने के साथ 748 और मौतें हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है।

इसके साथ ही इजराइल में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बिना टीकाकरण वाले शिक्षकों के पढ़ाने पर प्रतिबंध लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन शिक्षकों ने कोरोना का टीका नहीं लगाया गया है, उन्हें स्कूलों में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इजराइली शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यह निर्देश दिए हैं।

# चीन की दादागिरी, इस माह 60 बार की ताइवान सीमा में घुसपैठ, दिखाई युद्ध जैसी आक्रामकता

**ताइपे।** चीन की लिबरेशन पीपुल्स आर्मी (पीएलए) ने अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर सितंबर में 60 बार ताइवान की सीमा में घुसपैठ की। चीन के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म वीबो ने बताया कि चीनी सेना ने न केवल ताइवान के एयर डिफेंस आइडेंटिटीफिकेशन जोन (एडीआइजेड) में घुसपैठ की है, बल्कि युद्ध जैसी आक्रामकता भी दिखाई है। इस संबंध में ताइवान ने कई बार घुसपैठ को लेकर चेतावनी भी जारी की है। पिछले कुछ समय से चीन की घुसपैठ करने की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस माह में केवल 2 और 18 सितंबर ऐसे दिन हैं, जब चीन ने एक बार भी घुसपैठ नहीं की है, वरना हर रोज कई-कई बार घुसपैठ की। चीन ताइवान पर पूरी स्वायत्तता का दावा करता रहा है। दो करोड़ 20 लाख की आबादी वाले इस देश की हकीकत है कि यह देश सात दशक से पूरी स्वायत्तता के साथ शासन चला रहा है। फिर भी चीन

इस पर दावा करते हुए लगातार दबाव बनाए हुए है। ताइवान अमेरिका व अन्य देशों से संबंध बनाकर चीनी आक्रामकता का लगातार मुकाबला कर रहा है।

हाल ही में चीन के आक्रामक रुख से परेशान ताइवान ने आत्मरक्षा में युद्धाभ्यास किया था। ताइवान के एक एफ-16 विमान ने उड़ान भरने के बाद अनानास के खेत में उतरा और दोबारा उड़ान भरने से पहले तेजी से ईंधन भरा था। इसमें ताइवान ने अपने स्वदेशी रक्षात्मक लड़ाकू, अमेरिका निर्मित एफ-16, फ्रांस निर्मित मिराज 2000-5 और एक पूर्व चेतावनी लड़ाकू विमान ई-2के खेतों के बीच हाईवे पर उतरे थे। हाल ही में ताइवान की विदेश मंत्री जोसेफ वू ने कहा था कि चीन तालिबान की तरह ही उनके देश पर भी कब्जा करना चाहता है। चीन लंबे समय से ताइवान पर कब्जे का मन बनाए हुए है। अगस्त महीने में चीनी सेना ने लड़ाकू विमानों, पनडुब्बीरोधी विमानों और युद्धपोतों के साथ ताइवान के समीप सैन्य अभ्यास किया था। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने इस सैन्य अभ्यास के बारे में कहा था कि ऐसा करना चीन की संप्रभुता की रक्षा के लिए जरूरी है। बता दें कि चीन ने जून में ताइवान की ओर रिकार्ड 28 लड़ाकू विमान उड़ाए थे।

## वैक्सीन का बूस्टर शॉट: अमेरिका में मिली अनुमति, छह महीने पहले टीकाकरण पूरा कर चुके लोगों को मिलेगा तीसरा डोज

**संयुक्त राष्ट्र।** दुनियाभर में कोरोना के खिलाफ बूस्टर शॉट को लेकर छिड़ी बहस के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए इसकी अनुमति दे दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, 65 की उम्र पार कर चुके या फिर अस्पतालों में तैनात 54 से 65 वर्ष के लोगों को यह बूस्टर डोज दी जाएगी। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इसके लिए हामी भर दी है। रात को सीडीसी निदेशक डॉ. रोशेल वालेंस्की ने बताया कि कोरोना को लेकर सलाहकारों के एक पैनल ने कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए बूस्टर डोज की मंजूरी दी है।

बता दें, अमेरिकी पैनल ने बूस्टर शॉट की मंजूरी सिर्फ उन लोगों के लिए ही दी है, जो छह महीने पहले वैक्सीन के दोनों डोज ले चुके होंगे। माना जा रहा है कि वैक्सीन के तीसरे डोज से उनकी इम्यूनिटी अच्छी होगी, जिससे कोरोना के खिलाफ वे बेहतर तरीके से जंग लड़ सकेंगे।

बूस्टर डोज के लिए सिर्फ 65 साल के ऊपर के लोग ही मान्य है या फिर डोज लेने वाले को हेल्थ वर्कर होना चाहिए। लेकिन पैनल के सामने 18 से 64 वर्ष के हेल्थ वर्करों को भी बूस्टर डोज देने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे पैनल ने खारिज कर दिया। हालांकि, सीडीसी निदेशक डॉ. रोशेल वालेंस्की ने दोबारा पैनल के सामने यह प्रस्ताव रखा है। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह तक पैनल इस पर फैसला ले सकता है।

बता दें, विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से अभी तक तीसरी डोज को लेकर कोई एडवाइजरी नहीं जारी की गई है। इसके बाजवूद दुनिया के कुछ देश बूस्टर डोज की अनुमति दे चुके हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि बिना इजाजत मुंबई के कुछ अस्पतालों में नेताओं व डॉक्टरों ने भी बूस्टर डोज लगवाया था।

केजरीवाल की सभी राज्यों से अपील

# पराली गलाने में किसानों की करें मदद

प्रफुल्ल राय (शिवालिक)

**नई दिल्ली ।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को खरखरी नाहर में पूसा इंस्टीट्यूट के सहयोग से बायो डि-कंपोजर घोल बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी राज्यों से अपील की कि दिल्ली सरकार की तरह अन्य राज्य भी पराली गलाने में अपने किसानों की मदद करें और बायो डि-कंपोजर के छिड़काव पर आना वाला पूरा खर्च उठाएं।

पिछली बार दिल्ली में करीब 300 किसानों ने 1950 एकड़ खेत में बायो डि-कंपोजर का छिड़काव किया था। वहीं, इस बार इसके परिणाम से उत्साहित होकर दिल्ली के 844 किसान करीब 4200 एकड़ खेत में इसका छिड़काव करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पराली का समाधान है और बायो डि-कंपोजर का घोल बनाने से लेकर छिड़काव करने तक एक हजार रुपए प्रति एकड़ से भी कम खर्च पड़ता है। एयर क्वालिटी कमीशन ने भी सभी राज्यों को बायो डि-कंपोजर का इस्तेमाल करने का आदेश दिए हैं, ताकि

पराली जलाने की समस्या से निजात मिल सके। वहीं, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि जब सभी राज्य सरकारें मिलकर पराली के समाधान की तरफ बढ़ेंगी, तभी इसका समाधान संभव है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खेतों में पराली के डंठल को गलाने के लिए आज खरखरी नाहर में बायो डि-कंपोजर का घोल बनाने की प्रक्रिया का उद्घाटन किया। बायो डि-कंपोजर का घोल भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, पूसा के सहयोग से खरखरी नाहर स्थित हॉर्टिकल्चर विभाग के नर्सरी में एक ही

- बायो डि-कंपोजर के छिड़काव पर आने वाला पूरा खर्च उठाएं सभी राज्य : केजरीवाल
- मुख्यमंत्री ने की बायो डि-कंपोजर घोल बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत

स्थान पर पूरी दिल्ली के लिए तैयार किया जा रहा है। पूरी दिल्ली में जहां से भी किसानों की ओर से घोल के छिड़काव की मांग आएगी, वहां कृषि विभाग की मदद से दिल्ली सरकार द्वारा नि:शुल्क छिड़काव कराया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने निरीक्षण कर घोल बनाने की प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय, विधायक गुलाब सिंह, सचिव, सह आयुक्त मधुप व्यास, विशेष विकास आयुक्त आरपी मीणा, पूसा इंस्टीट्यूट के बायो डि-कंपोजर प्रबंधन के नोडल अधिकारी व एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के प्रमुख इंद्र मनी मिश्र आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि बायो डि-कंपोजर घोल का पराली पर छिड़काव के प्रभाव का केंद्र सरकार की एजेंसी वाप्कोस ने अध्ययन किया है। वाप्कोस ने पाया कि बायो डि-कंपोजर के घोल का छिड़काव करने के बाद मिट्टी के अंदर कार्बन और नाइट्रोजन के कंटेंट के साथ और भी जो बहुत सारे गुण मौजूद हैं, वो बहुत ज्यादा बढ़ जाते हैं।

## अब हमें पराली का समाधान मिल गया है : केजरीवाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक हम कहते थे कि पराली का समाधान नहीं है और जब पराली के समाधान के नाम पर बात होती थी, तो बड़ी-बड़ी और महंगी-महंगी बातें की जाती थी। यह चीज बड़ा सस्ता है। घोल के कॉम्पोनेंट्स, घोल बनाने और इसके छिड़काव का सारा खर्चा मिलाकर हजार रुपए प्रति एकड़ से भी कम पड़ता है। दिल्ली में यह सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठा रही है। अब हमारी सभी सरकारों से अपील है कि अब हमें पराली का समाधान मिल गया है। जैसे दिल्ली सरकार अपने किसानों की मदद कर रही है, ऐसे ही बाकी सरकारें भी अपने-अपने किसानों की मदद करें। पंजाब की सरकार पंजाब के किसानों की मदद करे। हरियाणा सरकार हरियाणा के किसानों की मदद करे। उत्तर प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश के किसानों की मदद करे। अब हमें पराली जलाने की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार की एजेंसी के द्वारा यह जो थर्ड पार्टी ऑडिट किया गया है, इसके बाद अब एयर क्वालिटी कमीशन ने यह माना है कि बायो डि-कंपोजर सफल है। मुझे पता चला कि पिछले दो-चार दिन के अंदर एयर क्वालिटी कमीशन ने बाकी सभी सरकारों को आदेश दिए हैं कि वे भी पूसा इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए जा रहे बायो डि-कंपोजर घोल को इस्तेमाल करें, ताकि पराली जलाने की समस्या से निजात पाई जा सके।

## देशभर के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की तैयारी में विहिप, गठित की समिति

**नई दिल्ली ।** राम मंदिर के बाद अब विश्व हिंदू परिषद (विहिप) देशभर के मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की दिशा में गंभीरता से कदम उठा रही है। उसने इस मामले को आगे ले जाने को लेकर एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। यह समिति अक्टूबर से पूरे देश का भ्रमण कर इस मुद्दे पर आम सहमति के साथ माहौल तैयार करेगी। भ्रमण के दौरान समिति के लोग सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों में जाएंगे। उनसे जुड़े लोगों, धार्मिक, राजनीतिक तथा सामाजिक लोगों से विचार- विमर्श करेंगे। इस भ्रमण के अनुभव के आधार पर तैयार रिपोर्ट को केंद्र सरकार को सौंपते हुए उससे कानून बनाने की मांग की जाएगी। विहिप के मुताबिक छह माह में यह रिपोर्ट तैयार हो जाएगी। समिति का संयोजक विहिप के संयुक्त महामंत्री कोटेश्वर शर्मा को बनाया गया है। जबकि कार्याध्यक्ष आलोक कुमार, संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र जैन, विहिप के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु सदाशिव कोकजे, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव व तिरुपति मंदिर के प्रबंधन से जुड़े रहे एलबी सुब्रमण्यम तथा विहिप अधिवक्ता श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस समिति में शामिल हैं।

इसी वर्ष फरवरी में दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की मौजूदगी में विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारियों व प्रमुख संतों की बैठक हुई थी, जिसमें इस विषय को आगे ले जाने का निर्णय किया गया था। वहीं, इसी वर्ष जुलाई में फरीदाबाद में आयोजित परिषद की प्रबंध समिति व प्रन्यासी मंडल की बैठक में विहिप ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करते हुए दो प्रस्ताव भी पारित किए थे।

विहिप इस बात को लेकर काफी चिंतित है कि सरकारी नियंत्रण की स्थिति में इनके संचालन के लिए राज्य सरकारों द्वारा बनाई जा रही समितियों में गैर हिंदुओं को शामिल किया जा रहा है। इसी तरह मंदिर के धन का इस्तेमाल राजनीतिक स्वार्थ के लिए दूसरे धर्म के लोगों पर खर्च किया जा रहा है। कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि मठ-मंदिर न केवल आस्था, बल्कि हिंदू समाज की आत्मा है। इन्हें सरकारी नियंत्रण में नहीं रखा जा सकता। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि विहिप इस विषय को परिणति तक पहुंचाने में सफल होगी।

## संक्षिप्त खबर

### नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का किया जाएगा पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास कार्य में अपना पूरा सहयोग देगी। पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण के उपरांत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन बेहद खूबसूरत हो जाएगा और लोगों को स्टेशन पर विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है और हमारा जो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन है, वह पूरे देश में रेलवे का सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास में अपनी भूमिका के हिसाब से दिल्ली सरकार की तरफ से पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपराज्यपाल, मुख्य सचिव, नीति आयोग के सीईओ, डीडीए समेत अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में एक प्रजेंटेशन भी प्रस्तुत किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण किया जाना है। इस संबंध में आज आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली देश की राजधानी है और हमारा जो नई दिल्ली रेलवे स्टेशन है, वह पूरे देश में रेलवे का सबसे महत्वपूर्ण स्टेशन है। मैं भरोसा देना चाहता हूं कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास में अपनी भूमिका के हिसाब से दिल्ली सरकार की तरफ़ से पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। हम उम्मीद करते हैं कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास और सौंदर्यीकरण कार्य समय पर पूरा होगा। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन देश का सबसे बड़ा और दूसरा सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन है। यहां रोजाना लगभग 4.5 लाख यात्रियों का आवागमन होता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के क्षेत्रों के पुनर्विकास से यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं, सार्वजनिक सामुदायिक स्थान, स्टेशन और सबसे आधुनिक वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए सुगम और भीड़ मुक्त कनेक्टिविटी का निर्माण होगा। प्रस्तावित स्टेशन का आर्किटे. र सिग्नेशन स्टाइल और ऐतिहासिक व आधुनिक भारतीय संस्कृति दोनों से संबंधित है और इसे एक विशिष्ट पहचान देने की परिकल्पना की गई है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी, बीएसईएस, वन विभाग, समेत लगभग सभी संबंधित विभागों से जरूरी एनओसी प्राप्त हो चुकी है।

### पालिका परिषद् ने काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) ने हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 80 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में पालिका परिषद् की सदस्य विशाखा सैलानी ने सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हमें बोलचाल की भाषा को ही कार्यालयों में प्रयोग किया जाना चाहिए। इससे सभी को हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और हिंदी को बल मिलेगा। एनडीएमसी द्वारा आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के लिए रामलाल आनंद कॉलेज के प्राध्यापक प्रो. संजय कुमार और लेडी श्रीराम कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर सारिका कालरा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इसमें विभिन्न सुलेख, टिप्पण-आलेखन, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं की श्रृंखला का ही एक हिस्सा है। इस कार्यक्रम में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के निदेशक प्रशांत शुक्ला, स्वास्थ्य सलाहकार डॉ.पी. के. शर्मा और निदेशक आर.एन.सिंह भी उपस्थित थे ।

## कालेज में पढ़ाई के दौरान जानी दुश्मन बने टिल्लू-गोगी, नामी गायिका की हत्या भी करवाई थी

**नई दिल्ली । बाहरी** दिल्ली स्थित रोहिणी कोर्ट परिसर में शुक्रवार दोपहर वकील की ड्रेस में आए बदमाशों ने नामी गैंगस्टर जितेंद्र उर्फ गोगी की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद गोगी की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया। बताया जा रहा है कि जिन दो बदमाशों ने जितेंद्र उर्फ गोली की जान ली, वे टिल्लू गैंग से जुड़े थे। आइये हम बताते हैं कि कैसे दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले स्वामी श्रद्धानंद कालेज में पढ़ाई करने के दौरान टिल्लू ताजपुरी और जितेंद्र उर्फ गोगी एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। बताया जा रहा है कि दिल्ली के अलीपुर का रहने वाला जितेंद्र उर्फ गोगी (29) और टिल्लू ताजपुरी, कालेज में पढ़ाई के दौरान वर्चस्व की जंग में शामिल हो गए थे। कालेज में सिर्फ धाक जमाने के लिए दोनों बदमाशी करते थे। जितेन्द्र उर्फ गोगी और टिल्लू ताजपुरी ने गैंग बना लिया और मौका मिलने पर एक- दूसरे की पिटाई करने लगे। इसके बाद गैंगवार का सिलसिला शुरू हो गया। हालात यह हैं कि दोनों गैंग के बीच अब तक 20 से अधिक बार गैंगवार हो चुकी है, जिसमें 20 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इसी दुश्मनी का अंजाम है कि शुक्रवार को रोहिणी कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बावजूद जितेंद्र उर्फ गोगी दुश्मन गैंग टिल्लू गिरोह के बदमाशों के हाथों मारा गया। गोगी इस कदर बेखौफ था कि जब चाहें वह किसी की हत्या कर या फिर करवा देता था। पानीपत (हरियाणा) की रहने वाली गायिका हर्षिता दहिया की हत्या भी किसी अपने के कहने पर कर दी थी।

**लूटपाट और हत्या समेत जमीन कब्जाने में माहिर था जितेंद्र उर्फ गोगी-** जितेंद्र गोगी पर हत्या, लूटपाट, जमीन कब्जाने जैसे दर्जनों मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2016 में गोगी को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, वह कस्टडी से फरार हो गया था। एक समय उस पर चार लाख का इनाम रखा गया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, पिछले साल ही जितेंद्र उर्फ गोगी और उसके चार साथियों को पुलिस ने गुरुग्राम से गिरफ्तार कर लिया था। टिल्लू ताजपुरी भी गिरफ्तार हो चुका है और जेल में बंद है। हरियाणा के पानीपत की रहने वाली गायिका हर्षिता दहिया की हत्या भी जितेंद्र उर्फ गोगी गैंग ने की थी।

**पार्किंग ठेकेदार रहते थे इस गैंग के निशाने पर-** ताजा मामलों की ही बात की जाए तो इसी सितंबर महीने की पहली तारीख को दिल्ली के रानी बाग की पुलिस ने गोगी गैंग के कुछ बदमाशों को अपनी गिरफ्त में लिया था। इसके बाद इस कहानी का खुलासा हुआ था। पुलिस की जानकारी के अनुसार यह गैंग पार्किंग ठेकेदार राहुल कामरा को डीडीए कांप्लेक्स में चल रही पार्किंग को चलाने के लिए 50 हजार रुपये प्रोटेक्शन मनी देने के लिए धमकी देते थे। पुलिस के पास जब शिकायत पहुंची, तब टीम बना कर इस मामले की जांच की जाने लगी, तब गोगी गैंग का नाम सामने आया। वह अपने साथियों के द्वारा धमकी और पैसे लेने की जुगत में था, लेकिन उसके पहले ही पुलिस ने इस गैंग के चार बदमाशों को पकड़ लिया है।

**पुलिस ने चार बदमाशों को किया गिरफ्तार-** पुलिस जांच में पता चला कि आरोपितों की पहचान रामा विहार निवासी राहुल उर्फ नक्टा, मंगोलपुरी निवासी मनीष उर्फ मास्टर, रोहिणी सेक्टर चार निवासी जावेद उर्फ शकील और अमजद उर्फ यूनुस के रूप में हुई है। इन बदमाशों के पास से तीन हथियारों के साथ कारतूसों के अलावा एक कार लग्जरी कार बरामद हुई थी।

**कैसे हुए थे गिरफ्तार-** पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता राहुल ने बताया था कि वह डीडीए कांप्लेक्स में कार पार्किंग चलाते हैं। इसी दौरान छह अगस्त को दो कार से बदमाश आए जिसमें एक कार में गोगी गैंग का बदमाश राहुल था। यह वहां आते ही राहुल को धमकी देने लगा कि अगर पार्किंग चलाने की चाहत है, तो उसे प्रोटेक्शन मनी देनी होगी, नहीं देने पर पार्किंग छीन ली जाएगी। बदमाश ने कहा इसके बदले में हर महीने 50 हजार रुपये देने होंगे। वहीं, जब शिकायतकर्ता ने पैसे नहीं दिए तो अगस्त को कार में सवार होकर चार बदमाश पार्किंग में आए और पार्किंग के पैसे लूटकर चले गए। जाते-जाते कह गए कि यह पैसे प्रोटेक्शन मनी की किश्त है। जिसके बाद रानी बाग थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। जांच में पता चला कि राहुल पहले से अपराध की दुनिया में शामिल रहा है। जिसे जमानत पर रिहा किया गया था। इससे पहले वह गोगी गैंग के गैंगस्टर योगेश दहिया के संपर्क में आया फिर उसके कहने पर रंगदारी की मांग करने लगा था। इसके लिए वह बकायदा एक गिरोह बनाया, जिसमें वह खासकर एमसीडी पार्किंग चलाने वालों को टारगेट करने लगे। शुक्रवार को रोहिणी कोर्ट में हुए गैंगवार में जितेंद्र गोगी की हत्या के बाद यह अंदेशा है कि अपराध अब कुछ कम हो सकता है।

## दिल्ली में डेढ़ महीने तक बंद रहेंगीं शराब की निजी दुकानें

**नई दिल्ली ।** देश की राजधानी में इस महीने के अंत में निजी दुकानें बंद होने के कारण शराब की किल्लत होने की संभावना के बीच दिल्ली आबकारी विभाग ने सरकार द्वारा संचालित शराब की दुकानों को बढ़ती मांग के अनुसार स्टाक बनाए रखने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि नई आबकारी नीति के तहत शहर में निजी तौर पर चलने वाली लगभग 260 शराब की दुकानें 30 सितंबर को बंद हो जाएंगी। राजधानी दिल्ली में कुल लगभग 850 शराब की दुकानों में से केवल दिल्ली सरकार की एजेंसियों द्वारा संचालित शराब की बिक्री 16 नवंबर तक जारी रहेगी। दरअसल, दिल्ली में ओपन बिडिंग के जरिए लाइसेंस हासिल करने वाले नए खिलाड़ी 17 नवंबर से बाजार में उतरेंगे और 850 वेंडर्स का संचालन करेंगे। उपभोक्ताओं ने अपनी पसंदीदा शराब और निजी तौर पर संचालित शराब की दुकानों से गायब होने वाले ब्रांडों के कारोबार को बंद करने के साथ कमी का अनुभव करना शुरू कर दिया है।

दिल्ली आबकारी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकारी दुकानों से खुदरा बिक्री को मजबूत कर शराब की किल्लत न हो, इसके लिए कदम उठाए जा रहे है। अधिकारी ने कहा, यह डेढ़ महीने का संक्रमण काल है जिसके बाद चीजें सामान्य हो जाएंगी। हमने पहले ही 16 नवंबर तक शराब की दुकान चलाने वाली सरकारी एजेंसियों को मांग के अनुसार स्टाक बनाए रखने के लिए कहा है। दिल्ली लिकर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश गोयल ने कहा कि साकेत जैसे कुछ इलाकों में निजी शराब की दुकानों ने स्टाक बेचने के बाद पहले ही दुकान बंद कर दी है। शहर में सभी निजी दुकानों को एक साथ बंद करने से कमी पैदा होगी क्योंकि सरकारी दुकानें मांग को पूरा नहीं कर सकती हैं। दिल्ली शराब बिक्री संघ के अध्यक्ष अमित शर्मा, जो शहर में शराब की दुकानों पर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने दावा किया कि निजी स्टोर बंद होने के बाद लगभग 3000 लोग नौकरी खो देंगे। 30 सितंबर को निजी ठेके बंद होने से नगर निगम के 272 वार्डों में से 26 में शराब की खुदरा बिक्री नहीं होगी। इसके साथ ही 80 वार्डों में शराब की दुकानें नहीं हैं।

## लिफ्ट देकर चार बदमाशों ने बाप-बेटे से की लूटपाट, पीड़ितों का आरोप- छह दिन तक नहीं दर्ज की गई शिकायत

**नोएडा।** नोएडा थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर से एक कार में लिफ्ट देकर चार बदमाशों ने बाप-बेटे के साथ मारपीट कर 1,19,000 रुपए नकद और एटीएम कार्ड लूट लिया. पुलिस ने बताया कि घटना 16 सितंबर की है. पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस ने छह दिनों तक उनकी शिकायत दर्ज नहीं की और 22 सितंबर को जब मुकदमा दर्ज किया तो मामूली धाराओं में किया गया. दिल्ली के मदनपुर खादर में रहने वाले इकराम अली ने बताया कि वह दिल्ली में ऑटो रिक्शा चलाता है. उसने बताया कि 16 सितंबर को वह अपने पिता शोएब अली के साथ मैनपुरी जाने के लिए बस में बैठने नोएडा आया था. जब महामाया फ्लाईओवर के पास एक कार में सवार कुछ लोग मैनपुरी जाने के लिए उन्हें कार में बैठा लिया.

**चाकू और नुकीले सरियों से किया हमला-** शिकायत के मुताबिक पीड़ित ने बताया कि नोएडा एक्सप्रेस-वे पर पहुंचते ही कार में सवार बदमाशों ने चाकू और नुकीले सरिया के बल पर मारपीट शुरू कर दी. पीड़ित के अनुसार बदमाशों ने उनके पेट में सरिया मार कर उन्हें घायल कर दिया और उनसे नकदी लूट ली और एटीएम का पिन पूछकर 25-25 हजार की रकम निकाल ली.

**पुलिस ने दिया गिरफ्तारी का आश्वासन**

थाना सेक्टर 39 के थानाध्यक्ष राजीव बालियान ने बताया कि पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है. उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. साथ ही बताया कि नोएडा एक्सप्रेस-वे तथा यमुना एक्सप्रेस- वे पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंघाली जा रही है और बदमाशों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया.

**एफसीआई कर्मचारी की मौत-** नोएडा थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 78 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में कार्यरत एक व्यक्ति की बुधवार को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर 78 स्थित अंतरिक्ष गोल्फ व्यू (द्वितीय) सोसायटी में रहने वाले आलोक सिंह को गंभीर हालत में उनके परिजन ने नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनकी मौत हो गई.

## दिल्ली की सड़कों पर खराब तरीके से वाहन चलाने वाले 100 लोगों की लिस्ट तैयार

**नई दिल्ली ।** दिल्ली की सड़कों पर खराब तरीके से वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस राजधानी के ऐसे 100 खराब वाहन चालकों की एक लिस्ट तैयार कर रहा है, ऐसे सभी खराब ड्राइवरों को पहले उनकी खराब ड्राइविंग आदतों के बारे में पत्र भेजा जाएगा, उन्हें आगाह किया जाएगा। साथ ही उनको सड़क सुरक्षा परामर्श कक्षाओं के लिए बुलाया जाएगा, एक बार कक्षा में बुलाकर परामर्श दिए जाने के बाद उनकी ड्राइविंग की आदतों को देखा जाएगा, इसके बाद भी यदि वो नहीं सुधरे तो उनका ड्राइ?विंग लाइसेंस निरस्त कर दिया जाएगा। स्पेशल सीपी, यातायात मुक्तेश चंदर ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ऐसे ड्राइवरों की लिस्ट तैयार है और जल्द ही उनको उनके पते पर पत्र भेजा जाएगा और ठीक ड्राइविंग के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी।

राजधानी के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है जिसके तहत अब ऐसे खराब ड्राइवरों की एक लिस्ट तैयार की जा रही है। इस लिस्ट को तैयार करने में जगह-जगह लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की भी मदद ली जा रही है। अभी तक पुलिस की ओर से टॉप टेन वॉटेड बदमाशों, गैंगस्टरों आदि की ही लिस्ट तैयार की जाती रही है मगर अब पहली बार ऐसे खतरनाक ड्राइवरों की लिस्ट तैयार करने की दिशा में काम होता दिख रहा है। उन्होंने बताया कि पूरी दिल्ली के ऐसे 100 ड्राइवरों की लिस्ट तैयार की जा रही है। इन ड्राइवरों को पकड़ा तो नहीं जाएगा मगर इनको ट्रैफिक के नियम कानून ज्यादा ठीक से पढ़ाए जाएंगे जिससे ये दुबारा से उनका उल्लंघन न करें। मालूम हो कि दिल्ली की कई सड़कों पर वाहन चालक बड़े ही बेतरतीब तरीके से वाहन चलाते हैं, नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं और कई बार मासूम लोगों की जान के दुश्मन भी बन जाते हैं।

## दिनदहाड़े गोलीकांड और अपनी ही कोर्ट में 3-3 मौत के मुकदमें में क्या खुद 'जज साहब' होंगे चश्मदीद गवाह?

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली की रोहिणी जिला अदालत में शुक्रवार को दिनदहाड़े हुए गोलीकांड ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. सवाल राजधानी सहित देश की बाकी तमाम अदालतों की सुरक्षा पर. सवाल दिल्ली राज्य पुलिस के खुफिया तंत्र पर. सवाल खाकी पर भारी पड़ते खूंखार अपराधियों की दिन-ब-दिन बढ़ती हैसियत या कहिए उनकी ताकत का. रोहिणी जिला कोर्ट में घुसे बेखौफ दो कुख्यात बदमाशों ने पहले तो भरी कोर्ट में अपने दुश्मन गैंगस्टर जितेंद्र मान 'गोगी' को गोलियों से भून डाला. उसके बाद कोर्ट के भीतर मौके पर ही घेर लिए गए दोनों हमलावरों को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के शूटर्स ने गोलियों से भूनकर निपटा दिया.

यहां तक तो दुनिया ने जो देखा-सुना वही सच है. इस तमाम शोरगुल के बीच मगर इससे भी बड़ा और चौंकाने वाला जो तथ्य कहिए या फिर सच, जो छिपा हुआ ही रह गया है. ये सच है अदालत में किसी अपराधी से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे जज साहब, क्या अब अपनी अदालत में दिनदहाड़े बिछा दी गई तीन-तीन लाशों के मामले की पड़ताल और मुकदमे में चश्मदीद गवाह बनेंगे? वजह, शुक्रवार को दिल्ली की रोहिणी जिला अदालत की जिस स्पेशल कोर्ट नंबर 207 में हुए खूनी खेल के दौरान तीन-तीन लाशें बिछा दिए जाने का तांडव हुआ. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस वक्त स्पेशल जज गगनदीप सिंह खुद ही कोर्ट रूम में गैंगस्टर और छह लाख के इनामी बदमाश जितेंद्र मान उर्फ गोगी के मुकदमे की सुनवाई कर रहे थे.

**कोर्ट में वो गोलीकांड जिसने छोड़े तमाम सवाल-** चाहे जैसे भी सही मगर वकील के भेष में कोर्ट के भीतर पहुंचे विरोधी गुट के शार्प शूटर्स ने दुश्मन को जज के सामने गोलियों से भूनकर हिसाब बराबर कर लिया. खबरों के मुताबिक कत्ल-ए-आम चूंकि जज के सामने भरी अदालत में हुआ था. लिहाजा ऐसे में भला पुलिस (दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के शार्प शूटर्स) वाले भी हमलावरों को जिंदा कैसे निकल जाने देते? लिहाजा दोनों हमलावरों को मौके पर ही पुलिस ने गोलियों से भूनकर गोली का जवाब गोली और खून का जवाब खून करके दे दिया ताकि आइंदा कोई और बदमाश

देश की किसी अदालत में इस तरह की दुस्साहसिक घटना को अंजाम देने की हिमाकत करने से पहले सौ बार सोचे. घटना क्यों हुई, कैसे हुई? घटना को रोका जा सकता था या नहीं रोका जा सकता था? इस गोलीकांड के लिए जिम्मेदारों को तलाशने का काम आइंदा होने वाली तफ्तीश में होता रहेगा. शुक्रवार को हिंदुस्तान की राजधानी की रोहिणी जिला अदालत में घटित इस खूनी घटना ने मगर, एक महत्वपूर्ण सवाल जरूर अपने पीछे छोड़ दिया है.

**जानिए मुकदमें में कौन-कौन बन सकता है गवाह-** सवाल है कि चूंकि घटना कोर्ट के अंदर स्पेशल जज की मौजूदगी में घटी है. कोर्ट रूम के अंदर हुए कत्ल-ए-आम की आगे की जांच भी जाहिर सी बात है कि होगी ही. थाने में पुलिस यही मुकदमा लिखेगी, जो घटनाक्रम शुक्रवार को जमाने ने देखा-सुना.

ऐसे में जो लोग घटना के वक्त कोर्ट में या फिर कोर्ट के बाहर मौजूद थे, उन सबको पड़ताली एजेंसी यानी दिल्ली पुलिस चश्मदीद गवाह भी बनाएगी ही. इनमें सबसे मजबूत गवाहियां होंगी दिल्ली पुलिस के उन शार्प शूटर्स की, जिन्होंने मौके पर ही दोनों हमलावरों को ढेर कर दिया. उसके बाद उन सब गवाहों की गवाहियां महत्वपूर्ण होंगी और मुकदमे को मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका अदा करेंगी, जैसे कोर्ट का स्टाफ या फिर कोर्ट में मौजूद रहे लोग. वो चाहे वकील हों या फिर किसी अन्य मामले में अदालतों में मौजूद मुलजिम अथवा मुवक्किल.

ऐसे में यहां सबसे बड़ा मुद्दा ये उभरकर आ रहा है कि जब और जिन स्पेशल जज की कोर्ट के भीतर तीन-तीन लाशें बिछीं. दिन-दहाड़े अंधाधुंध गोलियां चलीं. वो स्पेशल जज खुद भी मौके पर घटना के चश्मदीद रहे. जैसा शुक्रवार को पूरे दिन खबरों में छाया रहा. अगर ऐसा है तो क्या मुकदमे के ट्रायल के दौरान दिल्ली पुलिस या फिर कोई भी जांच एजेंसी, संबंधित अदालत के स्पेशल जज को भी बतौर और मजबूत गवाह (चश्मदीद) की लिस्ट में शामिल करेगी? कानूनी विशेषज्ञों और दिल्ली पुलिस के ही एक पूर्व और मौजूदा अफसर का तो कमोबेश एक सा ही कथन इसे लेकर है, अगर जज साहब की कोर्ट में उन्हीं के सामने जब घटना घटित हुई तो संबंधित जज, आखिर खुद को चश्मदीद होने से इनकार कैसे कर सकते हैं?

**पूर्व पुलिस अधकारी क्या कहते हैं?-** उनकी (चश्मदीद स्पेशल जज जिनकी कोर्ट में गोलीकांड को अंजाम दिया गया) गवाही से तो केस के कहीं और भी ज्यादा मजबूती से न्याय के अंतिम पड़ाव तक पहुंचने की प्रबल संभावनाएं ही बनेंगी. दिल्ली पुलिस के संयुक्त आयुक्त पद से रिटायर होने वाले एक पूर्व आईपीएस अधिकारी के मुताबिक, जो कुछ मैने रोहिणी कोर्ट गोलीकांड में टीवी पर खबरों में दिन भर देखा-पढ़ा सुना है और अगर कोर्ट रूम में डायस पर जज साहब मौजूद थे, तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि जांच एजेंसी उन्हें चश्मदीद गवाह न बनाए. जहां तक मुझे याद आ रहा है, मेरे ख्याल से तो ये गोलीकांड वो भी जज के सामने उन्हीं की अदालत में हुआ, देश का शायद ऐसा पहला मामला होना चाहिए जिसमें अपनी अदालत में तीन लोगों की मौत के मामले में खुद जज साहब ही चश्मदीद बनेंगे!

# संपादकीय

## एक कारगर पहल के कई पहलू

मजदूरों का जल्द से जल्द डाटाबेस तैयार करने और उन तक सामाजिक कल्याण योजनाओं व अन्य जरूरतों की पहुंच सुनिश्चित करने संबंधी सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद आखिरकार केंद्र सरकार ने ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत कर दी। दावा किया गया है कि इससे 38 करोड़ श्रमिकों को फायदा होगा। इसके तहत रजिस्टर्ड कामगारों को ई-श्रम कार्ड दिया जाएगा, जो पूरे देश में मान्य होगा, और इससे असंगठित कामगारों को काम मिलने में सहूलियत होगी। पहली नजर में तो यह एक कारगर पहल लगती है, लेकिन असलियत में इसमें कई पेच हैं। सबसे पहले तो रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ही काफी उलझी हुई है। इसमें मजदूर अपना नाम तभी दर्ज करा सकेंगे, जब उनके पास मोबाइल नंबर और आधार कार्ड होगा। बेशक सरकार की तरफ से जारी टोल फ्री नंबर से उन्हें सहायता मिलेगी, लेकिन अधिकतर मजदूर इतने कुशल नहीं हैं कि वे खुद अपना नाम यहां दर्ज करा सकें। फिर, यह गारंटी भी नहीं है कि मोबाइल और आधार सब मजदूरों से पास हों। अच्छा होता कि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली गैर-सरकारी संस्थाओं या मजदूर संगठनों को रजिस्ट्रेशन कराने की जिम्मेदारी दी जाती। उनकी मदद से मजदूर अपना नाम इसमें आसानी से दर्ज करा सकते थे।

ई-श्रम पोर्टल पर यह भी जानकारी नहीं है कि कामगारों को किन-किन योजनाओं से जोड़ा जाएगा। असगंठित क्षेत्र क्रेडिट (पूंजी), तकनीक और मार्केटिंग की समस्या से जूझ रहा है। जिस तरह से बड़ी-बड़ी कंपनियों को काम करने के लिए 'वर्किंग कैपिटल' की दरकार होती है, उसी तरह असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी अपना काम-धंधा शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत है। ऐसे लोग आमतौर पर अपनी बचत को ही वर्किंग कैपिटल के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कोरोना की दो-दो लहरों ने इनकी सभी जमा-पूंजी खत्म कर दी होगी। निस्संदेह, केंद्र सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बतौर कर्ज 10-10 हजार रुपये की व्यवस्था की थी, लेकिन यह योजना लॉकडाउन-1.0 को देखकर जारी की गई थी, जबकि कोरोना की दूसरी लहर कहीं ज्यादा घातक रही। जाहिर है, यह रकम भी अब शायद ही इनके खाते में बची हो। ताजा पहल में यह बात अच्छी है कि इसमें मजदूरों को एक यूनीक नंबर दिया जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि देश के किस राज्य में कितने सारे लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और रोजगार के आकांक्षी हैं। मगर यह काम भी तभी होगा, जब अधिक से अधिक श्रमिक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकें। इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को अधिक सरल बनाना होगा और आधार कार्ड के बजाय पहचान के अन्य विकल्पों (जैसे, चुनाव पहचानपत्र, राशनकार्ड) को भी इस कवायद में शामिल करना होगा। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के मजदूरों को भी इसमें जोड़ना चाहिए। अभी देश में तकरीबन छह करोड़ सूक्ष्म कंपनियां हैं। साल 2011 की जनगणना बताती है कि कुल श्रम-बल में 45 फीसदी हिस्सेदारी गैर-कृषि क्षेत्र के श्रमिकों की है। मगर महामारी के बाद करीब 44 फीसदी हिस्सा कृषक मजदूरों का भी हो गया है। उनको भी यदि इसमें जोड़ सकें, तो एक बड़ी उपलब्धि सरकार के खाते में आ सकती है। अभी दिक्कत यह है कि बाजार में मांग बहुत कम है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना ने जिस तरह से असर डाला है, उसकी सबसे बड़ी मार असंगठित क्षेत्र के रोजगारों पर पड़ी है। जब लोगों की आमदनी कम हो गई है, तब भला मांग बढ़ने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? इतना ही नहीं, सरकार संगठित क्षेत्र को बढ़ावा देती रही है, जिससे असंगठित क्षेत्र की मांग भी संगठित क्षेत्र में चली गई। जैसे, जीएसटी से असंगठित क्षेत्र को बाहर रखना एक अच्छा कदम था, लेकिन इसका बुरा असर यह हुआ है कि असंगठित क्षेत्र को इनपुट क्रेडिट नहीं मिल रहा। नतीजतन, उसका माल महंगा हो गया है, जबकि इनपुट क्रेडिट पाकर संगठित क्षेत्र उपभोक्ताओं को अपनी ओर लुभा रहा है। प्रेस्टीज प्रेशर कूकर के चेयरमैन टीटी जगन्नाथन ने 2018 में कहा था कि पांच संगठित और 25 असगंठित क्षेत्र की कंपनियों सहित देश में प्रेशर कूकर की कुल 30 यूनीटें हैं। हम खुश हैं कि हमारी मांग 24 फीसदी बढ़ गई है, क्योंकि असंगठित क्षेत्र की मांग हमारी तरफ आ रही है। कुछ यही हाल आज है। असंगठित क्षेत्र में मांग तभी बढ़ेगी, जब श्रमिकों के पास पैसे होंगे। लिहाजा, ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड कामगारों के खाते में पैसे पहुंचाने की व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि उनकी खर्च की क्षमता बढ़ सके। एक रास्ता यह हो सकता है कि स्थानीय स्तर पर को-ऑपरेटिव बनाए जाएं, ताकि वे असंगठित क्षेत्र के उत्पादों की मार्केटिंग करें और कामगारों को तकनीक मुहैया कराएं। अगर ऐसा हो सका, तो इस पोर्टल से हम काफी फायदा उठा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए कुछ प्रशासनिक समस्याओं को दूर करना होगा। संभव हो, तो जनधन खाते को यहां से जोड़ देना चाहिए और मजदूरों का पैसा उसी खाते में जमा करना चाहिए। यहां ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना भी काफी काम आ सकती है। पिछले साल इसके लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो पर्याप्त नहीं था। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बता रही है कि इस योजना से श्रमिकों को साल में औसतन 50 दिनों का काम मिला, जबकि जरूरत 365 दिन में कम से कम 200 दिन काम मिलने की है। इसलिए, इस मद में 3.5 लाख करोड़ रुपये तक आवंटित किए जाने चाहिए थे, और कामगारों की मजदूरी भी बढ़ानी चाहिए थी। चूंकि अब भी बहुत सारे श्रमिक गांव से शहर की ओर नहीं लौटे हैं, इसलिए 1.5 लाख करोड़ रुपये तो तुरंत इस योजना में डाले जाने चाहिए। अगर सरकार ऐसा करती है, तो उसे ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड श्रमिकों को अलग से पैसे नहीं देने पड़ेंगे। वह चाहे, तो काम के हिसाब से मजदूरों को भुगतान कर सकती है। इसी तरह का प्रयास शहरी क्षेत्रों में भी किया जा सकता है। शहरी रोजगार योजना मौजूदा वक्त की बहुत जरूरी मांग है। असंगठित क्षेत्र के कामगार तुलनात्मक रूप से कम कुशल हैं। उनकी कुशलता बढ़ाने की दीर्घावधि योजना तो बननी ही चाहिए, पोर्टल पर यह भी सूचना होनी चाहिए कि वे किस काम में दक्ष हैं। ई-श्रम पोर्टल पर ब्लड ग्रुप तो पूछा गया है, लेकिन काम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मांगी गई है। जाहिर है, सरकार की यह पहल तो अच्छी है, लेकिन अब भी इसमें काफी सुधार किए जाने की जरूरत है।

प्रवीण कुमार सिंह

# समाज सुधारक की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जीवन का कण-कण देश को समर्पित

**'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से वह जनता से संवाद करते हैं और लोगों के अनुकरणीय कार्यो की सराहना भी करते हैं। उनकी सफलता का एक बड़ा रहस्य यह भी है कि वह कड़ी मेहनत करते हैं और सबको साथ में लेकर चलने में यकीन रखते हैं। भाजपा मोदी जी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती आई है। उनके नेतृत्व में भाजपा का मूल मंत्र-सेवा ही संगठन है। आज के दिन भी हमारे कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में विभिन्न प्रकल्प चला रहे हैं। मोदी जी का एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है। हमें उनके इस लक्ष्य की पूर्ति में अपना योगदान देना चाहिए।**

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारतीय शासन इतिहास में लगभग 20 वर्षो तक सबसे लंबे समय तक कार्य करने वाले निर्वाचित प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिन्होंने आम जनता से न केवल राजनीतिक रिश्ता, अपितु एक भावनात्मक संबंध भी स्थापित किया है। इसलिए जब अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सर्वे में मोदी जी दुनिया के सबसे लोकप्रिय जननेता चुने जाते हैं तो भारतीयों को इस पर तनिक आश्चर्य नहीं होता, क्योंकि वह हर हिंदुस्तानी के दिल में रचे-बसे हैं। मोदी जी केवल हमारे प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दे उठाने और जनसहयोग से उनका समाधान निकालने वाले समाज सुधारक भी हैं। खुले में शौच से मुक्ति, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण और नमामि गंगे अभियान की सफलता इसके प्रमाण हैं। वह बच्चों के पथ-प्रदर्शक हैं तो उन्हें प्रेरित करने वाले गुरु भी। उनका समग्र सार्वजनिक जीवन बेदाग और निष्कलंक रहा है। वह एक राजर्षि की भांति हैं, जो सदैव समाज के उत्थान और देश के कल्याण के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहते हैं।

क्या देशवासियों ने कभी कल्पना की थी कि अनुच्छेद-370 और धारा-35 ए की समाप्ति हो सकती है? 5 अगस्त 2019 को मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति से यह संभव हुआ और जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण से सही मायनों में 'एक देश, एक संविधान' की स्थापना हुई। आतंकवाद को लेकर पूर्ववर्ती सरकारें कोई निर्णायक फैसला नहीं ले पाती थीं, मगर मोदी जी ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुनिया को कड़ा संदेश देकर जताया कि भारत अब बदल गया है और अपनी सरहदों और अपने

नागरिकों की सुरक्षा के लिए वह कोई भी कदम उठा सकता है। इसका ही परिणाम है कि पिछले सात वर्षो के दौरान देश में आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है और देश शांति एवं समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ा है। लाल बहादुर शास्त्री जी के बाद मोदी जी एकमात्र ऐसे जननेता हैं, जिनके एक आह्वान पर पूरा देश एकजुट हो जाता है। कोरोना काल में उनके हर निर्देश पर जनता ने शत-प्रतिशत अमल किया। इससे हमें कोविड महामारी पर अंकुश लगाने में मदद मिली। उनके एक आह्वान पर समृद्ध लोगों ने सब्सिडी छोड़ दी। राष्ट्र सेवा के लिए पीएम केयर्स फंड को भर दिया। उनके आह्वान ने वैज्ञानिकों को देश में ही कोविड का टीका बनाने का मंत्र दे दिया। उन्होंने देशवासियों के मन से टीकाकरण को लेकर हिचक भी दूर की।

2014 से पहले राजनीतिक दलों के घोषणापत्र जनता को छलने का काम करते थे, लेकिन मोदी जी के शासनकाल में भाजपा के चुनावी घोषणापत्र की प्रत्येक पंक्ति सरकार का कर्तव्य और लक्ष्य बनती गई। जनता समझ गई है कि भाजपा उससे कोई झूठे वादे नहीं करती। मोदी जी ने देश की सोच के स्तर को उठाया है। उन्होंने राजनीतिक कार्यसंस्कृति की काया ही पलट दी। भारतीय राजनीति को जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण के दानव से मोदी जी ने मुक्ति दिलाई है। उनके नेतृत्व में विकासवाद की विशिष्ट राजनीतिक संस्कृति स्थापित एवं प्रतिष्ठित हुई है, जिसने देश मे राजनीति की दशा-दिशा बदल दी है। परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए उन्होंने 'प्रगति' जैसी निर्णायक पहल की है। इससे कई दशकों से लंबित परियोजनाओं को गति मिलने के साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिली है। इससे परियोजनाओं में देरी के कारण उनकी लागत में होने वाली वृद्धि पर भी अंकुश लगा है।

मोदी जी असाधारण वक्तृत्व कला, करिश्माई व्यक्तित्व, ईमानदार छवि, त्वरित निर्णय क्षमता, स्पष्ट दूरदृष्टि, अनुशासित जीवन, धैर्यशीलता, नेतृत्व कुशलता, विनम्रता और देश एवं नागरिकों के लिए कुछ भी कर गुजरने की प्रेरणा के पर्याय हैं। वह सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन के अनुकरणीय अलंकार हैं। त्वरित निर्णय लेने की उनकी खूबी उन्हें अनिर्णय के शिकार अधिकांश नेताओं से अलग करती है। चाहे मेड इन इंडिया वैक्सीन की बात हो या मेडिकल आक्सीजन की या फिर सक्रिय विदेश नीति या आतंक के खिलाफ आवश्यक प्रहार, हम उनकी निर्णय क्षमता के कायल हैं। हाल में ओलिंपिक एवं पैरालिंपिक में मिली सफलता में भी उनके फैसलों की छाप दिखती है।

मोदी जी का कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के लिए समर्पित है। कोरोना काल में लगातार दूसरे वर्ष 80 करोड़ लोगों को उन्होंने मुफ्त अनाज मुहैया कराया। 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपये सालाना का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। मामूली प्रीमियम पर जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा मिल रहा है। देश के 12 करोड़ किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि मिल रही है। हर गरीब को घर और उस घर में पानी, बिजली, गैस सिलिंडर और शौचालय मिल रहा है। उनके नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान चल रहा है। देश में 75 करोड़ लोगों को टीके की खुराक इसका स्पष्ट प्रमाण है। पूरी दुनिया इसकी प्रशंसा कर रही है।

अपने जीवन का प्रत्येक दिन मोदी जी देश को समर्पित करने के उद्देश्य के साथ जीते हैं। इसके लिए वह योग से ऊर्जा लेते हैं। उनकी ऊर्जा और फिटनेस हम सभी को प्रेरित करती है। जनता से सीधे जुड़ाव के लिए ही उन्होंने की। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से वह जनता से संवाद करते हैं और लोगों के अनुकरणीय कार्यो की सराहना भी करते हैं। उनकी सफलता का एक बड़ा रहस्य यह भी है कि वह कड़ी मेहनत करते हैं और सबको साथ में लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

भाजपा मोदी जी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती आई है। उनके नेतृत्व में भाजपा का मूल मंत्र-सेवा ही संगठन है। आज के दिन भी हमारे कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में विभिन्न प्रकल्प चला रहे हैं। मोदी जी का एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है। हमें उनके इस लक्ष्य की पूर्ति में अपना योगदान देना चाहिए।

## दलीय राजनीति छोड़, पूरे देश को होना चाहिए एकजुट

दिल्ली पुलिस द्वारा संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी, उनसे बरामद विस्फोटक और हथियारों ने फिर यह साबित किया कि भारत जिहादी आतंकियों के निशाने पर है। पुलिस ने इन गिरफ्तारियों से कितने हमलों को टाला या हम सबको कितने आतंकी हमलों से बचाया, इसका आकलन वही कर सकते हैं जो आतंकी खतरे को अच्छे से समझते हैं। गिरफ्तार संदिग्धों के कब्जे से आरडीएक्स, हथगोले, पिस्टल आदि बरामद होने की सूचना है। ये सारी बरामदगी अभी केवल एक जगह प्रयागराज से हुई है। प्रयागराज से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी जीशान के पास ये विनाशकारी सामग्री मौजूद थी तो उसका इस्तेमाल वह कहां और कैसे करता, इस पर विचार करते ही खौफ पैदा होता है। दिल्ली पुलिस कह रही है कि आरडीएक्स और हथगोले की खेप पाकिस्तान से भारत आई और विस्फोटक यहां भी बनाने की कोशिश हुई। जो आतंकी गिरफ्तार हुए हैं, उनमें जान मोहम्मद उर्फ समीर कालिया मुंबई के सायन का रहने वाला है। वह ड्राइवर है। आसपास के लोग बता रहे हैं कि वह तो पारिवारिक आदमी था। वास्तव में आतंकियों की कोई अलग पहचान नहीं होती। कब उन्हें आतंकी बना दिया गया या वे बन गए, इसका कोई अनुमान नहीं लग सकता। समीर की तरह चाहे वह ओसामा ऊर्फ सानी हो मूलचंद उर्फ साजू उर्फ लाला हो, जीशान कमर, मोहम्मद अबू बकर और मोहम्मद आमिर जावेद हो, इन सबके बारे में कोई नहीं कह सकता था कि ये आतंकी होंगे। इनमें से चार उत्तर प्रदेश के और एक दिल्ली का है। आप इनके मोहल्ले में चले जाइए, आपको उसी प्रकार की जानकारी मिलेगी, जैसी समीर कालिया के बारे में मिली। समीर कालिया का संबंध अंडरवर्ल्ड से हो गया था। इसमें पाकिस्तान में छिपे दाऊद इब्राहिम के भाई अनीस इब्राहिम की भी भूमिका पुलिस बता रही है। पुलिस के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने अनीस इब्राहिम को भारत में फिर से विस्फोट कराने की जिम्मेदारी दी थी। उसी ने समीर कालिया को निश्चित जगहों पर विस्फोटक, हथियार आदि भेजने का काम दिया था। ये दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के वे स्थान हैं जहां हमले की योजना बनाई गई थी।

गिरफ्तार आतंकियों के मामले में सीमा पार का पहलू इस मायने में महत्वपूर्ण है कि दो आतंकी ओसामा और जीशान को पाकिस्तान के उसी थाट्टा में प्रशिक्षित किया गया, जहां 26/11 का हमला करने वाले कसाब सहित अन्य आतंकियों को किया गया था। जीशान वहां पहले पहुंचा था, लेकिन ओसामा अप्रैल 2021 में लखनऊ से विमान के जरिये मस्कट गया, वहां से वह पाकिस्तान पहुंचा, जहां ग्वादर पोर्ट से नाव पर उसे थाट्टा ले जाया गया। वहां वे एक फार्म हाउस में रहे, जहां तीन पाकिस्तानी उन्हें प्रशिक्षण दे रहे थे। इनमें दो सेना की वर्दी पहनते थे। उन्हें बारूदी सुरंग और अन्य विस्फोटक बनाने तथा हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। गिरफ्तार आतंकियों ने बताया कि कि वहां और भी 15-16 लोग प्रशिक्षण ले रहे थे, जिनमें से अधिकांश बांग्ला भाषी थे। संभव है वे बांग्लादेशी हों। इसका अर्थ यही हुआ कि भारत और दुनिया द्वारा आवाज उठाने के बावजूद पाकिस्तान अभी भी आतंकी ट्रेनिंग सेंटर चला रहा है। वहां आतंकी ढांचा बदस्तूर कायम है।

यह हमारे, आपके, यहां के नेताओं, सबके लिए सतर्क होने का समय है। आतंकी हमारे आपके बीच ही हैं। सीमा पार से उन्हें आतंकी बनाने, प्रशिक्षित करने, संसाधन मुहैया कराने आदि के षड्यंत्र लगातार रचे जा रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के आधिपत्य के बाद जिस तरह पाकिस्तान का वहां वर्चस्व फिर से कायम हुआ है, उसमें भारत में आतंकी हमलों का खतरा ज्यादा बढ़ गया है। हालांकि, वर्तमान षड्यंत्र उसके पहले का है, लेकिन यह आगे और विस्तारित हो सकता है, इसका ध्यान भारत के हर व्यक्ति को रखना चाहिए। गिरफ्तार आतंकियों की योजना ऐसी जगहों पर हमला करने की थी, जहां जान और माल, दोनों की क्षति हो। ये धार्मिक उत्सवों, चुनावी रैलियों तथा शहरों के स्थानीय लोगों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहे थे। हम सब जानते हैं कि उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थल ही नहीं वहां के अनेक राजनीतिक, धार्मिक नेता आतंकियों के निशाने पर हैं। अगर ये चुनावी रैलियों को निशाना बनाने का षड्यंत्र रच रहे थे और दूसरे माड्यूल भी हैं तो फिर खतरा बहुत बड़ा है।

उत्तर प्रदेश के लिए इसमें विशेष सीख इसलिए है, क्योंकि वहां जब भी आतंकियों को गिरफ्तारियां होती है, राजनीतिक विवाद तूल पकड़ने लगता है। अपनी नासमझी, गैर जानकारी और एक समुदाय का वोट पाने की सस्ती राजनीति के कारण नेता समुदाय विशेष को तुष्ट करने के लिए गिरफ्तारियों का विरोध करते हैं। अगर आतंकवाद के षड्यंत्र के आरोप में गिरफ्तार लोग एक ही समुदाय के हैं तो इसका यह अर्थ नहीं कि वे सारे निदरेष हैं और कोई सरकार जानबूझकर उनको गिरफ्तार करा रही है। आखिर पुलिस ने इन लोगों को ही क्यों गिरफ्तार किया? यह वह प्रश्न है, जिसे नेताओं को अपने आप से पूछना चाहिए। यही बात महाराष्ट्र पर भी लागू होती है, जहां शिवसेना के नेतृत्व में सरकार गठित होने के बाद उसकी आतंकवाद को लेकर भी भाषा बदल गई है। वहां पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अत्यंत कठिन स्थिति में काम करना पड़ रहा है। सत्ता की दलीय राजनीति अपनी जगह है, लेकिन आतंकवाद के विरुद्ध पूरे देश को एकजुट होना चाहिए।

## बुखार से मर रहे बच्चे

कोरोना महामारी के बीच देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरह के बुखार का प्रकोप राज्य सरकारों का नया सिरदर्द बन गया है। सबसे गंभीर स्थिति यूपी की है। यहां फिरोजाबाद जिले में बच्चों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। वायरल फीवर और डेंगू जैसे लक्षणों वाले 61 बच्चों की इस जिले में मौत हो चुकी है। आगरा जिले में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। पिछले चार दिनों में वहां तेज बुखार से आठ बच्चों की जान चली गई।

उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और कर्नाटक से भी इस तरह से बच्चों की मौत की खबरें आ रही हैं। कुछ राज्यों में बुखार से मरने वालों की संख्या अभी भले ही कम है, लेकिन इसका यह मतलब निकालना गलत होगा कि वहां हालात गंभीर नहीं हैं। उदाहरण के लिए, बिहार में अभी तक 15 बच्चों की मौत बताई जा रही है, लेकिन इस महीने तेज बुखार और फ्लू जैसे लक्षणों के साथ 7000 से ज्यादा बच्चे स्वास्थ्य केंद्रों पर लाए गए। साफ है कि बीमारी फैली हुई है। अगर इससे निपटने में लापरवाही हुई तो कहीं अधिक बच्चों की मौत हो सकती है। कोरोना के चलते पिछले करीब डेढ़ साल से देशवासियों की जो मनःस्थिति बनी हुई है, उसे देखते हुए इन बीमारियों की गंभीरता को समझना होगा।

निस्संदेह इन मौसमी बीमारियों की तुलना कोरोना से नहीं की जा सकती। लेकिन सर्दी-खांसी का ठीक न होना और तेज बुखार से पीड़ित बच्चों का दम तोड़ना, प्रभावित आबादी को ट्रॉमा में डालने के लिए काफी है। और कोरोना के खतरे से भी हम मुक्त कहां हुए हैं। आज भी रोजाना इसके लगभग 30 हजार नए मामले आ ही रहे हैं। भूलना नहीं चाहिए कि पिछले डेढ़ साल में देश के स्वास्थ्य ढांचे पर असाधारण बोझ रहा है। स्वास्थ्यकर्मियों ने इस दौरान अद्भुत धैर्य और क्षमता का परिचय दिया है। लेकिन और ज्यादा बोझ इस ढांचे को बैठा भी सकता है।

लिहाजा, जरूरी है कि चाहे कोरोना हो या अन्य मौसमी बीमारियां, इनके इलाज की व्यवस्था करने के साथ ही ध्यान इस बात पर केंद्रित किया जाए कि ये फैलें ही नहीं। यहां भी सरकारी तंत्र की अहम भूमिका है, लेकिन यह भी समझना होगा कि जन-स्वास्थ्य साझा जिम्मेदारी है। चाहे साफ-सफाई रखने और पानी न इकट्ठा होने देने की बात हो या दूरी बरतने, मास्क पहनने और अन्य सावधानियां बरतने की, इन मोर्चों पर जरा सी चुस्ती चमत्कार कर सकती है, जबकि जरा सी लापरवाही किए कराए पर पानी फेर सकती है।

# हिंदुत्व के खिलाफ खौफनाक विषवमन, इन कुत्सित प्रयासों की खुलकर निंदा की जाए

**नाजियों की ही तरह वह अपने कुटिल मंतव्यों को शब्दों से ढकने की कला में निपुण हैं। जैसे हिटलर ने अपने प्रौपेगंडा मंत्रलय का नाम प्रबोधन मंत्रलय रखा था, वैसे ही चरमपंथी बुद्धिजीवी अपने हिंसक मंसूबों को मानवता, सहिष्णुता और शांतिप्रियता जैसे प्रपंचों से अलंकृत करने में माहिर हो चुके हैं। डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व को अमेरिका के नामचीन विश्वविद्यालयों का भी समर्थन मिला। ध्यान देने की बात यह है कि जिस घृणा और पूर्वाग्रह को बौद्धिक एवं अकादमिक मान्यता मिल जाए, उसका असर दूरगामी और भयावह होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे कुत्सित प्रयासों की खुलकर निंदा की जाए अन्यथा हजार साल तक चले हिंदू नरसंहार में फिर एक दुःखद अध्याय जुड़ते देर नहीं लगेगी।**

इतिहासकार केएस लाल के अनुसार, वर्ष 1009 में महमूद गजनी के भारत आक्रमण और 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई के बीच लगभग आठ करोड़ हिंदू लोग मुस्लिम आक्रांताओं द्वारा मारे गए। इंडोलाजिस्ट कूइनराड एल्स्ट के अनुसार, अब्दाली के भारत आक्रमण तक लगभग दो करोड़ हिंदू हताहतों की संख्या आसानी से जोड़ी जा सकती है। विभाजन और बांग्लादेश मुक्ति तक यह सिलसिला कायम रहा। चाहे चितौड़ का किला हो या नोआखली, सोमनाथ हो या हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला, उपमहाद्वीप का इतिहास इतने लंबे और जघन्य नरसंहार का गवाह रहा है। इतनी बड़ी संख्या में हुए हिंदू नरसंहार के कारण ही अमेरिकी इतिहासकार विल ड्यूरेंट ने भारत पर मुस्लिम आक्रमण को मानव इतिहास का सबसे खूनी अध्याय बताया था। पाकिस्तानी लेखक इरफान हुसैन कहते हैं कि आक्रांताओं ने हिंदुओं पर लेश मात्र भी दया नहीं दिखाई। वह लिखते हैं कि मुस्लिम आक्रांताओं के हाथ इस कदर खून से सने हैं कि इतिहास का यह कलंक मिटाना संभव नहीं। ऐसे निरंतर नरसंहार का जितना बड़ा कारण मजहबी कट्टरता थी, उतना ही हिंदुओं से घृणा भी। हिंदुओं के प्रति ऐसी ही घृणा अंग्रेजी साम्राज्यवाद और सुनियोजित मतांतरण का कारण बनी। यदि मुस्लिम आक्रांताओं ने अपने हिंदू विरोध और हिंदू घृणा को तलवार से प्रकट किया, तो पश्चिमी लेखक और बुद्धिजीवियों ने उसे संस्थागत और विचारगत रूप दिया। जहां मार्क ट्वेन ने हिंदू मूर्तियों को भद्दा, कुरूप बताया, वहीं एलिजाबेथ रीड और कैथरीन मेयो ने हिंदू धर्म को वासनाग्रस्त और भारत की सभी समस्याओं का मूल कारण बताया। मैकाले और मैक्स मूलर के

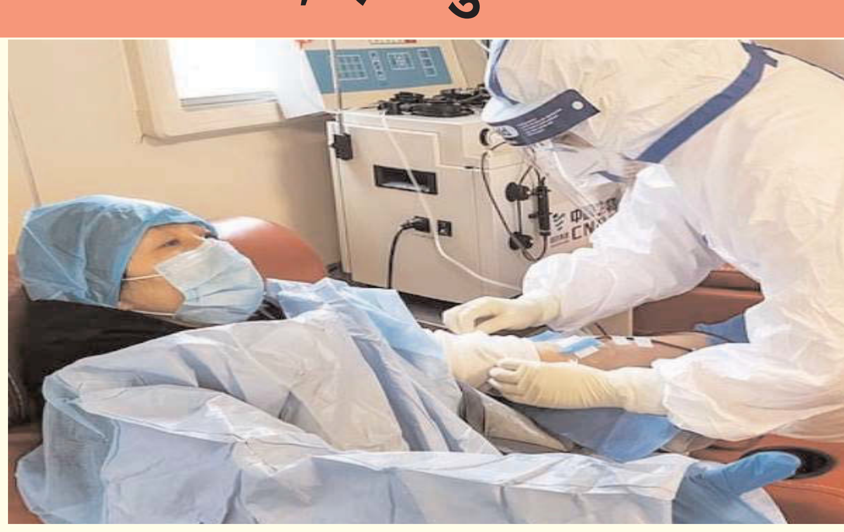

हिंदू विरोधी पूर्वाग्रहों ने मिशनरी संस्थाओं के माध्यम से हिंदू घृणा को भारतीय शिक्षा पद्धति में बीजारोपित किया। वामपंथी सहयोग से आज यह हिंदू घृणा भारत से लेकर पश्चिम तक शिक्षण संस्थाओं एवं अकादमिक जगत में आम हो चुकी है।

हिंदू घृणा को बौद्धिकता का लबादा ओढ़ाने के लिए बड़ी चतुराई से लेखन, अनुसंधान, व्याख्यान और सेमिनारों का सहारा लिया जाता है। ऐसे ही एक आनलाइन सेमिनार 'डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व' का आयोजन 10 से 12 सितंबर के बीच किया गया। उसके आयोजक गुमनाम बने रहे, परंतु वक्ताओं की सूची में औरंगजेब को संत बताने वाली आड्री ट्रुश्क, रामजन्मभूमि के खिलाफ जहरीली डाक्यूमेंट्री बनाने वाले आनंद पटवर्धन, रक्षाबंधन को हत्यारों का त्योहार बताने वाली कविता कृष्णन, नक्सल समर्थक नंदिनी सुंदर, आरएसएस पर ह्यूमन ट्रैफिकिंग का बेहूदा आरोप लगाने वाली नेहा दीक्षित, ब्राह्मणों को भद्दी गालियां देने वाली मीना कंडास्वामी आदि वक्ताओं को जोड़ा गया। अन्य वक्ता भी वाम चरमपंथी और धुर हिंदू विरोधी ही थे। डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व इनकी हिंदू विरोधी, भारत विरोधी मुहिम को अंतरराष्ट्रीय मंच देने की कवायद के अलावा और कुछ नहीं। बुद्धिजीवियों का चोला ओढ़े ये चरमपंथी भले ही हिंदुत्व को हिंदू धर्म से अलग बताते हों, परंतु इनके मुंह से हिंदू धर्म के प्रति भी कभी कोई अच्छी बात नहीं निकलती। इन्होंने अपनी पहचान हिंदू प्रतीक और मान्यताओं के अपमान और हिंदुओं पर हुए अत्याचारों को नकार कर ही बनाई है। हिंदुत्व से इनका द्वेष इस कारण है, क्योंकि हिंदुत्व उन शक्तियों का विरोध करता है जो या तो हिंदू समाज को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष हमले, मतांतरण आदि द्वारा कमजोर करना चाहती हैं या फिर हिंदुओं को स्थायी अपराध बोध में रखना चाहती हैं। वह हिंदुत्व जो 'सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय' की बात करता है और जाति से ऊपर धर्म तथा धर्म से ऊपर राष्ट्र की कल्पना करता है, उससे इन्हें इसलिए तकलीफ है, क्योंकि वह भारत भूमि को आयातित विचारधाराओं और पश्चिमी मजहबों के लिए विजित करने की राह में बाधक बनता है।

हिंदुत्व पर हमले के बहाने चरमपंथी बुद्धिजीवी लोकतंत्र द्वारा चुनी हुई सरकार को कमजोर करने का निरंतर और पुरजोर प्रयास भी कर रहे हैं। उनका सबसे कुटिल पैंतरा हिंदुत्व विरोध की आड़ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या भाजपा जैसे संगठनों को ऐसे खलनायकों के रूप में प्रस्तुत करना है, जिनके सदस्यों पर होने वाली हिंसा या हत्याओं पर समाज में कोई उद्वेलना न फैले। अपने मंतव्य में इनको मिली सफलता इसी से स्पष्ट है कि गत सात वर्षों में संघ, भाजपा और अन्य हिंदूवादी संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं की हत्या किसी उद्वेग का विषय नहीं बनी।

इस विद्वेषपूर्ण मंच को अपना मुखर समर्थन देने वाले गायक टीएम कृष्णा ने स्वयं माना कि संघ कार्यकर्ताओं की हत्याओं पर उनके मन में कोई संवेदना उत्पन्न नहीं होती। ऐसी क्रूर सोच के चलते धार्मिक घृणा से जनित अपराधों में बड़ी संख्या में मारे गए हिंदुओं पर मौन साध केवल मुस्लिम पीड़ितों की बात उठाकर इस वर्ग ने झूठे एकपक्षीय कथानक गढ़ने के प्रयास किए हैं। नागरिकता संशोधन कानून एवं बंगाल में चुनाव उपरांत हुई व्यापक हिंसा इन्हीं के भड़कावे का परिणाम थी। डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व के आयोजकों ने जिस पोस्टर का विमोचन किया वह नाजी प्रोपगंडा की तरह भयावह था। पोस्टर में जिस प्रकार संघ कार्यकर्ता को जंबूरे द्वारा उखाड़ने का चित्रण किया गया, वह सीधे-सीधे संघ के खिलाफ हिंसा को प्रोत्साहित करने वाला था। चरमपंथी बुद्धिजीवियों की योजना और कार्यशैली में नाजियों से कई समानताएं मिलती हैं। मसलन हिटलर की तरह इनका भी उद्देश्य सिर्फ प्रौपेगंडा तक ही सीमित रहता है। कंडास्वामी तो खुलकर प्रौपेगंडा को आवश्यक और सुंदर क्रिया बता चुकी हैं। नाजियों की ही तरह वह अपने कुटिल मंतव्यों को शब्दों से ढकने की कला में निपुण हैं। जैसे हिटलर ने अपने प्रौपेगंडा मंत्रलय का नाम प्रबोधन मंत्रलय रखा था, वैसे ही चरमपंथी बुद्धिजीवी अपने हिंसक मंसूबों को मानवता, सहिष्णुता और शांतिप्रियता जैसे प्रपंचों से अलंकृत करने में माहिर हो चुके हैं। डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व को अमेरिका के नामचीन विश्वविद्यालयों का भी समर्थन मिला। ध्यान देने की बात यह है कि जिस घृणा और पूर्वाग्रह को बौद्धिक एवं अकादमिक मान्यता मिल जाए, उसका असर दूरगामी और भयावह होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे कुत्सित प्रयासों की खुलकर निंदा की जाए अन्यथा हजार साल तक चले हिंदू नरसंहार में फिर एक दुःखद अध्याय जुड़ते देर नहीं लगेगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

## संक्षिप्त खबर

### थोड़ी बारिश में रोहतास सदर अस्पताल में जलजमाव, मरीजों को हो रही परेशानी; अब तक नहीं निकला पानी

**सासाराम ।** रोहतास सदर अस्पताल में जलनिकासी की व्यवस्था नहीं रहने के कारण हल्की बारिश में भी पानी भर जाता है। बुधवार की रात हुई बारिश से सदर अस्पताल परिसर में पानी जमा हो गया। इस समस्या को लेकर कई बार अस्पताल प्रबंधन ने जिला प्रशासन से लेकर राज्य मुख्यालय तक गुहार लगाई, लेकिन आज तक समस्या का स्थाई निदान नहीं सका है। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड से लेकर अस्पताल के प्रवेश द्वार तक पानी लगने से वहां आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सदर अस्पताल परिसर में 24 घंटे कोरोना टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। जहां पर जिले के अलावा दूसरे जिलों से भी काफी संख्या में लोग कोरोना टीका दिलवाने आते हैं। लेकिन अस्पताल के रास्ते में पानी जमा होने से उन्हें चप्पल- जूते उतारकर ही टीकाकरण स्थल तक जाना पड़ता है। अस्पताल के मेल वार्ड, ब्लड बैंक, ओपीडी, एक्सरे कक्ष, सिविल सर्जन का कार्यालय समेत कई अन्य चिकित्सा अधिकारियों का दफ्तर कार्यरत है।

शहर वासियों के लिए जल जमाव और गंदगी के बीच दिन गुजारना नीयति बन गई है। रौजा रोड सदर अस्पताल में पहुंचने का एकमात्र मार्ग है। साथ ही पर्यटक और अन्य लोग इस सड़क से शेरशाह मकबरा घूमने के लिए जाते हैं। लेकिन सड़क पर पानी जमा रहने से लोगों का पैदल चलना भी दुश्वार रहता है। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक श्रीभगवान सिंह ने कहा कि परिसर में जल जमाव की समस्या कोई नई नहीं है। सभी वरीय अधिकारियों को हर बार इस समस्या से अवगत कराया जाता है, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया। मजबूरी में पंप लगाकर पानी की निकासी करनी पड़ती है। जिसमे काफी समय लगता है और मरीजों के साथ-साथ डाक्टरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

### कोयल नदी पर बन रहा रांची रेल मंडल का सबसे लंबा ब्रिज, 2024 में पूरा होगा निर्माण

**रांची ।** रांची रेल मंडल के अंतर्गत कोयल नदी पर रेलवे का सबसे लंबा ब्रिज का निर्माण कार्य हो रहा है। यह 218 मीटर लंबा ब्रिज होगा। रेलवे के अभियंता इसे 2024 तक पूर्ण कर लेंगे। कुरकुरा स्टेशन के निकट इसका निर्माण कार्य चल रहा है। कोयल ब्रिज हटिया-बंडामुंडा सेक्शन में आएगा। इस सेक्शन का डबलिंग का कार्य चल रहा है। इसके तहत इसका निर्माण किया जा रहा है। इसके बनने से ट्रेन की गति भी तेज होगी। ब्रिज के निर्माण के दौरान फाउंडेशन के लिए ब्लास्टिंग किया जा रहा है। इसमें खास ख्याल रखा गया है कि पुराने रेलवे ब्रिज को किसी भी तरह का नुकसान न हो। इसके लिए सीएमआरआई कंसल्टेंट का सहयोग लिया गया है, जिसकी देखरेख में काम हो रहा है। पुराने ब्रिज के 25 मीटर की दूरी पर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। हटिया बंडामुंडा सेक्शन 159 किलोमीटर का है, जहां विभिन्न सेक्शनों में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। कुछ सेक्शनों में फॉरेस्ट क्लीयरेंस का मामला अभी लंबित है। पर्यटन को दिया जा सकता है बढ़ावा- इसकी खासियत यह है कि ब्रिज जंगलों और खूबसूरत वादियों के बीच होगा। पहाड़ और जंगलों के बीच पुल के स्थित होने से इसकी खूबसूरती बेहद आकर्षक होगी। स्थानीय प्राकृतिक सौंदर्य इसे और खास बनाएगा। लिहाजा यह पुल पर्यटकों के साथ-साथ फोटोग्राफी के लिए पहली पसंद बनेगी। भविष्य में लोग यहां घुमने के साथ-साथ खास तौर पर फोटोग्राफी करने आएंगे।

### युवा संकल्प के माध्यम से 2023 चुनाव का बिगुल फूंकेगी युवा कांग्रेस- गुलजेब अहमद

**रायपुर ।** प्रदेश युवा कांग्रेस प्रभारी एकता ठाकुर व प्रदेश अध्यक्ष कोको पाढ़ी 24 और 25 सितंबर को अपने दो दिवसीय राजनांदगांव प्रवास पर रहेंगे। वे जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। कोको पाढ़ी अपने दो दिवसीय राजनांदगांव दौरे के दौरान प्रथम दिन 24 सितंबर को मोहला मानपुर तथा डोंगरगांव में विधानसभा स्तरीय युवा संकल्प सम्मेलन में शामिल होंगे। दूसरे दिन 25 सितंबर को राजनांदगांव जिला युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक में शामिल होंगे। इस दौरान राजनांदगांव में विधानसभा स्तरीय युवा संकल्प सम्मेलन में शामिल होंगे। इस पर प्रदेश युवा कांग्रेस की प्रभारी एकता ठाकुर ने बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार की विफलताओं के कारण आज समाज का हर एक तबका त्रस्त है। महंगाई से ले कर बेरोजगारी अपने चरम पर है। पेट्रोल डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं। यह अपने आपमें यह सिद्ध करता है कि केंद्र की मोदी सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने में और सात सालों के शासन काल में कोई भी जनकल्याणकारी योजना बनाने में असफल रही है।

इसी प्रकार प्रदेश में भाजपा 15 साल शासन करने के बाद भी 15 सीटों से कम में सिमट गई। इससे यह साफ हो जाता है कि भाजपा की कार्यक्षमता कितनी है। जनता के सामने इन सभी बातों को पहुंचाने की जिम्मेदारी युवाओं की बनती है और भारतीय युवा कांग्रेस अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कृतज्ञ हैं।

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष कोको पाढ़ी ने उसके बाद बताया कि जिस प्रकार भाजपा के कुशासन को छत्तीसगढ़ की जनता ने जिस प्रकार 2018 में चलता किया, उसमें एक नया अध्याय जोड़ते हुए अगली बार 2023 में भाजपा का सूपड़ा पूरे प्रदेश से साफ होगा। प्रदेश की कांग्रेस सरकार लगातार हर एक वर्ग के लिए बेहतर कार्य कर रही है व जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को आर्थिक लाभ पहुचा है। यह जिम्मेदारी युवा कांग्रेस की है कि अगले चुनाव के लिए संकल्प कर प्रदेश को भाजपा मुक्त बनाना है। इसी कड़ी में प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव व राजनांदगांव जिला प्रभारी गुलजेब अहमद ने कहा कि भाजपा की नीतियों से सबसे ज़्यादा प्रभावित युवा हुए हैं, जिनके पास रोजगार नहीं है। उस पर महंगाई की इतनी मार ने आज के युवा को बेबस कर दिया है।

### अपनी मांगें मनवाने इंजन चालकों ने दिनभर भूखे रहकर चलाई ट्रेन

**कोरबा ।** अपनी 16 सूत्रीय मांगों को लेकर आल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के आह्वान पर मंगलवार को कोरबा रेलखंड में कार्यरत रनिंग स्टाफ ने भूख हड़ताल की। लोको पायलट, सहायक लोको पायलट व अन्य रनिंग स्टाफ की ओर से यह प्रदर्शन किया गया। इस दौरान लोको पायलट व सहायक ने सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक भूखे रहकर ट्रेन चलाया। इसके साथ ही क्रू लाबी के सामने दिन भर भूख हड़ताल कर धरना प्रदर्शन भी किया गया। इस आंदोलन के दौरान लोको पायलट और सहायक ने मंगलवार को दिनभर भूखे रहकर ट्रेन परिचालन किया। अपनी मांगों को लेकर रनिंग स्टाफ इस तरह प्रदर्शन कर पहले भी अपनी आवाज बुलंद कर चुके हैं। एसोसिएशन की ओर से विभिन्ना मांगों को लेकर लगातार आंदोलन किया जा रहा। इसी कड़ी में मंगलवार को एक दिन की भूख हड़ताल का निर्णय लिया गया था। सुबह आठ बजे से रात आठ बजे 12 घंटे भूख हड़ताल पर वे रहे। इसे लेकर संघ के निर्देश पर जो जहां ड्यूटी पर रहा, वहीं से आंदोलन में शामिल हुए। इसलिए जो चालक ड्यूटी पर रहे, उन्होंने रैक परिचालन करते हुए और शेष ने स्टेशन की क्रू लाबी के सामने उपस्थिति दर्ज कराते हुए भूख हड़ताल की और इस बीच रेलवे स्टेशन स्थित क्रू लाबी के सामने सुबह दस बजे धरना भी दिया गया। एसोसिएशन के जोनल प्रेसिडेंट शिवनारायण, जोनल सेक्रेटरी शिव उरांव और जोनल ट्रेजरार डीके सिंह ने बताया कि एसोसिएशन रेलवे सहित सरकारी उपक्रमों का निजीकरण निगमीकरण व मुद्रीकरण बंद समेत कुल 16 मांगों को लेकर सभी लोग आंदोलनरत हैं। इन 12 घंटों के उपवास के जरिए प्रदर्शन करते हुए रेलकर्मियों की प्रमुख मांगों में रेलवे सहित सरकार उपक्रमों का निजीकरण, निगमीकरण व मुद्रीकरण बंद हो, क्रू बदली स्थान बाइपास कर सुविधाविहीन केजीएस में रिनंग स्टाफ की पोस्टिंग रद्द करने, निरस्त यात्री ट्रेनों के स्पेयर दिनों का एएलके एवं डीए का बकाया भुगतान शीघ्र करने, एनडीए पात्रता सीलिंग रद्द करने व सभी रनिंग स्टाफ को भुगतान करने, एएलपी को को-पायलेट का दर्ज देने व वेतन लेवल-6 में निर्धारित करने, एएलपी को भी रिस्क भत्ता सुनिश्चित करने, रिक्त स्थानों पर शीघ्र पदोन्नाति करना शामिल है। कोविड से जान गंवाने वाले रनिंग स्टाफ के परिवार को 50 लाख की क्षतिपूर्ति देने, केएम भत्ते पर 70 प्रतिशत इंकमटैक्स की छूट सुनिश्चित करने, एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने, रनिंग रूम सुविधाओं को मानकों के अनुरूप दुरुस्त करने, एचपीसी अनुशंसा अनुसार अधिकतम रनिंग ड्यूटी आठ घंटे लागू करने, स्पेशल ट्रेन के नाम पर पास में आरक्षण प्रतिबंध रद्द करने, कोरबा क्षेत्र के साइडिंग किलोमीटर को शीघ्र रिव्यू करने एवं रैक संचालन संबंधी सभी आवश्यक उपकरण इंजन में उपलब्ध कराने बिना लाइन बाक्स बंद न कने जैसे विषय शामिल हैं।

# भाजपा उार प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान बोले- निषाद पार्टी व अपना दल के साथ बीजेपी का गठबंधन

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद दमदार तरीके से तैयारी कर रही भारतीय जनता पार्टी सहयोगी दलों के साथ भी बेहतर तालमेल को लेकर गंभीर है। भाजपा ने शुक्रवार को इसकी घोषणा भी कर दी। भाजपा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने अपना दल और निषाद पार्टी के साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में गठबंधन की घोषणा की। भाजपा के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि भाजपा निषाद पार्टी तथा अपना दल के साथ गठबंधन में उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। शुक्रवार को निषाद पार्टी के साथ अपने गठबंधन के बाद भाजपा ने 2022 में बड़ी जीत के दावे को दोहराया। भाजपा तथा निषाद पार्टी के बीच इस दौरान सीटों के बंटवारे को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी के साथ हमारा गठबंधन है। आज इसकी आधिकारिक घोषणा की जा रही है। भाजपा ने समाज के सभी वर्गों का विकास किया है। उत्तर प्रदेश का चुनाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए अपना दल भी भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा होगा। इसके साथ अन्य कई दल भी हमारे सम्पर्क में हैं। प्रदेश में इस बार फिर कमल खिलेगा।

भाजपा के उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि मैं तो बीते तीन दिन से उत्तर प्रदेश में हूं। अब यहां निषाद पार्टी के साथ भाजपा का गठबंधन है। 2022 में हम ताकत के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हमारे इस गठबंधन में अपना दल भी साथ रहेगा। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चुनाव होगा। भाजपा ने इस बीच में बहुत सारी राजनीतिक ताकत को अपने साथ जोड़ा है। चुनाव का ताना-बाना बुना है।

प्रधान ने कहा कि मैंने तीन दिन में महसूस किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जनता का अटूट भरोसा है। यह तो दिख गया कि प्रजातंत्र में विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी होती है। 2022 में उत्तर प्रदेश की जीत महत्वपूर्ण है। केन्द्र तथा राज्य सरकार व संगठन के काम व समन्वय के कारण हम जीतेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही चुनाव होगा। हम सभी समाज और समुदाय को साथ लेकर चुनाव लड़ेंगे। निषाद पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे पर सही समय पर निर्णय होगा। इसके साथ अन्य कई दलों से भी बात चल रही हैं।

धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े चार वर्ष में जितनी तरक्की कर ली है, वह अपने आप में एक मिसाल है। यहां पर शिक्षा के बड़े केंद्र स्थापित हुए हैं। प्रधान ने कहा कि हम किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चाहे वह एमएसपी पर कृषि उत्पाद खरीदकर, जैविक खेती को बढ़ावा देने या कृषि विपणन बुनियादी ढांचे पर एक लाख करोड़ रुपये खर्च करने के लिए हो। मुझे लगता है कि भारतीय जनता पार्टी पर किसानों, खासकर छोटे किसानों का आशीर्वाद है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने लगातार तीन दिन बैठक कर चुनाव को लेकर मार्गदर्शन किया है। संजय निषाद के नेतृत्व में हमारा निषाद पाटी के साथ तो पहले से गठबंधन है। अब 2022 में दोनों दल मिलकर ताकत के साथ मोदी-योगी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के दम पर चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश में 2022 में निषाद पार्टी के गठबंधन से सरकार बनेगी। संजय निषाद तो एनडीए का हिस्सा हैं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निषाद पार्टी के साथ प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। माना जा रहा है कि भाजपा से निषाद पार्टी को दस से अधिक सीटें मिल सकती हैं।

प्रदेश में निषाद समाज के वोट का असर समझ रही भाजपा इस सियासी रिश्ते को संभालने के लिए प्रयासरत रही। संजय निषाद ने संतकबीर नगर से सांसद अपने पुत्र प्रवीण निषाद को केंद्र में मंत्री बनवाने का प्रयास किया। वहां सफलता न मिलने पर सुर कुछ बागी हुए, लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों ने संवाद नहीं छोड़ा। प्रदेश के नेता ही नहीं, खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने निषाद पार्टी अध्यक्ष के साथ कई बैठक कीं। संजय निषाद के पुत्र प्रवीण कुमार निषाद समाजवादी पार्टी से गोरखपुर से सांसद भी रहे हैं।

## प्रतापगढ़ में सीओ जियाउल हक की हत्या का मामला: अग्रिम विवेचना को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका खारिज

**लखनऊ ।** प्रतापगढ़ के कुंडा में सीओ जियाउल हक व दो अन्य की हत्या के मामले में अग्रिम विवेचना के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका को हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। यह आदेश जस्टिस करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने पारित किया। याचिका वर्ष 2014 से ही विचाराधीन थी। सीबीआई की ओर से किसी के भी पेश न होने पर कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। इस हत्याकांड मामले में मारे गए सीओ जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद की एफआइआर पर फाइनल रिपोर्ट लगाते हुए सीबीआई ने पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया व अन्य को क्लीन चिट दे दी थी।

इस फाइनल रिपोर्ट को परवीन आजाद ने सीबीआई कोर्ट में प्रोटेस्ट याचिका के माध्यम से चुनौती दी थी, जिस पर सीबीआई कोर्ट ने आठ जुलाई, 2014 को पारित अपने आदेश में सीबीआई जांच पर गंभीर सवाल उठाए थे। साथ ही सीओ की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर की अग्रिम विवेचना के आदेश दिए थे और फाइनल रिपोर्ट को अस्वीकार कर दिया था। सीबीआई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सीबीआई ने मामले की समुचित विवेचना नहीं की है और साक्ष्य संकलन में मात्र खानापूर्ति की है। कोर्ट ने आश्चर्य जताया कि सीओ जियाउल हक को इतनी निर्ममता से मारा पीटा गया, जबकि वहां मौजूद पुलिस वालों को मात्र साधारण चोटें व खरोंचें आईं।

यह था मामला- बता दें कि वर्ष 2013 मार्च में प्रतापगढ़ के कुंडा नन्हें यादव और सुरेश यादव की हत्या कर दी गई थी। घटना की जानकारी होने पर इलाके के सीओ जियाउल हक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। यहां हंगामे के दौरान भीड़ ने सीओ पर हमला कर दिया। उन्हें गोली भी लगी थी। जियाउल हक की पत्नी परवीन ने रघुराज प्रताप सिंह समेत पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाया था। डीएसपी की हत्या के बाद राजनीतिक जगत में भूचाल आ गया और रघुराज प्रताप को अपना मंत्री पद भी छोड़ना पड़ा।

## दादा की जन्मस्थली से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी शुरू करेंगे आशीर्वाद पथ

**बागपत।** राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी पश्चिम उत्तर प्रदेश में पार्टी की जड़ों को मजबूत करने के लिए आशीर्वाद पथ सात अक्टूबर से अपने दादा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली नूरपुर, हापुड़ से शुरू करेंगे। आगामी विधानसभा के चुनावों के मद्देनजर सभी पार्टियों ने अपनी अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। राष्ट्रीय लोकदल भी अपनी रणनीति बनाने में जुट गया है। पार्टी को धार देने में जुटे हैं जयंत चौधरी। बीते दिनों बागपत में जयंत चौधरी पगड़ी भी पहनाई गई थी तब उन्होंने कहा था कि वे इस पगड़ी को झुकने नहीं देंगे। इस समारोह में बड़ी संख्या में रालोद कार्यकर्ता मौजूद थे।

**हर दिन दो जिलों में-** रालोद के प्रदेश उपाध्यक्ष धीरज उज्ज्वल ने बताया कि रालोद का आशीर्वाद पथ के जरिए पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी हर दिन दो जिलों में जाएंगे। पहले जिले में सुबह 11 बजे व दूसरे जिले में दोपहर डेढ़ बजे में जाएंगे। जयंत चौधरी सात अक्टूबर को हापुड़ के नुरपुर से आशीर्वाद पथ का शुभारंभ करेंगे।

इसके बाद जयंत अलीगढ़ के खैर, 11 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना, बिजनौर के चांदपुर, 13 अक्टूबर को हाथरस के सादाबाद, बुलंदशहर के बीबी नगर, 16 अक्टूबर को सहारनपुर के गंगोह, गाजियाबाद के मुरादनगर, 18 अक्टूबर को शामली का थानाभवन, मेरठ के सिवालखास, 20 अक्टूबर को अमरोहा का नौगावा सादात, गौतमबुद्धनगर के जेवर, 25 अक्टूबर को आगरा के फतेहपुर सीकरी, मथुरा के गोवर्धन, 27 अक्टूबर को रामपुर के बिलासपुर, मुरादाबाद के कांठ जाएंगे। आशीर्वाद पथ का समापन 28 अक्टूबर को बागपत के बड़ौत में होगा। कार्यकर्ताओं को पूरी तरह से जुटने के लिए कहा गया है।

**प्रबंधन समिति का गठन-** कुलदीप उज्ज्वल ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आशीर्वाद पथ कार्यक्रम की प्रबंधन समिति का गठन किया है। इसमें पूर्व सांसद मुंशीराम, बागपत निवासी कुलदीप उज्ज्वल, पूर्व विधायक पंडित सुदेश शर्मा, चौ. फहीमउद्दीन व रामरसपाल पौनियां शामिल हैं।

**अनशन को रालोद ने दिया समर्थन-** मेरठ सूरजकुंड पर चल रहे भारतीय जनसाधारण पार्टी के 35वें दिन क्रमिक अनशन पर राष्ट्रीय लोकदल ने अपना समर्थन दिया। क्रमिक अनशन पर अशोक सिवाच, दिनेश चौहान, मुक्ता चौधरी व श्याम सिंह रहे। रालोद के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौ. यशवीर सिंह ने गुरुवार को मंच पर पहुंचकर अशोक सिवाच को मांगों को पूर्ण समर्थन दिया। डाक्टरों की फीस निर्धारित व कमीशन बंद किए जाएं। बिरेंद्र सिंह, रविंद्र ध्यानी, राहुल कंसल, सतीश चंद्र, कुलदीप त्यागी, सुशील गौड़, पवन व चरण सिंह मौजूद रहे।

## जातिगत जनगणना से केन्द्र सरकार का इंकार, गुस्से में लालू बोले- पिछड़ों से इतनी नफरत क्यों है

**पटना ।** बिहार में जातिगत जनगणना पर चल रही सियासत के बीच केन्द्र सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा है कि सरकार पिछड़ी जातियों की जनगणना के पक्ष में नहीं है। इसके साथ ही केन्द्र सरकार ने इसकी वजह भी बताई है। जातिगत जनगणना पर केन्द्र सरकार के स्टैंड के बाद राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। लालू यादव ने ट्वीट कर लिखा है कि वाह! जानवरों और पेड़ों की गिनती की जाती है लेकिन पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग के इंसानों की गिनती नहीं की जा सकती। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जाति आधारित जनगणना को लेकर अपना पक्ष साफ कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार की ओर से दायर याचिक के जवाब में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर साफ तौर पर कहा है कि जाति आधारित जनगणना प्रशासन के स्तर से कठिन है। केन्द्र सरकार के इस स्टैंड के बाद बिहार में सियासत गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ट्वीट कर लिखा है कि जानवरों और वृक्षों की गिनती की जा सकती है लेकिन इंसानों की गिनती में समस्या है। उन्होंने आगे लिखा है कि आखिर पिछड़ों से इतनी नफरत क्यों है ऐसी सरकार और इन वर्गों के मंत्रियों और सांसदों का बहिष्कार होना चाहिए। गौरतलब है कि जातिगत जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्टैंड बीजेपी से अलग है। इस मसले को लेकर सीएम नीतीश कुमार की अगुवाई में एक डेलिगेशन ने दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात भी की थी।

## सपा शिक्षक सभा ने लिया संकल्प, लोगों से संवाद कर जन जागरुकता करेंगे उत्पन्न

**प्रयागराज ।** समाजवादी शिक्षक सभा द्वारा प्रदेश भर में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम बूथवार शिक्षकों की भूमिका-संवाद से समाधान की ओर के तहत प्रयागराज में तेजी लाई जा रही है। इसके तहत यमुनापार क्षेत्र में दादूपुर गांव में शिक्षामित्र जुटे। इन सभी ने आगामी विधान सभा चुनाव में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में आए शिक्षकों, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों, वित्तविहीन शिक्षकों आदि ने हाथ उठाकर संकल्प लिया।

**सपा शिक्षक सभा का प्रदेशव्यापी आयोजन-** सपा शिक्षक सभा के कार्यक्रम में मौजूद शिक्षामित्रों ने आगामी 2022 के विधान सभा चुनाव में शिक्षा, शिक्षक, छात्र विरोधी भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया। कहा कि इसके लिए घर-घर, जन-जन तक संपर्क एवं संवाद के माध्यम से जन जागरुकता पैदा करेंगे। आगामी चुनाव में बूथ स्तर पर जिम्मेदारी संभालेंगे और हर बूथ स्तर पर सपा के शासनकाल में हुए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे।

**भाजपा सरकार पर बरसे प्रदेश अध्यक्ष-** सपा शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य डा. मान सिंह यादव ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षामित्रों, शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा मित्रों की नौकरी छीन कर उन्हें मानसिक, सामाजिक और आर्थिक पीड़ा पहुंचाने का कार्य किया है। यहां तक कि काफी संख्या में शिक्षामित्र आत्महत्या कर चुके हैं। आने वाले चुनाव में इसका बदला जरूर लेंगे।

**बोले, सभी वर्गों का सम्मान केवल सपा में सुरक्षित-** उन्होंने सपा सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए एक लाख 76 हजार शिक्षा मित्रों को नौकरी देने, वित्त विहीन शिक्षकों को 200 करोड़ मानदेय देने, विषय विशेषज्ञ की बहाली, अनुदेशकों, प्रेरकों को उचित मानदेय देने जैसी योजनाओं को गिनाया। कहा कि शिक्षक, कर्मचारी, बेरोजगार, किसान, नौजवान सहित सभी वर्गों का हित केवल समाजवादी पार्टी में ही सुरक्षित है।

**इनकी रही मौजूदगी-** कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता शीतला पांडेय एवं संचालन प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने किया। इस मौके पर शिक्षक नेता अशोक राठौर, डाक्टर. एसपी सिंह पटेल, डा. सुरेश यादव, वसीम अहमद, उदयराज यादव, राम औतार, अर्जुन यादव, सुमन तिवारी, अरुण पांडेय, सुनील तिवारी, कमलेश यादव, घनश्याम यादव, कौशलेश पटेल, रंजीत यादव, दिनेश पटेल, दशरथ भारती, विजय रावत, अजीत यादव, अर्चना कुशवाहा, वंदना श्रीवास्तव, पल्लवी त्रिपाठी, बृजेश यादव, शिवाकांत यादव, आशा देवी, प्रीति केसरवानी, आरती त्रिपाठी, कनीज फातिमा, कल्पना श्रीवास्तव, अब्दुल मुकिद आदि मौजूद रहे।

## पीएम मोदी के हनुमान ने पहली बार बीजेपी नेताओं पर साधा निशाना! बोले चिराग पासवान- बिहार में भ्रष्टाचार की बयार

**जमुई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कभी भी कुछ नहीं बोलने वाले जमुई सांसद चिराग पासवान ने इस बार बिहार के भाजपा के मंत्रियों पर हमला कर दिया। उनके निशाने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद रहे। हालांकि ज्यादा आरोप उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगाए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नीतियों को लेकर हमला बोला है। उन्होंने रश्तेदारों को योजनाओं का लाभ देने के मामले में अप्रत्यक्ष रूप से डीप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद को भी घेरा। वे शुक्रवार को परिसदन में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आशीर्वाद यात्रा के दौरान ही मैंने सीएम मुख्यमंत्री की नीतियों का विरोध किया है। सात निश्चय को लेकर हमेशा उन्होंने सवाल उठाए हैं। आने वाले समय में बिहार के इतिहास में सात निश्चय योजना भ्रष्ट्राचार की सबसे बड़ी योजना होगी। अब धीरे-धरे इसके खुलासे भी होने लगे हैं। सरकार व उनके के मंत्रियों के ऊपर एक से एक आरोप लग रहे हैं।

बिहार के मंत्री अपने घर व परिवार के सदस्यों को योजना का लाभ दिलाने में लगे हैं। सत्ताधारी पार्टी जदयू के मंत्री भी कई योजनाओं का लाभ अपने घर के सदस्यों व रिश्तेदारों को लाभ दिया है। इसके बावजूद सीएम कहते हैं कि भ्रष्ट्राचार के प्रति लेकर जीरो टालरेंस की नीति है। परंतु अपने नेता की बारी आती है तो उनकी यह जीरो टालरेंस की नीति शांत हो जाता है। उनपर कोई कार्रवाई नहीं होती है। अपनी पार्टी के नेताओं के बारे में कभी भी जांच नहीं कराया जाता है। कोई कार्रवाई नहीं होती है। इससे लगता है है कि इसमें मुख्यमंत्री का कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है। बरहाल यह तमाम मामले जांच का विषय है।

उन्होंने कहा कि आशीर्वाद यात्रा को लोगों का अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। इस दौरान पता चला है कि जनता वर्तमान सरकार की नीतियों से नफरत करती है। लोगों का बढ़ता रूझान बिहार फसर्ट बिहारी फर्स्ट की ओर बढ़ता जा रहा है। विधानसभा चुनाव में मेरी पार्टी महज 143 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। अगर 243 पर लड़ती तो लोजपा का मत प्रतिशत 13 से 14 प्रतिशत होता। आज की तारीख में 15 प्रतिशत मत लाने वाली पार्टी के मुखिया बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार में मध्यावधि चुनाव होना तय है। यह यात्रा विशवास दिलाती है है कि मध्यावधि चुनाव में लोजपा का प्रदर्शन काफी बेहतर होगा। चुनाव के बाद सरकार बनाने में लोजपा की भूमिका अहम होगी। चिराग ने कहा कि तारापुर और कुशेश्वर स्थान से लोजपा चुनाव लड़ेगी। इन्हीं राजनीति कारणों से जमुई कम आ रहा हूं। परंतु मेरा संकल्प है कि जमुई को बिहार में विकसित श्रेणी में लाउंगा।मेरे सांसद बनने के बाद यहां 90 प्रतिशत गांवों में विद्युतीकरण की योजना पहुंची है। राज्य सरकार मेरी योजनाओं में अड़चन पैदा करती है। मेडिकल कालेज में सरकार ने काफी अड़चनें लगाई हैं। इसके बावजूद मैं निरंतर इन अड़चनों को दूर करने के प्रायस में लगा हूं।

केन्द्रीय विद्यालय,पासपोर्ट आफिस और रेल से जुड़ी कई केन्द्रीय योजनाओं को मैंने धरातल पर लाया है। बिहार में आज भी रोजगार की समस्या बनी है। सरकार की 19 लाख रोजगार देने का वायदा पूरी तरह फेल है। स्वस्थ और शिक्षा को लेकर आ रही समस्याओं के बारे में भी मैंने कई बार सरकार को अवगत कराया है। लाचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार इसपर संज्ञान नहीं लेती है। चिराग पासवान को अपना विरोधी मानती है। केंद्र स्तर की योजनाओं को मैंने पूरी तरह से धरातल पर लाया है। अगर सरकार की यही नीति रही तो मैं आन्दोलन करूंगा। परिसदन में प्रदेश अध्यक्ष राजु तिवारी,जिला अध्यक्ष जीवन सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रोबिन सिंह, संजय पासवान,रविशंकर पासवान,प्रवक्ता चंदन सिंह आदि मौजूद थे।

## जर्जर रेलवे क्वार्टर से परेशान ईसीआरकेयू ने सहायक मंडल अभियंता कार्यालय के समक्ष दिया धरना

**गया।** ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन शाखा की ओर से सहायक मंडल अभियंता कार्यालय के समक्ष गुरुवार को एक विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता ईसीआरकेयू के अध्यक्ष मधुर लाल मंडल व संचालन उपाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव ने किया। रेलकर्मियों ने कहा कि रेल क्वार्टर की मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति हुई है। सहायक मंडल अभियंता गया के अधीन कार्यरत वरीय प्रशाखा अभियंता कार्य के द्वारा रेलवे कालोनियों के रखरखाव में व्याप्त अनियमितताओं को विगत कई वर्षों से कर्मचारियों के द्वारा बताया जा रहा था। परंतु वह अपने कार्य के प्रति हमेशा विमुख रहे और गए ही स्टाफ को भेजकर जहां कहीं भी कार्य करवाया। उसका निरीक्षण करवाते रहें और बिल पास होता गया। कर्मचारियों का कार्य क्वार्टरों में ना के बराबर हुआ।

बरसात के मौसम में छतों से पानी का चूना पानी टंकी द्वारा ओवरफ्लो का पानी घर में ही गिरना नालियों की समुचित व्यवस्था एवं पानी का निकास का ना होना फर्श का टूटा फूटा रहना। खिड़कियां व दरवाजे काफी दयनीय स्थिति में होना आदि विभिन्न प्रकार की समस्या व्याप्त है। रेलवे कर्मचारियों के द्वारा हमेशा ईसीआरकेयू कार्यालय को प्राप्त होता रहा है। यूनियन के पत्र का भी कोई प्रभाव आईओडब्ल्यू पर ना पड़ता देखकर धरना-प्रदर्शन किया गया।

ईसीआरकेयू के हाजीपुर के कार्यकारी अध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने कहा कि सहायक मंडल अभियंता कार्यालय के द्वारा हमेशा रेलवे कालोनियों की मरम्मत रखरखाव एवं कर्मचारियों की सुविधाओं में कटौती की जाती रही है।

जिससे परेशान होकर कर्मचारियों ने यूनियन का दरवाजा खटखटाया। यूनियन के प्रयास करने के बावजूद जब कार्य समुचित ढंग से नहीं हुआ, तो धरना- प्रदर्शन का आयोजन कर सहायक मंडल अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा गया। जो मंडल रेल प्रबंधक डीडीयू के नाम से था। साथ ही एक कापी सहायक मंडल अभियंता को भी विभिन्न समस्याओं को संज्ञान में लेने के लिए दिया गया। सहायक मंडल अभियंता ने यूनियन पदाधिकारियों एवं रेलवे कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सभी समस्याओं का समाधान होगा और कार्य धरातल पर भी दिखेगा शिकायत का कोई मौका नहीं रहेगा। इस अवसर पर मुकेश सिंह, संतोष कुमार, राजन कुमार सिन्हा, मनोज कुमार, सुधीर कुमार, राहुल कुमार, विजय, राजीव, विनोद, एके ओझा, आरके अवस्थी, राजीव, रमेश प्रसाद, सुजीत, जितेंद्र, डीके सिंह, आरके यादव, महिला शाखा से मुन्नी, नित्या भारती, मंजू, सविता, नीतू, बसंती के अलावा लगभग दो सौ की संख्या में रेल कर्मचारी एवं उनके परिवार उपस्थित थे।

## जातिगत जनगणना पर सीएम नीतीश को पीएम मोदी का झटका- केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- यह मुश्किल काम

**पटना ।** जातिगत जनगणना के मुद्दे पर यह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का बड़ा झटका है। बिहार के पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक दलों की अगुवाई करते हुए नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर जातिगत जनगणना की मांग रखी थी। पीएम ने इसपर विचार करने का आश्वासन भी दिया था। इस बीच जातिगत जनगणना के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट ने अपना रूख स्पष्ट कर दिया है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा है कि वह जातिगत जनगणना के पक्ष में नहीं है।

महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग रखी है कि कोर्ट केंद्र और संबंधित प्राधिकार को निर्देश दे कि वह राज्य को एसईसीसी 2011 में दर्ज ओबीसी के जातीय आंकड़ों को उपलब्ध कराए। इस मामले में केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर कर सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि 2011 में सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना की गई थी, लेकिन उसमें कई त्रुटियां थीं। केंद्र सरकार ने कहा है कि पिछड़े वर्ग की जातिगत जनगणना प्रशासनिक दृष्टि से कठिन काम है। नीतिगत फैसले के तहत इस तरह की जानकारी को जनगणना के दायरे से बाहर रखा गया है। विदित हो कि जातिगत जनगणना बिहार में बड़ा मुद्दा बन गया है। इसपर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में रहते हुए भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केंद्र सरकार की नीति के विरोध में नजर आ रहे हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जातिगत जनगणना की मांग को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से मिला था।

# रीवा में सीवरेज स्कीम में देरी पर दोषी एजेंसी टर्मिनेट

## प्रगति ऑनलाइन - 13 की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल स्थित राज्य मंत्रालय में प्रगति ऑनलाइन पोर्टल अंतर्गत विकास की बड़ी परियोजनाओं में प्रगति की समीक्षा की।

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में निर्माण परियोजनाओं का कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने अमृत योजना के तहत रीवा की सीवरेज स्कीम में विलंब के लिए दोषी एजेंसी को टर्मिनेट करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में प्रगति ऑनलाइन-13 में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेम वर्क के तहत परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। चौहान ने कहा कि जन-कल्याण से जुड़े सार्वजनिक कार्यों में विलंब नहीं होना चाहिए। रीवा में सीवरेज स्कीम में मार्च 2017 में भूमि उपलब्ध करवा दी गई थी। कुल 199 करोड़ 73 लाख लागत की योजना में सिर्फएक चौथाई निर्माण हुआ है। कार्य 2019 के अंत तक पूरा होना था। निर्माण एजेंसी ने पर्याप्त मात्रा में मैन पावर और मशीनरी का डिप्लायमेंट नहीं किया, जिसकी वजह से आमजन को समय पर सेवाएं नहीं मिल पाई। निर्माण एजेंसी को टर्मिनेशन के लिए पूर्व में शोकाज नोटिस भी दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से जुड़े ऐसे कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

**एनएचएआई के कार्य की प्रशंसा :** मुख्यमंत्री ने रीवा-सीधी, चुरहट बायपास ट्विन रोड टनल कार्य में कार्य की रफ्तार अच्छी होने पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रशंसा की। कुल 13.06 किलोमीटर के इस मार्ग में 2.29 किलोमीटर टनल का निर्माण भी किया जा रहा है। कार्य की लागत 703 करोड़ रूपए है। यह कार्य जुलाई 2022 में निर्धारित समय-सीमा से आठ माह पूर्व ही पूरा कर लिया जाएगा।

### जबलपुर के फ्लाय-ओवर के निर्माण की बाधाएं दूर कर समय पर पूरा करें कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर के फ्लाय-ओवर के निर्माण की बाधाएं दूर कर समय पर कार्य पूरा करें। फ्लाय-ओवर के निर्माण के लिए 105 अतिक्रमण भी हटाए जाने हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर जबलपुर को फ्लाय-ओवर के निर्माण के समय रेलवे सहित अन्य सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों से संपर्क कर आवश्यक समन्वय करने के बाद मई 2023 तक कार्य की पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में दमोह नाका से रानीताल, मदन महल तक 5.905 किलोमीटर लम्बाई के फ्लाय-ओवर के कार्यों पर 102 करोड़ की राशि व्यय की जा चुकी है। कार्य की कुल लागत 767 करोड़ 99 लाख रूपए है। मुख्यमंत्री ने खंडवा जिले की छेगांव-माखन सिंचाई परियोजना धार और झाबुआ जिले में पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो इरीगेशन परियोजना के कार्यों को भी बिना विलंब पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# वैश्य को सौंपी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की कमान

## राप्रसे के 20 अधिकारियों के स्थानांतरण

**भोपाल (एजेंसी)।** शुक्रवार को राज्य शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के बीस अधिकारियों के तबादले किए हैं, जिसमें संतोष कुमार टैगोर को मुख्य महाप्रबंधक मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के पद से हटाकर अपर कलेक्टर उज्जैन पदस्थ किया है। उनके जगह अपर कलेक्टर ग्वालियर रिंकेश कुमार वैश्य को मुख्य महाप्रबंधक मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर बनाया है। इसी प्रकार अपर कलेक्टर खरगोन भुरला सिंह सोलंकी को सामान्य प्रशासन विभाग में उप सचिव और उप सचिव शासन इच्छित गढ़पाले को अपर कलेक्टर ग्वालियर पदस्थ किया है। इनके अलावा जितेंद्र सिंह चौहान उज्जैन अपर कलेक्टर को सामान्य प्रशासन विभाग में उपसचिव और अर्चना सोलंकी उप सचिव कार्मिक को मुख्य महाप्रबंधक ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण बनाया गया है।

| अधिकारी का नाम | वर्तमान पदस्थापना | नवीन पदस्थापना |
|---|---|---|
| भुरला सिंह सोलंकी | अपर कलेक्टर खरगोन | उप सचिव सामान्य प्रशासन |
| इच्छित गढ़पाले | उप सचिव शासन | अपर कलेक्टर ग्वालियर |
| संतोष कुमार टैगोर | मुममप्रपक्षेविविकं इंदौर | अपर कलेक्टर उज्जैन |
| रिंकेश कुमार वैश्य | अपर कलेक्टर ग्वालियर | मुममप्रपक्षेविविकं इंदौर |
| जितेंद्र सिंह चौहान | अपर कलेक्टर, उज्जैन | उपसचिव जीएडी |
| अर्चना सोलंकी | उप सचिव जीएडी | मुमग्रासविप्रा |
| मिलिन्द कुमार नागदेवे | सीईओ जिपं अनूपपुर | उप सचिव जीएडी |
| हरिवल्लभ शर्मा | संयुक्त कलेक्टर ग्वालियर | अपर कलेक्टर ग्वालियर |
| चिरौंजी लाल चनाप | संयुक्त कलेक्टर बैतूल | अपर कलेक्टर आजीराजपुर |
| सुमेर सिंह मुलाल्दा | संयुक्त कलेक्टर बड़वानी | अपर कलेक्टर खरगोन |
| श्यामेन्द्र जायसवाल | संयुक्त कलेक्टर हरदा | अपर कलेक्टर बैतूल |
| प्रमोद कुमार पांडेय | संयुक्त कलेक्टर खंडवा | संयुक्त कलेक्टर रीवा |
| सुरेश गुप्ता | डिप्टी कलेक्टर पन्ना | डिप्टी कलेक्टर सतना |
| शिराली जैन | डिप्टी कलेक्टर अशोकनगर | डिप्टी कलेक्टर सतना |
| सुरेश जादव- | डिप्टी कलेक्टर अशोकनगर | डिप्टी कलेक्टर सतना |
| प्रियांशी भंवर | डिप्टी कलेक्टर शहडोल | डिप्टी कलेक्टर आलीराजपुर |
| ज्योति परस्ते | डिप्टी कलेक्टर झाबुआ | डिप्टी कलेक्टर शहडोल |
| वंदना राजपूत | डिप्टी कलेक्टर निवाड़ी | डिप्टी कलेक्टर गुना |
| अंकिता जैन | डिप्टी कलेक्टर गुना | डिप्टी कलेक्टर निवाड़ी |
| संस्कृति शर्मा | डिप्टी कलेक्टर सतना | डिप्टी कलेक्टर कटनी |

### मप्र में मूंग की बंपर पैदावार हुई: सीएम

**भोपाल, (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में मूंग की बंपर पैदावार हुई है। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में मूंग की बंपर पैदावार हुई है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से आग्रह किया है कि प्रदेश सरकार ने जो मूंग खरीदी है, उसके लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिले। श्री चौहान ने कहा कि श्री तोमर ने आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार हर विषय पर सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में एक आदर्श व्यवास्था लागू करेंगे। श्री चौहान ने मूंग खरीदी के मामले में केंद्रीय कृषि मंत्री से आश्वासन मिलने पर उनके प्रति आभार जताया है।

### युवा पर्यावरण सुरक्षा में योगदान दें: शिवराज

**भोपाल, (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने युवाओं से कहा कि वे स्वच्छता, साक्षरता एवं पर्यावरण सुरक्षा जैसे कार्यों में योगदान दें। श्री चौहान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के इस पावन अवसर पर प्रदेश के युवाओं से यही आग्रह है कि स्वच्छता, साक्षरता, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ एवं सफाई जैसे कार्यों में योगदान का संकल्प लीजिए। श्री चौहान ने युवाओं से कहा कि प्रदेश और देश की प्रगति में अपना शत-प्रतिशत योगदान दीजिए।

### सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की साधारण परिषद में मनोनयन

**भोपाल, (एजेंसी)।** राज्य शासन ने सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की साधारण परिषद में दो विद्वानों - प्रोफेसर करम तेज सिंह सराव और नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्यनाथ लाभ का मनोनयन किया है।

### मुख्यमंत्री ने क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों को निवास से किया वर्चुअली संबोधित, कहा

# वैक्सीनेशन महाअभियान को बनाना है जनता का अभियान

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 27 सितंबर को चलने वाले वैक्सीनेशन महाअभियान को जनता का अभियान बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीवन का डोज निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है। हमें सभी प्रदेशवासियों के जीवन को सुरक्षित करना है। अतः सभी सामाजिक संगठन, राजनैतिक दल, स्वयंसेवी संस्थाएं और हम स्वयं अपनी व्यक्तिगत पहल से इस महाअभियान के अवसर पर वैक्सीनेशन का प्रथम डोज शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को लगवाने के लक्ष्य को पूर्ण करें।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को जिला, विकास खंड, पंचायत और वार्ड स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों से वैक्सिनेशन के महा-अभियान में वैक्सिन के प्रथम डोज के शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए राजधानी भोपाल स्थित निवास से वर्चुअली संवाद किया।

मुख्यमंत्री वैक्सीनेशन महाअभियान के संबंध में जिला, विकासखंड, पंचायत और वार्ड स्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों को निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। संवाद में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग तथा खजुराहो सांसद वीडी शर्मा भी मौजूद थे। सभी मंत्री और सांसद कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री के संबोधन के पूर्व कोविड-19 वैक्सीनेशन पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि 27 सितंबर हम सबके लिए संकल्प का दिन है। हमें सभी पात्र व्यक्तियों को कोरोना वैक्सीनेशन का फर्स्ट डोज लगाकर मप्र को सुरक्षित बना देना है। मुख्यमंत्री ने भारत मां की जय के घोष के साथ सभी लोगों को महाअभियान में योगदान देने का संकल्प दिलाया।

**सावधानी बरतने की जरूरत:** मुख्यमंत्री कहा कि कोरोना ने प्रदेश में भीषणतम परिस्थितियां निर्मित की थी। सबके परस्पर सहयोग और संघर्ष की भावना के कारण हम उन स्थितियों से बाहर आ पाए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में है। इंदौर में महू में एक साथ 30 कोरोना के पॉजिटिव केस मिले हैं। परिणामस्वरूप प्रदेश का कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 36 पर पहुंच गया है। इसका अर्थ यह है कि हमें कोरोना को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने इंदौर जिला प्रशासन को संक्रमण फैलने से रोकने सावधानियां बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर सूची बनाकर वैक्सीनेशन कार्य किया जाए। यह चिन्हित करें कि किन लोगों का वैक्सीनेशन हो गया है और कौन शेष हैं। इस आधार पर पीले चावल देकर घर-घर संपर्क कर वैक्सीनेशन का महत्व बताकर लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें। वैक्सीनेशन सेंटर तक लाने वाहनों की व्यवस्था की जाए। जो बुजुर्ग और दिव्यांग सेंटर तक नहीं आ सकते, उनके घर जाकर टीकाकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाइन, वनडे गवर्नेंस, समाधान ऑनलाइन भी आरंभ हो रहे हैं। यह जन-कल्याण, विकास और सुराज का अभियान है। गुना में राशन के मामले में कुछ गड़बड़ी पकड़ी गई हैं। कार्रवाई करने वालों को मुख्यमंत्री ने बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि माफिया के खिलाफअभियान और कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

### वैक्सीनेशन पर हुआ प्रजेंटेशन

अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान ने कोविड-19 वैक्सीनेशन पर प्रजेंटेशन दिया। प्रजेंटेशन के मुख्य बिंदु।

- प्रदेश की 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की कुल अनुमानित जनसंख्या 5 करोड़ 49 लाख 50 हजार है। इसमें से 4 करोड़ 63 लाख 60 हजार व्यक्तियों अर्थात 84 प्रतिशत को प्रथम डोज और एक करोड़ 35 लाख 20 हजार अर्थात 25 प्रतिशत को द्वितीय डोज लग चुका है।
- प्रदेश की पात्र आबादी में से 85 लाख 90 हजार लोगों को प्रथम डोज लगना शेष है।
- राज्यवार कोविड वैक्सीनेशन में कुल पात्र जनसंख्या को प्रथम डोज लगाने में मप्र 84 प्रतिशत डोज लगाकर देश में प्रथम स्थान पर है।
- भोपाल और इंदौर में शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को लगा वैक्सीन का प्रथम डोज।
- प्रदेश के 42 जिलों में हुआ प्रथम डोज का 80 प्रतिशत से अधिक वैक्सीनेशन।
- किसी भी जिले में वैक्सीनेशन 70 प्रतिशत से कम नहीं। सीधी 74 प्रतिशत और भिण्ड 72 प्रतिशत के साथ सबसे निचले पायदान पर है।

# पांच उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के तबादले

**भोपाल (एजेंसी)।** राज्य शासन ने शुक्रवार को पांच उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। जिसमें कार्यवाहक उप पुलिस अधिक्षक भी शामिल हैं। गृह विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश के अनुसार एसडीओपी खिरकिया राजेश सूलिया को उप पुलिस अधीक्षक इंदौर पदस्थ किया गया है।

| अधिकारी नाम | वर्तमान पदस्थापना | नवीन पदस्थापना |
|---|---|---|
| राजेश सूलिया | एसडीओपी खिरकिया | उप पुलिस अधीक्षक इंदौर |
| मोहित कुमार यादव | एसडीओपी भांडेर | एसडीओपी नागौद |
| रविशंकर पाण्डेय | एसडीओपी नागौद | एसडीओपी उमरिया |
| महेंद्र सिंह चौहान | कार्यवाहक उपु अधीक्षक इंदौर | कार्यवाहक नपुअ सतना |
| विजय प्रताप सिंह परिहार | नगर पुलिस अधीक्षक सतना | एसडीओपी भीकनगांव |

### पीएचक्यू ने 27 सब इंस्पेक्टर किए गए इधर से उधर

**भोपाल, (प्रसं)।** पुलिस मुख्यालय के स्थापना बोर्ड ने शुक्रवार को 27 सब इंस्पेक्टर के तबादला आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार स्थापना बोर्ड के अनुमोदन के बाद कुल 27 सब इंस्पेक्टर को विभाग की विभिन्न इकाईयों में पदस्थ किया गया है। इन सभी सब इंस्पेक्टर को तत्काल प्रभाव से वर्तमान पदस्थापना से कार्यमुक्त होकर नवीन पदस्थापना इकाई में आमद देना होगी।

# आत्मनिर्भर लाड़ली के रूप में लागू होगी लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0

## सीएम शिवराजसिंह चौहान ने कहा

**भोपाल (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा बेटियों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना को नए स्वरूप लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 - आत्मनिर्भर लाड़ली के रूप में लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी और गर्व है कि बेटियों के प्रति समाज की मानसिकता में बदलाव लाने के लिए वर्ष 2007 में लागू की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्तमान में 39.81 लाख से अधिक बेटियां जुड़ी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना की लोकप्रियता को देखते हुए अन्य राज्यों ने भी इसे अपनाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के वैश्विक परिदृश्य में बेटियों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाए जाने की जरूरत है। लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 आत्मनिर्भर लाड़ली में हमने लाडली बालिकाओं के कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता, उच्च शिक्षा तथा जीवन के अन्य क्षेत्रों में उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया है। इससे वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेंगी। चौहान ने प्रदेश की लाड़ली बेटियों से आग्रह किया है कि वे शाला में प्रवेश से लेकर निरंतर आगे की कक्षाओं में अग्रसर होते हुए इसी लगन, उत्साह और परिश्रम से 12वीं कक्षा तथा उसके बाद भी अपने रूचि अनुसार लक्ष्य निर्धारित करते हुए उच्च शिक्षा एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करें। इससे अन्य बालिकाओं को भी प्रेरणा मिल सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी बालिकाओं को कॉलेज की पढ़ाई से लेकर स्व-रोजगार अथवा नौकरी पाने तक राज्य सरकार हरसंभव सहायता करेगी।

# 34 हजार ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य प्रगति पर

**भोपाल ।** प्रदेश में जल जीवन मिशन में अब तक 3325 ग्रामों के शत-प्रतिशत घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। समूची ग्रामीण आबादी को शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था करने जल जीवन मिशन में राज्य सरकार के प्रयास तेजी से जारी हैं। मिशन में निरंतर कार्यों के आंकलन के अनुसार ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन से जल पहुंचाने 1864 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 90 से 100 प्रतिशत, 1681 ग्रामों में 80 से 90 प्रतिशत, 1469 ग्रामों में 70 से 80 प्रतिशत और 28931 ग्रामों की जल-प्रदाय योजनाओं में 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्णता की ओर हैं। समग्र रूप से प्रदेश के राजस्व ग्राम 53738 में से 33 हजार 945 ग्रामों में जल्द नल कनेक्शन से पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा। मिशन में प्रदेश में जून 2020 से जल-प्रदाय योजनाओं के कार्य प्रारंभ किए गए थे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल निगम द्वारा ग्वालियर और चंबल संभाग में 963 जलप्रदाय योजनाओं का कार्य जारी है। प्रगतिरत इन जलप्रदाय योजनाओं की लागत 1143 करोड़ 43 लाख 05 हजार है। ग्वालियर संभाग अंतर्गत ग्वालियर जिले में 132, दतिया 150, शिवपुरी 87, अशोकनगर 74 और दतिया में 19 जलसंरचनाओं में कार्य हो रहा है। चंबल संभाग के अंतर्गत मुरैना जिले की 345, भिंड 129 और श्योपुर जिले की 27 जलसंरचनाएं शामिल हैं। इन जिलों के विभिन्न ग्रामों में पूर्व से निर्मित पेयजल अधोसंरचनाओं को नए सिरे से तैयार कर रेट्रोफिटिंग के अंतर्गत भी कार्य किए जा रहे हैं।

# पंजीयक सहकारी संस्थाएं मप्र के अवैध आदेश को निरस्त करने की मांग

## सहकारी आंदोलन के प्रजातांत्रिक स्वरूप को नष्ट करने एवं कुचलने का भाजपा पर आरोप

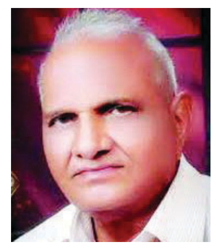

**भोपाल (एजेंसी)।** पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मप्र कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक भगवान सिंह यादव ने आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं मप्र भोपाल द्वारा 09 सितंबर 2021 की अधिकारिता विहीन रूप से जारी आदेश की कड़ी आलोचना की है।

श्री यादव ने कहा है कि मप्र सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 55(1) में पंजीयक को सोसायटियों के संचालन हेतु सेवाशर्ते/सेवानियम बनाने का अधिकार विधायका द्वारा दिया गया है जिसमें समितियों में कर्मचारियों की नियुक्ति, भर्ती आदि नियमों का उल्लेख किया गया है। इसके ठीक विपरीत पंजीयक सहकारिता द्वारा 09 सितंबर 2021 को एक तुगलकी आदेश जारी कर प्रदेश की सभी सहकारी संस्थाओं को यह निर्देश जारी किए गए हैं कि किसी भी सहकारी संस्था में गार्ड, चौकीदार, स्वीपर, लिपिक आदि अनेक प्रकार की सेवाओं के लिए मप्र राज्य सहकारी संघ से ठेके पर कर्मचारी लेकर उनकी प्रतिपूर्ति की जाए, जबकि राज्य सहकारी संघ की उपविधियों में इस प्रकार की सेवाएं दिए जाने एवं अन्य सहकारी संस्थाओं को इस प्रकार की सेवाएं राज्य सहकारी संघ से लिए जाने के लिए उनके सेवानियमों एवं उपविधियों में कोई उल्लेख नहीं है।

इस प्रकार पंजीयक सहकारिता मप्र द्वारा आदेश दिनांक 09 सितंबर 2021 जारी कर सहकारी संस्थाओं के प्रजातांत्रिक ढांचे को तहस नहस करने का काम किया है। श्री यादव ने प्रदेश के किसानों के हित में सहकारी आंदोलन को क्षति पहुंचाने वाले पंजीयक सहकारिता द्वारा जारी उक्त आदेश को तत्काल निरस्त किए जाने की मांग करते हुए संस्थाओं के मूल स्वरूप को नष्ट किए जाने के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

### योग विषय बना विद्यार्थियों की पहली पसंद

**भोपाल, (एजेंसी)।** प्रदेश में सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में राष्ट्रीय नवीन शिक्षा नीति का क्रियान्वयन किया गया है। इसके तहत विद्यार्थी अपनी सुविधा और रूचि के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। एडमिशन प्रक्रिया के पहले और दूसरे राउंड के पश्चात विद्यार्थियों ने योग विषय को सबसे ज्यादा चुना है। दूसरा पसंदीदा विषय जैविक खेती और तीसरे नंबर पर व्यक्तित्व विकास को चुना गया। ये सभी विषय व्यावसायिक पाठ्यक्रम के तहत संचालित हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एडमिशन प्रक्रिया के दो राउंड के बाद योग विषय को 86 हजार 495 विद्यार्थियों ने, जैविक खेती को 80 हजार 104, व्यक्तित्व विकास 77 हजार 833, सूचना प्रौद्योगिकी 28 हजार 201, डिजिटल मार्केटिंग 22 हजार 511, पर्यटन विषय को लगभग 17 हजार 879 विद्यार्थियों ने व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत चुना है। इसके अतिरिक्त जीएसटी के साथ ई-अकाउंटिंग और कराधान विषय को 17 हजार 514 तथा चिकित्सा निदान (मेडिकल डायग्नोस्टिक) विषय को लगभग 14 हजार 627 विद्यार्थियों ने चुना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नवाचार के रूप में विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषय चुनने की स्वतंत्रता दी गई है। विद्यार्थी अगर चाहे तो अपने संकाय के अतिरिक्त किसी अन्य संकाय से भी विषय का चयन कर सकता है। विद्यार्थी प्रारंभिक तौर पर कला संकाय से 27, विज्ञान संकाय से 20, वाणिज्य संकाय से 5 एवं अन्य में एनसीसी, एनएसएस और शारिरिक शिक्षा जैसे विषयों का चयन कर सकते हैं।

**गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य ::** नवीन शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप/ एपरेन्टिसशिप/ फील्ड प्रोजेक्ट और कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड सर्विस को अनिवार्य किया गया है। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उनके द्वारा किए गए कार्यों के अंक भी मिलेंगे।

### अपेक्स बैंक की 57वीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित

# सहकारी बैंक सूक्ष्म प्रजातांत्रिक प्रणाली का जीवंत माध्यम हैं : पी.नरहरि

## प्रतिस्पर्द्धा के दौर में सहकारी बैंकों को बेहतर बनाने के प्रयास जारी: नरेश पाल

### शासन की मंशानुरूप कर्तव्यपथ पर कार्य की दिशा में समर्पित अपेक्स बैंक : पीएस तिवारी

**भोपाल (एजेंसी)।** अपेक्स बैंक की 57 वीं वार्षिक साधारण सभा का शुभारंभ शुक्रवार को बैंक मुख्यालय के टीटीनगर स्थित सुभाष यादव समन्वय भवन के सभागृह में मप्र विपणन संघ के प्रबंध संचालक पी.नरहरि, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं तथा प्रशासक, अपेक्स बैंक नरेश पाल कुमार एवं बैंक के प्रबंध संचालक पीएस तिवारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके उपरांत गणमान्य अतिथियों का पुष्प-गुच्छों से स्वागत किया गया ।

बैठक में मार्कफेड के प्रबंध संचालक पी.नरहरि ने कहा कि मुझे कलेक्टर एवं कमिश्नर के पद पर काम करने के दौरान एवं वर्तमान में विपणन संघ के प्रबंध संचालक के रूप में कार्य के दौरान अपने अनुभव के आधार पर यह कहने में अत्यंत खुशी हो रही है कि वास्तव में सहकारी संस्थाएं एवं बैंकें प्रजातांत्रिक प्रणाली का सूक्ष्म रूप हैं और इनका प्रदेश के विकास में अतुल्यनीय योगदान है । अपेक्स बैंक के प्रशासक तथा आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं मप्र नरेश पाल कुमार ने कहा कि मुझे अपेक्स बैंक के प्रशासक के रूप में कई चीजों को नजदीक से देखने और समझने का अवसर मिला। टीसीएस के सॉफ्टवेयर में कुछ सुधार के साथ पूरे प्रदेश की पैक्स को अतिशीघ्र कम्प्यूटराईज कराने के सघन प्रयास जारी हैं, इसके लिए अपेक्स बैंक, जिला बैंकों के साथ सहकारिता विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षण कराया जा रहा है तथा गबन-धोखाधड़ी में दोषी पाए गए अधिकारियो/कर्मचारियों के विरूद्ध सख्ती से दण्डात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। बैठक में उपस्थित कुछ सम्माननीय सदस्यों से प्राप्त फीडबैक पर अतिशीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन भी प्रशासक ने दिया।

### अपेक्स बैंक ने ग्राहकों को दी कई सुविधाएं

उन्होंने आगे बताया कि अपेक्स बैंक ने इस वर्ष अपने ग्राहकों को अन्य बैंकों की भॉति त्वरित एवं सुगम बैंकिंग प्रणाली के तहत एटीएम सह डेबिट कार्ड, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस एवं मोबाईल बैंकिंग की सुविधा के अलावा यूपीआई सेवा से भी जोड़ दिया है, जिसके माध्यम से अब बैंक के ग्राहक अन्य व्यवसायिक बैंकों के समान पेटीएम, गूगल-पे, फोन-पे आदि का उपयोग करते हुए फंड ट्रांसफर कर सकेंगे।

### अपेक्स बैंक ने कमाया 73.87 करोड़ का शुद्ध लाभ : एमडी

बैठक का संचालन करते हुए अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री तिवारी ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत करते हुए बताया कि पूर्व के वर्षों की तुलना में विगत वित्तीय वर्ष 2020-21 में ''कोरोना काल'' के कठिन दौर में भी अनेक कठिनाईयों के बावजूद भी पूरे प्रदेश में बैंक के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने अमानत संग्रहण, ऋण वितरण एवं लाभार्जन में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किए हैं, जिसकी वजह से ही बैंक की अंशपूंजी जो 31 मार्च 2020 पर राशि 756.87 करोड़ थी, में 21.10 करोड़ की वृद्धि हुई और 31 मार्च 21 पर 777.97 करोड़ हो गई। इसी प्रकार बैंक की निधियां विगत वित्तीय वर्ष में 1371.61 करोड़ से बढ़कर 1521.42 करोड़ हो गई तथा बैंक ने अमानत संग्रहण में भी उल्लेखनीय वृद्धि अर्जित की, जिसमें विगत वित्तीय वर्ष में 7348.81 करोड़ में 1244.12 की बढ़ौतरी हुई। इसी प्रकार 31 मार्च 21 पर बैंक का सकल विनियोजन 4217.27 करोड़ रहा, जो कि गतवर्ष की अपेक्षा 1938.12 करोड़ (85.04 प्रतिषत) अधिक है। इसी प्रकार वर्षांत पर बैंक का सकल एनपीए 5.20 प्रतिशत एवं शुद्ध एनपीए 2.68 प्रतिशत कम रहा श्री तिवारी ने आगे बताया कि वर्ष 2020-21 में लगातार घटती ब्याज दरों का लाभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों, कृषकों एवं व्यक्तिगत हितग्राहियों को देने के उद्देष्य से वर्ष के दौरान बैंक द्वारा कृषि एवं अकृषि ऋणों की ब्याज दरों में कमी की गई है। बैंक की कार्यशील पूंजी 31.03.21 की स्थिति पर 16491.82 करोड़ रही, जो गत वर्षान्त पर 14277.31 करोड़ थीं, जिसका प्रमुख कारण बैंक की अमानतों में वृद्धि होना है। बैंक ने प्रतिस्पद्धाज़ के दौर में ब्याज दरों में कमी करने के बाद एवं कोविड-19 के संक्रमणकाल में भी इस वित्तीय वर्ष में 73.87 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया।

## पोर्न रैकेट केस में

# गहना वशिष्ठ

## को बड़ी राहत, अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया ये आदेश

पोर्न रैकेट केस में एक्ट्रेस और मॉडल गहना वशिष्ठ पर जांच चल रही है। इस बीच एक्ट्रेस को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। स्ट ने इस केस में एक्ट्रेस को गिरफ्तारी से सुरक्षा देदी है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक गहना के खिलाफ दर्ज की गई तीसरी FIR के आधार पर उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। लेकिन इसके साथ ही एक्ट्रेस को ये भी आदेश दिया गया है कि जांच की प्रक्रिया में एक्ट्रेस को जरूरत पड़ने पर पूरी तरह सहयोग देना पड़ेगा।

जस्टिस संजय किशन कौल और बीआर गवई की बेंच ने आदेश दिया है कि पहले दो केसेस में गहना के खिलाफ दर्ज हुई FIR पेंडिंग हैं, वो 133 दिनों की कस्टडी में भी रह चुकी हैं। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा प्रोब की गई एक FIR में बिजनेसमैन राज कुंद्रा का नाम था। पुलिस ने पहले वशिष्ठ को तीन प्रोड्यूसर्स के साथ पोर्नोग्राफिक फिल्म बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कथित तौर पर ये फिल्म कुंद्रा के मोबाइल एप्लीकेशन पर रिलीज की जाती थीं।

बता दें कि कुंद्रा को 19 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था जिसके बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। कोर्ट ने कहा– मुख्य आरोप पहले ही बेल पर बाहर हो चुका है। महाराष्ट्र सरकार को लेकर वशिष्ठ की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कोर्ट ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता (गहना वशिष्ठ) की गिरफ्तारी नहीं होगी लेकिन वो जांच में सहयोग करेंगी।

## कश्मीर में धार्मिक स्थलों में इबादत करती दिखीं सारा अली ख़ान, तस्वीरें देख फैंस कर रहे जमकर तारीफ़

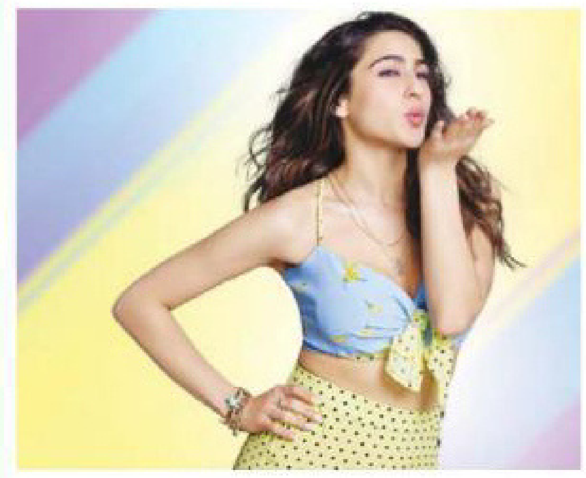

सारा अली ख़ान वैसे तो सोशल मीडिया में काफ़ी सक्रिय हैं और अपनी तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं, मगर बुधवार को उन्होंने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं, उनकी काफ़ी तारीफ़ हो रही है। सारा ने इन तस्वीरों के ज़रिए धार्मिक एकता का शानदार संदेश दिया है। किसी तस्वीर में सारा मंदिर में बैठी हैं तो किसी तस्वीर दरगाह पर सजदा कर रही हैं। सारा की यह तस्वीरें कश्मीर यात्रा की हैं।

सारा ने इन तस्वीरों के साथ लिखा– अगर फिरदौस बर रू-ए ज़मीं अस्त, हमीं अस्त–ओ हमीं अस्त–ओ हमीं अस्त यानी अगर धरती पर कहीं जन्नत है तो वो यहीं है, यहीं है, यहीं है। इसके साथ सारा ने अंग्रेजी और हिंदी में लिखा– सर्व धर्म समभाव।

पहली तस्वीर में सारा नमाज़ पढ़ने वाली मुद्रा में बैठी नज़र आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में मन्नत का धागा बांध रही हैं। तीसरी तस्वीर में सारा कहीं बैठी हैं और उनके ऊपर मस्जिद शरीफ़ का बोर्ड नज़र आ रहा है। चौथी तस्वीर में सारा एक गुरुद्वारे में हैं। पांचवी तस्वीर मंदिर की है। पांचवी तस्वीर में सारा एक चर्च के गेट पर दिख रही हैं। सारा ने वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वो एक मंदिर प्रांगण में हाथ जोड़े हुए खड़ी हैं।

इन तस्वीरों को सारा के फॉलोअर्स ख़ूब पसंद कर रहे हैं। उनकी बुआ सबा अली ख़ान ने लिखा– अब्बा के लिए दुआ करना। बता दें, आज सारा के दादा नवाब मंसूर अली ख़ान की पुण्यतिथि है।

पिछले दिनों गणेश चतुर्थी के मौक़े पर सारा ने तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिनमें वो अपनी मॉम अमृता सिंह के साथ गणपति बप्पा के दरबार में पूजा करते हुए दिख रही थीं। सारा को कई बार अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है।

पिछले दिनों गणेश चतुर्थी के मौक़े पर सारा ने तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिनमें वो अपनी मॉम अमृता सिंह के साथ गणपति बप्पा के दरबार में पूजा करते हुए दिख रही थीं। सारा को कई बार अपनी धार्मिक मान्यताओं के लिए ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ता है ।सारा के करियर की बात करें तो उनकी आख़िरी रिलीज़ फ़िल्म कुली नम्बर वन है, जो अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई थी। डेविड धवन निर्देशित फ़िल्म में वरुण धवन लीड रोल में थे। सारा ने आनंद एल राय की फ़िल्म अतरंगी रे की शूटिंग पूरी की है, जो अगले साल रिलीज़ होगी। इस फ़िल्म में अक्षय कुमार और धनुष मुख्य किरदारों में हैं। सारा ने केदारनाथ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

## नोरा फतेही की हिंदी का खूब उड़ाया गया था मजाक, गाड़ी में बैठकर रोती थीं , आज हैं करोड़ों की मालकिन

नोरा फतेही का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा हैद्य इसमें वह बॉलीवुड में अपने संघर्ष के दिनों को याद करती नजर आ रही है नोरा वीडियो में कह रही है कि बॉलीवुड के शुरूआती दिनों में उन्हें हिंदी को लेकर ट्रोल किया जाता थाद्य नोरा ने वीडियो में बताया है कि वह फिल्म इंडस्ट्री से नहीं होने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

नोरा फतेही ने बताया है कि किस प्रकार हिंदी भाषा की कमी के कारण उनका मजाक उड़ाया जाता थाद्य उन्होंने कहा कि इसके बाद उन्होंने हिंदी सीखनी शुरू की और उनके द्वारा दिए गए ऑडिशन उनके लिए परेशानी का सबब बन जाते थेद्य उन्होंने कहा कि वह इसके लिए तैयार नहीं थी और जब उनका मजाक उड़ाया गया, तब उन्हें काफी बुरा लगता थाद्य उन्होंने यह भी कहा कि लोग जानबूझकर ऐसा नहीं करते थे लेकिन उनकी हिंदी के कारण लोग उनके चेहरे पर हंसते थे और उन्हें ऐसा लगता था जैसे वह किसी सर्कस से आई हैद्य नोरा फतेही ने यह भी कहा कि जब वह घर जा रही होती थी, तब रोती थी।

नोरा फतेही ने अपने इस बुरे अनुभव को याद कर कहा था, मैंने हिंदी सीखना शुरू किया लेकिन ऑडिशन मेरे लिए बहुत ही परेशान रहीद्य मैं इसके लिए मानसिक तौर से तैयार नहीं थीद्य मैं हर दिन अपना मजाक बनाती थीद्य लोग मुझपर हंसते थे, वह मेरे चेहरे पर ही मेरा मजाक उड़ाते थेद्य जैसे मैं किसी सर्कस से आई हूंद्य मुझे डराते थेद्य मेरा अपमान करते थेद्य जब मैं घर जा रही होती थी, तब मैं रोती थीद्य एक कास्टिंग डायरेक्टर ने मुझसे कहा था कि मेरी जगह यहां पर नहीं है और वापस चले जाना चाहिए।

गौरतलब है कि नोरा फतेही का करियर दिलबर गाने के बाद सफल हुआ और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखाद्य उन्होंने कई फिल्मों में काम कियाद्य इनमें बाटला हाउस और स्ट्रीट डांसर 3ष्ठ जैसी फ़िल्में शामिल हैद्य हाल ही में वह झलक दिखला जा 9, डांस प्लस 4, डांस दीवाने जैसे रियलिटी शो में भी नजर आई हैद्य नोरा फतेही के सोशल मीडिया पर 20 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स है।

# मलाइका अरोड़ा

## को मर्दों की ये क्वालिटी आती हैं पसंद, अर्जुन कपूर की इस बात से शरमाई

अर्जुन कपूर को भेजे गए अपने अंतिम मैसेज का खुलासा करते समय मलाइका अरोड़ा शरमा गईद्य इसके अलावा उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत चिकने पुरुष पसंद नहीं हैंद्य मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में सुपरमॉडल ऑफ द ईयर के एपिसोड में अपने ब्वॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर को भेजे गए आखिरी टेक्स्ट मैसेज को पढ़कर सुनाया। मलाइका ने यह भी कहा कि अर्जुन उन्हें अच्छे से जानते है। मलाइका अरोड़ा ने सुपरमॉडल ऑफ द ईयर पर अर्जुन कपूर के बारे में बात की है।

सुपरमॉडल ऑफ द ईयर के हालिया एपिसोड में मलाइका अरोड़ा ने अपने साथी जज मिलिंद सोमन के साथ खुलकर बात की है। दोनों ने क्रश, टर्न–ऑन और टर्न–ऑफ पर चर्चा की और मलाइका ने अपने ब्वॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर को भेजे गए अंतिम टेक्स्ट मैसेज का भी खुलासा किया। पसंदीदा मॉडल के बारे में पूछे जाने पर मलाइका ने कहा, मुझे डेनियल क्रेग पर क्रश है क्योंकि मैं जानती हूं कि हमारी जोड़ी खूब जमेगी। मेरी महिला क्रश बेला हदीद है।

मिलिंद ने मलाइका से आगे पूछा,क्या आप बेवफाई की अनुमति देती है और वह व्यक्ति कौन होगा? मलाइका ने इसपर जवाब दिया, डैनी बॉय। क्या आपने उन्हें समुद्र से बाहर आते समय छोटे–छोटे शॉर्ट्स में देखा है? उफ्फ। मैं एक ऐसे व्यक्ति को पसंद करती हूं जो थोड़ा मोटा हो। मुझे वह पसंद है। बहुत चिकने या क्लीन शेव मुझे पसंद नहीं आते। मुझे कोई ऐसा व्यक्ति पसंद है जो वास्तव में अच्छी तरह से किस कर सकता है।

मलाइका को ऐसे पुरुष नहीं पसंद है जो गपशप करते है। जब मिलिंद ने मलाइका से किसी ऐसे शख्स का नाम बताने को कहा जो उन्हें अच्छे से जानता हैद्य इसपर उन्होंने कहा, मैं अर्जुन का नाम लूंगी। वह मुझे जानता हैद्य वह मुझे समझता है, वह मुझे परेशान करता है।

इस अवसर पर मलाइका तब शरमा गई जब उनसे अर्जुन को भेजे गए आखिरी टेक्स्ट मैसेज का खुलासा करने के लिए कहा गयाद्य, यह आई लव यू थाद्य अर्जुन और मलाइका पिछले कुछ वर्षों से एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर सार्वजनिक कर दिया।

# आईपीएल 2021: आज से होंगे डबल हेडर मुकाबले, दिल्ली जीती तो पहुंच जाएगी प्लेऑफ में

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मुकाबले 19 सितंबर से शुरू हुए थे. शनिवार से अब इस लीग में डबल हेडर मुकाबले शुरू हो रहे हैं. शनिवार को दोपहर 3ः30 बजे से दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अबू धाबी में मैच खेला जाएगा. इस मुकाबले में अगर दिल्ली की टीम जीत हासिल करती है तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाएगी.

पिछले सीजन में दिल्ली की टीम फाइनल में पहुंची थी. लेकिन उसे मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. मौजूदा सीजन में दिल्ली की टीम ने 9 में से 7 मुकाबले जीत लिए हैं. वहीं अगर राजस्थान रॉयल्स की बात करें तो इस टीम ने 8 में से 4 मैचों में जीत हासिल की है. राजस्थान की टीम अंकतालिका में पांचवें पायदान पर है. पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब को 2 रनों से हराया था. राजस्थान की टीम ने 2008 के बाद आईपीएल का खिताब नहीं जीता है. दिल्ली कैपिटल्स की टीम राजस्थान रॉयल्स की अपेक्षा काफी मजबूत नजर आ रही है. दिल्ली की टीम के ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन इस सीजन में 400 से ज्यादा रन बना चुके हैं. पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत भी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. वहीं राजस्थान की तरफ से अब तक कोई बल्लेबाज 300 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाया है.

## राजस्थान के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं होने वाला है : नॉर्त्जे

**दुबई।** दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को होने वाला मुकाबला आसान नहीं होने वाला है। नॉर्त्जे ने साथ ही कहा कि टीम को अबु धाबी के वातावरण में जल्द ही ढलना होगा। दिल्ली की टीम फिलहाल नौ मैचों में 14 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं।

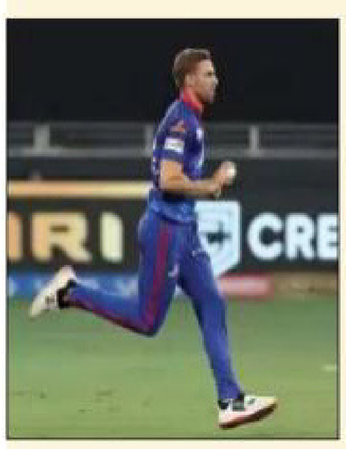

नॉर्त्जे ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में कहा, हमें जल्द ही अबु धाबी के वातावरण में ढलना होगा और देखना होगा कि हमें क्या करने की जरूरत है। यह मुकाबला आसान नहीं होने वाला है और गर्मी बड़ा कारण होगी। उम्मीद करता हूं कि हम अपनी प्रतिभा पर नियंत्रण रख सकेंगे और उस चीज पर ध्यान केंद्रित करेंगे जहां हमें जरूरत है। टूर्नामेंट में सबसे तेज 151.71 किमी प्रति घंटा के साथ आईपीएल 2021 सीजन की शीर्ष आठ सबसे तेज डिलीवरी दर्ज करने वाले नॉर्त्जे ने खुलासा किया कि वह गेंदबाजी करते समय उच्च गति की खोज नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा, मैं मैदान पर गेंदबाजी की गति के बारे में नहीं सोचता लेकिन जब मैं अपनी ताकत का प्रशिक्षण कर रहा होता हूं तो मैं इसके बारे में सोचता हूं। हाई स्पीड ऐसी चीज नहीं है जिसे मैं मैदान पर ढूंढता हूं। मैं खेल के दौरान गेंदबाजी करते समय सही लेंथ पर हिट करने की कोशिश करता हूं। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में पूछे जाने पर नॉर्त्जे ने कहा, हमारे टीम में पोंटिंग का होना बहुत अच्छा है। मुझे उनकी चैट पसंद है और वह चीजों को बहुत अच्छी तरह से बताते हैं और सब कुछ समझने में आसान बनाते हैं। वह जो चाहते हैं उस पर काफी स्पष्ट है। मैं उनसे जितना हो सके सीखने की कोशिश कर रहा हूं। हमें उनके साथ काम करने में मजा आता है।

## वेस्टइंडीज ने प्रतिबद्धता को लेकर पाकिस्तान को आश्वस्त किया

**एंटिगा।** क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को आश्वासन दिया कि वह इस साल दिसंबर में अपने दौरे की प्रतिबद्धता का सम्मान करने की योजना बना रहा है। सीडब्ल्यूआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि कैरिबियन में खेल के शासी निकाय का दौरे के दायित्वों को पूरा नहीं करने का कोई इरादा नहीं है। ग्रेव ने त्रिनिदाद न्यूजडे के हवाले से कहा, हमारा इरादा अपने दौरे के दायित्वों को पूरा करना है। हमारे पास एक बहुत स्पष्ट प्रक्रिया है जिसे हम स्वतंत्र सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ करते हैं, जैसा कि हमने 2018 में किया था। तीन साल पहले, जेसन मोहम्मद के नेतृत्व में वेस्टइंडीज की टीम ने कराची में तीन टी20 मैचों के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था।

ग्रेव ने कहा, हम उस प्रक्रिया का पालन करेंगे, निदेशक मंडल, डब्ल्यूआईपीए (वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन), साथ ही खिलाड़ी स्वयं योजनाओं और हमारी रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे, जिसमें स्वतंत्र सुरक्षा सलाह भी शामिल है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान में हमारे अधिकांश महिला और पुरुष खिलाड़ी खेल चुके हैं। ग्रेव ने कहा, हम पहले प्रक्रिया से गुजरेंगे, पीसीबी और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ। हम खिलाड़ियों के साथ किसी भी सवाल का जवाब देने और उन्हें सारी जानकारी देने के लिए बैठक करेंगे। हम अभी उस प्रक्रिया की शुरूआत में हैं। वेस्टइंडीज को पाकिस्तान में तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलने हैं।

# आईपीएल 2021: अब दूसरी टीमों का खेल बिगाड़ेगी सनराइजर्स हैदराबाद, पहले निशाने पर केएल राहुल की टीम

**दुबई (एजेंसी)।**

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है. अब ये टीम दूसरी टीमों के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगी. पहले निशाने पर पंजाब की टीम होगी जिसके खिलाफ शनिवार को उसका मैच होना है. इस सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद ने 8 मैच खेले हैं जिसमें से उसने केवल एक ही मुकाबले में जीत हासिल की है और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम अंकतालिका में 2 अंकों के सबसे निचले पायदान पर चल रही है.

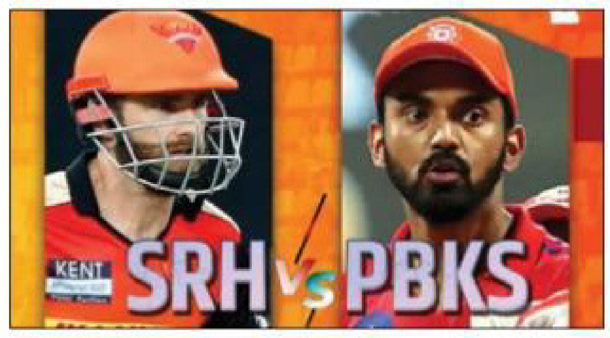


पंजाब किंग्स को अगर प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे बाकी बचे सभी मैचों में जीत हासिल करनी होगी. राजस्थान रॉयल्स के विरुद्ध खेले गए मुकाबले में पंजाब की जीत नजर आ रही थी. लेकिन आखिरी गेंद पर उसने 2 रन से मुकाबला गंवा दिया. पंजाब की टीम फिलहाल 6 अंकों के साथ सातवें पायदान पर बनी हुई है.

पंजाब की टीम का मैच के आखिरी क्षणों में इस तरह से मुकाबला गंवा देना उस पर भारी पड़ रहा है. पिछले मैच में पंजाब की टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 4 रन की जरूरत थी. लेकिन टीम ऐसा भी नहीं कर पाई और 2 रन से मुकाबला हार गई. पंजाब किंग्स के पास मोहम्मद शमी जैसे दिग्गज अनुभवी गेंदबाज हैं. इस टीम में केएल राहुल और मयंक अग्रवाल जैसे बेहतरीन ओपनर बल्लेबाज हैं.

# महिला क्रिकेट: रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5 विकेट से हराया

**मकाय (एजेंसी)।**

सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (नाबाद 125) रनों की शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने यहां हारुप पार्क में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में भारतीय महिला टीम को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 274 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मूनी के 133 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से नाबाद 125 रनों की पारी के दम पर 50 ओवर में पांच विकेट पर 275 रन बनाकर मैच जीत लिया।

भारत की ओर से झूलन गोस्वामी, मेघना सिंह, पूजा वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में एलिसा हेली (0) का विकेट गंवाया। इसके तुरंत बाद कप्तान लेनिंग (6) भी आउट हो गईं। फिर एलिसे पेरी (2) और एश्ले गार्डनर (12) के रूप में ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका लगा। इस वक्त लग रहा था कि भारतीय टीम आसानी से इस मुकाबले को जीत लेगी लेकिन मूनी ने ताहलिया मैक्राग्थ के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को संकट से उबारा।

मूनी और मैक्राग्थ ने पांचवें विकेट के लिए 126 रनों की साझेदारी कर भारत के लिए मुश्किल खड़ी कर दी। हालांकि, इस साझेदारी को दीप्ति ने मैक्राग्थ को आउट कर तोड़ा जिन्होंने 77 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 74 रन बनाए। इसके बाद मूनी ने निकोला कैरी के साथ पारी आगे बढ़ाई और मुकाबले को अंतिम ओवर तक ले गईं। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए एक गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी लेकिन झूलन ने नॉ बॉल फेंकी और ऑस्ट्रेलिया को एक रन मिला। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए एक गेंद पर दो रन की जरूरत थी और उसने लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम किया। कैरी 38 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद रहीं।

इससे पहले, सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने भारतीय टीम को शानदार शुरूआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 74 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को सोफी मोलिन्यूक्स ने शैफाली (22) को आउट कर तोड़ा। इसके बाद भारत ने कप्तान मिताली राज (8) और यास्तिका भाटिया (3) के विकेट जल्द गंवा दिए।

विकेटकीपर ऋचा घोष के साथ मंधाना ने पारी को आगे बढ़ाया और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी की और टीम को दबाव से निकाला। मंधाना शतक से चूक गईं और 94 गेंदो पर 11 चौकों की मदद से 86 रन बना कर आउट हो गईं। इसके बाद ऋचा भी पांचवें बल्लेबाज के रुप में 50 गेंदो पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुईं। फिर दीप्ति (23) और पूजा (29) रन बनाकर पवेलियन लौटीं जबकि झूलन 25 गेंदो पर तीन चौकों की मदद से 28 रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैक्राग्थ ने तीन, मोलिन्यूक्स ने दो जबकि डार्सी ब्राउन ने एक विकेट लिया।

## आईपीएल 2021 : उमरान मलिक नटराजन के कोविड रिप्लेसमेंट के तौर पर हैदराबाद से जुड़े

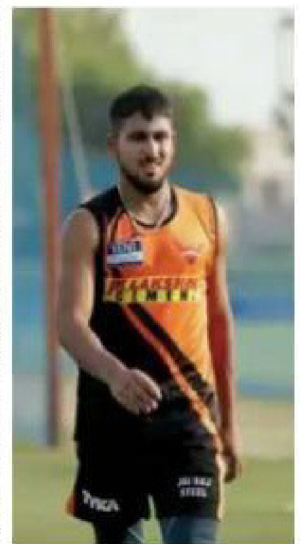

**दुबई (एजेंसी)।**

सनराइजर्स हैदराबाद ने कोरोना पॉजिटिव पाए गए टी. नजराजन की जगह तेज गेंदबाज उमरान मलिक को शॉर्ट टर्म रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है।

नियम के अनुसार, फ्रेंचाइजी को एक अल्पकालिक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को लेने की अनुमति है जब तक कि मूल टीम के सदस्य को टीम के बायो-बबल वातावरण में फिर से प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाती है।

मलिक तब तक टीम के साथ रहेंगे जब तक नटराजन पूरी तरह से ठीक होने के बाद टीम के साथ दोबारा नहीं जुड़े जाएं।

21 वर्षीय मलिक ने इस साल जम्मू-कश्मीर के लिए टी20 और लिस्ट ए डेब्यू किया था। उन्होंने बंगाल के खिलाफ लिस्ट ए डेब्यू में एक विकेट लिया था। मलिक पहले से ही नेट गेंदबाज के तौर पर हैदराबाद टीम का हिस्सा हैं।

हैदराबाद की टीम फिलहाल आठ मैचों में दो अंक लेकर अंक तालिका में निचले पायदान पर है। हैदराबाद का मुकाबला अब शनिवार को शारजाह में पंजाब किंग्स से होगा।

## टोक्यो की सफलता के बाद आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहता हूं: सिमरनजीत

**नई दिल्ली।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक में मिली सफलता के बाद वह राष्ट्रीय शिविर में जाकर खुद को आगे की चुनौतियों के लिए तैयार रखना चाहते हैं। सिमरनजीत टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा थे। सिमरनजीत ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं। टोक्यो में मेरा अनुभव अच्छा रहा और मेरा लक्ष्य अपनी भूमिका का सही तरह से उपयोग करना था। मैं अब शिविर में वापस जाने का इंतजार कर रहा हूं जिससे अपने प्रदर्शन का विशलेषण कर सकूं और समझ सकूं कि किस विभाग में सुधार करना है। सिमरनजीत भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा रहे हैं जिन्होंने 2016 में लखनऊ में एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप जीता था। उन्होंने कहा, लखनऊ में मिली उस जीत ने हमारा जीवन बदला। यह हमारे लिए मील का पत्थर साबित हुआ। मुझे लगता है कि अभी भी काफी कुछ है जिसमें हमें सुधार करना है। सिमरनजीत ने कहा, मुझे खुशी है कि कोरोना के कारण करीब दो साल तक कोई एक्शन नहीं होने के बाद अब भारत में हॉकी लौट रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट का आनंद लेंगे और मैं उन्हें गुड लक कहना चाहता हूं।

## महिला क्रिकेट : नाइट का शानदार शतक, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को तीन विकेट से हराया

**डर्बी।** हीथर नाइट (101) के शानदार शतक के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने यहां काउंटी ग्राउंड में खेले गए पांच मैचों की सीरीज के चौथे वनडे मैच में न्यूजीलैंड की महिला टीम को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली।

इंग्लैंड की कप्तान ने टॉस जीत कर न्यूजीलैंड को बल्लेबाजी का निमंत्रण दिया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 244 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 49.3 गेंदो में सात विकेट पर 245 रन बनाए और मैच को जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से हनाह रोव ने चार, कप्तान सोफी डिवाइन दो और एमी सैथरथवेट ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने सधी हुई शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज लौरेन विनफील्ड हिल (33) और टैमी ब्यूमोंट (16) ने पहले विकेट के लिए 52 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड को पहला झटका रोव ने विनफील्ड को आउट कर दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आई कप्तान नाइट ने शतकीय पारी खेलते हुए 107 गेंदो में दस चौकों की मदद से 101 रन बनाए। नाइट के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एमी एल्लेन जोन्स ने 40 रनों की पारी खेली। इससे पहले, न्यूजीलैंड की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज केटी मार्टिन ने 83 गेंदों में सात चौकों की मदद से सर्वाधिक नाबाद 65 रन की पारी खेली। केटी ने अलावा सैथरथवेट ने 86 गेंदो में चार चौकों की मदद से 54 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन ने तीन जबकि अन्या शर्बसोल और फ्रेया डेवीस ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। अब दोनो टीमों के बीच सीरीज का अंतिम मुकाबला 26 सितम्बर को खेला जाएगा।

# हार्दिक पांड्या के फिट होने की राह देखने में कहीं मुंबई इंडियन्स के लिए देर ना हो जाए

**अबुधाबी (एजेंसी)।**

जब आईपीएल 2021 का दूसरा भाग शुरु हुआ था तो मुंबई इंडियन्स टॉप 4 टीमों में शुमार थी लेकिन दो मैच बाद ही पासा पलट गया और अब मुंबई इंडियन्स सातवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियन्स साल 2020 में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईपीएल की विजेता थी। लेकिन आईपीएल 2021 के दूसरे भाग में यूएई टीम को खास रास नहीं आया है। इसकी एक वजह ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की गैर मौजूदगी भी है।

हार्दिक पांड्या इस सत्र के दोनों मैचों में ही मुंबई इंडियन्स की टीम से फिटनेस के कारण नहीं खेल पाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर कोलकाता नाइट राइडर्स दोनों ही टीमों के खिलाफ मुंबई को हार का स्वाद चखना पड़ा। मैच ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ था कि अगर हार्दिक पांड्या क्रीज पर होते तो मुंबई कुछ और रन जोड़ लेती।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई 20 रनों से हारी। निचले क्रम के बल्लेबाज जिताने वाले रन नहीं बना पाए। वहीं कोलकाता के खिलाफ अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने के कारण 155 पर मुंबई की पारी रुक गई। हार्दिक होते तो कम से कम इस स्कोर में 20 रन और जुड़ जाते।

हालांकि कल के हुए मुकाबले में यह 20 रन भी मुंबई को जिताने में नाकाफी होते क्योंकि कोलकाता के बल्लेबाजों ने काफी तेजी से रन बनाए थे और 180-185 का स्कोर भी आसानी से चेस कर जाते।

लेकिन आने वाले मैचों में हार्दिक पांड्या की कमी गेंद और बल्ले से मुंबई को खल सकती है। क्योंकि अब मुंबई को पहले टॉप 4 में आना है और फिर प्लेऑफ के लिए क्वालिफाय करना है।

हार्दिक को लेकर मुंबई नहीं करेगी कोई जल्दबाजी

मुंबई इंडियन्स के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने कहा कि आलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी फिटनेस हासिल करके खेलने की स्थिति में पहुंचने के करीब हैं लेकिन उनकी फ्रेंचाइजी टीम भारतीय टीम की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें मैदान में उतारने में जल्दबाजी नहीं दिखाएगी।

पिछले साल पीठ के आपरेशन के बाद पंड्या ने बमुश्किल गेंदबाजी की है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दो मैचों में नहीं खेल पाये लेकिन बांड ने कहा कि यह आलराउंडर अच्छा अभ्यास कर रहा है और उन्हें टूर्नामेंट के आखिरी मैचों में अवसर मिल सकता है।

बांड ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''हार्दिक भी रोहित की तरह अच्छा अभ्यास कर रहा है। वह खेलने की स्थिति में पहुंचने के करीब है। हम भारतीय टीम की जरूरतों के साथ अपनी टीम की जरूरतों में भी संतुलन बिठा रहे हैं।''

मुंबई इंडियन्स को गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में केकेआर से सात विकेट से हार झेलनी पड़ी। इससे पहले उसे टूर्नामेंट की बहाली के बाद अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से 20 रन से पराजय का सामना करना पड़ा था।

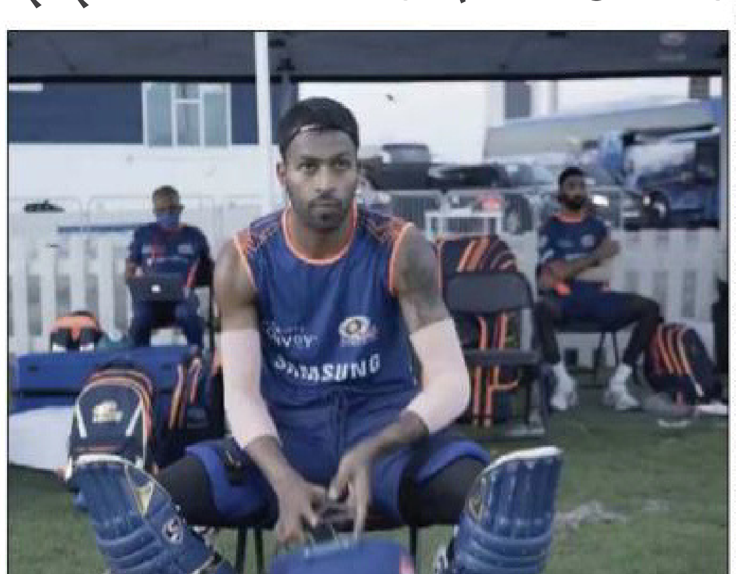


बांड ने कहा, ''फ्रेंचाइजी एक चीज बहुत अच्छी तरह से कर रही है। उसकी निगाह न सिर्फ इस टूर्नामेंट को जीतने पर है बल्कि वह इसके बाद होने वाले टी20 विश्व कप को भी ध्यान में रखकर भी अपने खिलाड़ियों के कार्यभार के बीच संतुलन बना रही है।''

उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हार्दिक अगले मैच में वापसी करेगा। जैसे मैंने पहले कहा कि उन्होंने आज भी अच्छा अभ्यास किया।''